नटराज आसन का नियमित अभ्यास वजन कम करने में मदद करता है। शारीरिक संतुलन को बेहतर बनाने में कारगर है।

02
नटराज आसन

दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

दतिया ■ शुक्रवार 14 जून 2024 ■ वर्ष -19 ■ अंक-227 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

सुविचार

कोई कायर प्यार नहीं कर सकता है, यह तो बहादुर की निशानी है।
- भगत सिंह

पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के किराए में एक माह तक 50 फीसदी छूट

मुख्यमंत्री ने भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से सेवा का किया शुभारंभ

- सातों दिन सुविधा-अब 55 मिनट में भोपाल से इंदौर
- देश का पहला हेलीकॉप्टर पायलट ट्रेनिंग स्कूल खजुराहो में संचालित
- प्रदेश के विकास को नया आयाम देगी वायु सेवा
- प्रदेश में हेलीकॉप्टर से धार्मिक स्थलों के दर्शन की सुविधा आरंभ होगी
- आठ शहर जुड़े: भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली और खजुराहो

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को भोपाल के राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ किया। भोपाल से जबलपुर जाने वाली पहली फ्लाइट को मुख्यमंत्री ने फ्लैग ऑफ किया। यह फ्लाइट भोपाल से जबलपुर होकर रीवा जाएगी। उसके बाद सिंगरौली लैंड होगी। मुख्यमंत्री ने भोपाल एयरपोर्ट पर टिकट बुकिंग काउंटर का भी शुभारंभ किया। यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए। पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के तहत प्रदेश के आठ शहरों को हवाई सेवा के माध्यम से जोड़ा गया है। इन शहरों में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली और खजुराहो शामिल है। पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा का संचालन मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के आधार पर मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (फ्लायओला) करेगी। इस नई पर्यटन सेवा को लोकप्रिय बनाने के लिए शुरुआती एक महीने तक किराए में 50 फीसदी छूट दी गई है।

एयर एंबुलेंस देने वाला देश का पहला राज्य

प्रदेश में शुरू हुई विमान सेवा से परंपरागत रूप से यात्रा में सड़क और रेल मार्ग से लगने वाले समय में कमी आएगी। रीवा- सिंगरौली से आवागमन कम समय में होगा। प्रदेश में हवाई यातायात के अंतर्गत तीन प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में सभी ओर एयर एंबुलेंस सुविधा है। जरूरत पर कलेक्टर से संपर्क कर एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ लिया जा सकता है। चुनाव के दौरान भी एयर एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दी हैं। पूरे देश में केवल मप्र ही है, जहां इस प्रकार की सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

पायलट ट्रेनिंग की व्यवस्था करेगी सरकार

सीएम ने कहा कि प्रदेश के 30 जिलों में हवाई पट्टियां हैं। सभी का विकास करेंगे। पट्टियों पर पायलट ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। ट्रेनिंग में डिग्री और डिप्लोमा कोर्स की व्यवस्था भी की जाएगी। देश का पहला हेलीकॉप्टर पायलट ट्रेनिंग स्कूल खजुराहो में आरंभ किया गया है। राज्य सरकार का प्रयास होगा कि जहां-जहां हवाई पट्टियां हैं, वहां-वहां पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, निकटवर्ती विवि के माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा जारी करें।

हेलीकॉप्टर से धार्मिक स्थलों के अब कर सकेंगे दर्शन

धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 16 जून से हेलीकॉप्टर के माध्यम से धार्मिक स्थलों के दर्शन की सुविधा भी अब जल्द शुरू की जाएगी। ओंकारेश्वर-महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंगों को वायु सेवा से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है। इंदौर अथवा भोपाल से कम समय में दोनों ज्योतिर्लिंगों के दर्शन हो सकें। ओरछा, सलकनपुर, कटनी और दतिया जैसे धार्मिक स्थलों को भी एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

आम आदमी पार्टी लड़ेगी बिहार विधानसभा चुनाव

पटना। केजरीवाल की आप बिहार में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आप के राज्यसभा सांसद संजय कुमार सिंह स्पष्ट कहा है कि बिहार में हमारी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आप के चुनावी तैयारी शुरू कर दे।

डॉ. कपिल दुआ एएएचआरएस के अध्यक्ष बनाए गए

नई दिल्ली। ए.एसोसिएशन ऑफ हेयर रिस्टोरेशन सर्जन्स ने डॉ. कपिल दुआ को अध्यक्ष नियुक्त किया। यह घोषणा चीन में आयोजित वैज्ञानिक बैठक और सर्जिकल कार्यशाला में हुई।

भारत का पहला डिफेंस ईटीएफ शुरू

नई दिल्ली। एसेट मैनजमेंट कंपनी मोतीलाल ओसवाल यानी ईटीएफ ने गुरुवार को मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह डिफेंस इंडेक्स फंड खुल गया है और 24 जून को बंद होगा। यह एक ओपन-एंडेड फंड है, जो निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स के कुल रिटर्न को रेप्लिकेट या ट्रैक करता है।

विधानसभा चुनाव से पहले जरांगे ने तोड़ा अनशन

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने सरकारी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के बाद अपना पांच दिनों से चला अनशन स्थगित कर दिया है।

सात आतंकवादियों के खिलाफ चार्जशीट पेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बेल्लारी आईएस मॉड्यूल मामले में शामिल सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया। सातों आरोपियों पर आतंकवादी स्लीपर सेल के रूप में काम करने के लिए मुजाहिदीन के रूप में कमजोर युवाओं की भर्ती और कट्टरपंथीकरण का आरोप लगाया गया है।

अजित पवार ने पत्नी सुनेत्रा को राज्यसभा चुनाव में उतारा

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के लिए राकांपा उम्मीदवार के तौर पर पर्चा दाखिल कर दिया। इस पद के लिए स्वयं चुनाव लड़ने के इच्छुक रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि वह चुनाव लड़ने के इच्छुक थे, लेकिन वह सुनेत्रा पवार के नामांकन से नाराज नहीं हैं।

लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को होगा

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को होगा। इसको लेकर अधिसूचना जारी की गई है। 25 जून तक नाम का प्रस्ताव किया जा सकेगा। राजस्थान की कोटा-बूंदी सीट से लगातार तीसरी बार जीतने वाले ओम बिड़ला को फिर लोकसभा अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

री-नीट: 1563 बच्चों को अब दोबारा देनी होगी परीक्षा, ग्रेस मार्क्स पाने वाले बच्चों के स्कोरकार्ड निरस्त

एनटीए ने कबूला! नीट में ग्रेस मार्क्स देने में हुई गड़बड़ी

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक-काउंसलिंग पर नहीं लगेगी रोक

23 जून को दोबारा परीक्षा, 30 के पहले आएगा रिजल्ट

अब एक साथ 8 जुलाई को सुनवाई किए जाने के निर्देश, कांग्रेस ने कहा- सुको की निगरानी में हो जांच

केंद्रीय मंत्री बोले- दोषियों को मिलेगी सजा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेडिकल में दाखिले से जुड़ी नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस एग्जाम) परीक्षा में गड़बड़ी के केस पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एनटीए ने जानकारी दी कि 1563 छात्रों के ग्रेस मार्क्स रद्द किए जा रहे हैं। वहीं, इन छात्रों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित की जाएगी। एनटीए ने इन छात्रों को विकल्प दिया है कि या ते ये सभी री-नीट में शामिल हो सकते हैं या फिर बिना ग्रेस मार्क्स की मार्कशीट के साथ नीट यूजी की काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। एनटीए ने कहा कि 1563 छात्रों की 23 जून को दोबारा परीक्षा होगी। वहीं, रिजल्ट 30 जून के पहले आ सकता है। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से एक बार फिर इंकार कर दिया। साथ ही, शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को अपना जवाब दो सप्ताह के भीतर पेश करने के आदेश दिए हैं।

जुलाई में होगी सुनवाई

खंडपीठ ने सभी संबंधित मामलों की अब एक साथ 8 जुलाई को सुनवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर याचिकाकर्ता और फिजिक्स वल्लाह के सीईओ अलख पांडे ने कहा कि एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के सामने माना कि छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स गलत थे। वे इस बात से सहमत हैं कि इससे छात्रों में असंतोष पैदा हुआ। वे इस बात पर सहमत हुए कि वे ग्रेस मार्क्स हटा देंगे।

कठघरे में एनटीए

ग्रेस मार्क्स पाने वाले उन 1,563 छात्रों की दोबारा परीक्षा 23 जून को होगी या बिना ग्रेस मार्क्स के मूल स्कोर छात्रों द्वारा स्वीकार किया जाएगा। एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के सामने माना कि उनके द्वारा दिए गए ग्रेस मार्क्स गलत थे। सवाल यह है कि क्या एनटीए में अन्य विसंगतियां हैं जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं है। इसलिए, एनटीए के साथ विश्वास का मुद्दा है। पेपर लीक का मुद्दा खुला है और उस पर सुनवाई जारी रहेगी।

तीन याचिकाएं

पहली : परीक्षा में शामिल 1563 बच्चों को ग्रेस मार्क्स दिए गए जो गलत है।

दूसरी : मौजूदा रिजल्ट के बेस पर हो रही काउंसलिंग तत्काल को रोका जाए।

तीसरी : देशभर में नीट की परीक्षा रद्द की जाए और एग्जाम दोबारा कराया जाए।

अब आगे : पेपर लीक के आरोप की याचिका पर आठ जुलाई को सुनवाई होगी।

बैकफुट पर एनटीए

एनटीए के महानिदेशक ने कहा था कि नीट परीक्षा में कहीं कोई गड़बड़ी नहीं है। विवाद सिर्फ छह केंद्रों के करीब 16 सौ छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने का है, जिन्हें यह मार्क्स परीक्षा में कम समय दिए जाने के एवज में दिए गए थे।

इनका कहना है

अभी जो मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, सरकार ने भी उसमें अपना पक्ष रखा है। सरकार संतुष्टि के साथ बच्चों को उत्तर देने के लिए बहुत प्रमाणिकता के साथ खड़ी है। एनटीए देश में तीन बड़ी परीक्षाएं-नीट, जेईई और सियूटी आयोजित करता है। दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी।
धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

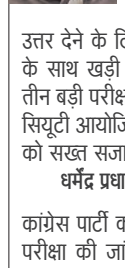

कांग्रेस पार्टी का मानना है कि नीट परीक्षा की जांच की मांग के प्रति भाजपा सरकार का रवैया गैर जिम्मेदाराना और असंवेदनशील है। हम इस पूरे घोटाले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग करते हैं। इससे करीब 24 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं। इंडिया गठबंधन इन छात्रों के मुद्दे को उठाएगा, क्योंकि यह हमारी जिम्मेदारी है।
गौरव गोगोई, कांग्रेस सांसद

अजीत डोभाल तीसरी बार बनाए गए एनएसए

पीएम के प्रधान सचिव बने रहेंगे पीके मिश्रा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में तीसरी बार मोदी सरकार बन चुकी है और इसके साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का आवंटन भी हो चुका है। गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अजीत डोभाल को लगातार तीसरी बार एनएसए नियुक्त किया गया है। डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का एनएसए नियुक्त किया गया था।

नियुक्ति समिति की दोनों पुनर्नियुक्ति पर लगी मुहर

तब से डोभाल ही इस पद को संभाल रहे हैं। उनसे पहले शिवशंकर मेनन देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। 1968 बैच के आईपीएस अधिकारी डोभाल को कूटनीतिक सोच और काउंटर टेरेरिज्म का विशेषज्ञ माना जाता है। उधर, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। आईएएस (सेवानिवृत्त) पीके मिश्रा को 10 जून 2024 से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। मिश्रा 1972 बैच के आईपीएस हैं। वह पिछले 1 दशक से पीएम मोदी के साथ प्रधान सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। पीके मिश्रा प्रशासनिक मामले और पीएमओ में नियुक्तियों का काम देखेंगे। इसके अलावा डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य मामले और इंटेलिजेंस की जिम्मेदारी संभालेंगे।

तीसरी बार अरूणाचल के सीएम बने पेमा खांडू

राज्यपाल ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

चाउना मीन ने उप मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

एजेंसी ■ ईटानगर

पेमा खांडू ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उन्हें राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ चाउना मीन ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गौरतलब है कि बुधवार को इटानगर में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें प्रेम खांडू को नेता चुना गया था। इधर, राज्यपाल से मुलाकात के बाद पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार जताया। साथ ही उन्होंने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि हम एक टीम के रूप में काम करेंगे और सभी वर्गों के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली रवाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 सम्मेलन में शामिल होने के लिए गुरुवार को इटली रवाना हो गए। यह प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा है। इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। पीएम मोदी जी-7 से इतर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात कर सकते हैं। इटली में 13 से 15 जून तक आयोजित होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में चल रहे युद्ध और गाजा में संघर्ष का मुद्दा छाए रहने की उम्मीद है। जी-7 का पूरा नाम ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) है जो एक अनौपचारिक वैश्विक मंच है। यह समूह इटली, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका को एक साथ लाने का काम करता है। यूरोपीय संघ भी समूह में भाग लेता है।

जी-7 : तीसरे कार्यकाल का पहला विदेश दौरा

पूर्व सीएम येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

पॉक्सो केस में बंगलूरू की कोर्ट का फैसला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में बंगलूरू कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। इस पूरे मामले की जांच सीआईडी द्वारा की जा रही है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी अधिनियम के तहत पूर्व मुख्यमंत्री पर 17 वर्षीय लड़की के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। सीआईडी ने यौन उत्पीड़न मामले में पूछताछ के लिए पूर्व भाजपा नेता को तलब किया। वहीं येदियुरप्पा के वकील ने सीआईडी के सामने पेश होने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। लेकिन गुरुवार को बंगलूरू कोर्ट ने पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। गौरतलब है कि लड़की की मां ने येदियुरप्पा के खिलाफ सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में 14 मार्च को शिकायत दर्ज करवाई थी।

आगजनी | कुवैत हादसे में मृतकों की नहीं हो पा रही शिनाख्त, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन ने संभाला मोर्चा

भारतीयों की पहचान के लिए होगा डीएनए टेस्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कुवैत के मंगाफ शहर में हुई घटना की निगरानी और भारतीय श्रमिकों के शव को भारत वापस लाने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंच गए हैं। वहां स्थिति यह है कि ज्यादातर पीड़ित जलने के शिकार हैं और कुछ शव इतने जल गए हैं कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है।

पीड़ितों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किया जा रहा है। वायुसेना का एक विमान तैयार है। जैसे ही शवों की पहचान हो जाएगी, परिजनों को सूचित कर दिया जाएगा और हमारा वायुसेना का विमान शवों को वापस ले आएगा। कल रात हमारे पास जो नवीनतम आंकड़े आए, उसके अनुसार हताहतों की संख्या 48-49 है, इनमें से 42 या 43 भारतीय बताए जा रहे हैं। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री जयशंकर प्रसाद ने कुवैती विदेश मंत्री से बात कर भारतीयों के शवों को जल्द वापस लाने का आग्रह किया।

नागपुर की बारूद फैक्ट्री में विस्फोट, पांच लोगों की मौत

नागपुर। नागपुर सिटी के पास गुरुवार दोपहर 1 बजे एक फैक्ट्री में जोरदार धमाका हो गया। इस ब्लास्ट में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। ये हादसा नागपुर से 25 किमी दूर हिंगना पुलिस थाना क्षेत्र के धमना गांव में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड में हुआ। नागपुर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि धमना में बारूद बनाने वाली फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में पांच लोगों की जान चली गई और पांच लोग घायल हो गए। मृतकों में चार महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि हादसा दोपहर 1 बजे हुआ, जब कर्मचारी बारूद पैक कर रहे थे। क्राइम ब्रांच और वरिष्ठ अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और हादसे के कारणों की जांच में जुट गए।

यह है मामला: गौरतलब है कि कुवैत के मंगाफ शहर में श्रमिकों के आवास वाली एक इमारत में बुधवार को आग लग गई। इस हादसे में करीब 49 लोगों की मौत हो गई। पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर घटना पर संवेदना जताते हुए मृतक भारतीयों के परिजनों को दो-दो लाख अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

अखिलेश यादव ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

नेता प्रतिपक्ष पद भी छोड़ा, कन्नौज से चुने गए सांसद

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की कन्नौज लोकसभा सीट से जीत हासिल करने के बाद अखिलेश यादव ने विधानसभा पद से इस्तीफा दे दिया है। अखिलेश ने करहल विधानसभा सीट छोड़ दी है। साथ ही अखिलेश ने यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। करहल सीट पर अब उपचुनाव कराया जाएगा। करहल विधानसभा सीट के लिए सपा मुलायम सिंह यादव के पोते तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बना सकती है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष पद के लिए शिवपाल यादव के नाम की चर्चा है। हालांकि अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व लेगा। अखिलेश ने आम चुनाव 2024 में कन्नौज सीट से इलेक्शन जीता है।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in

पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

प्रतिनियुक्ति पर लगाम लगाएगी मोहन सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार प्रतिनियुक्ति पर लगाम लगाने का प्रयास कर रही है। कई विभागों में प्रतिनियुक्ति पर सरकारी कर्मचारी और अधिकारी जमे हैं जो विभागीय संरचना और खर्च का गणित बिगाड़ रहे हैं। इसे लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने उन विभागों के अफसरों की जानकारी मांगी है। जानकारी के मुताबिक नगरीय विकास एवं आवास विभाग में सबसे ज्यादा प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी और कर्मचारी पदस्थ हैं। इसके अलावा ग्रामीण विकास एवं आवास विभाग, स्कूल शिक्षा, पीडब्ल्यूडी समेत अन्य विभागों में भी प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों की संख्या अधिक है। जिसके बाद सरकार रोस्टर और मूल विभाग के कर्मचारियों के हिसाब से जमावट की तैयारी कर रही है।

किसानों को एमएसपी देने से क्यों पीछे हट रही सरकार

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बने छह महीने बीत चुके हैं और अब तो केंद्र में नई सरकार का गठन भी हो चुका है तथा आचार संहिता भी समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद भाजपा ने अब तक किसानों से किया अपना कोई वादा नहीं निभाया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि प्रदेश में किसानों को गेहूं का एमएसपी 2700 रुपया प्रति क्विंटल और धान का एमएसपी 3100 रुपया प्रति क्विंटल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और नवनियुक्त केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछना चाहता हूं कि अब वह कौन सी वजह है जिस कारण भाजपा मध्य प्रदेश के किसानों से किया अपना वादा नहीं निभा रही है।

बुधनी सीट की जिम्मेदारी जयवर्धन व शैलेंद्र को सौंपी

भोपाल। लोकसभा चुनाव के बाद खाली हुई विधानसभा सीटों पर कांग्रेस उप चुनाव की तैयारी में जुट गई है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। अब यह सीट खाली हो गई है, यहां उपचुनाव होंगे। कांग्रेस ने पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह और पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल को यहां का प्रभारी बनाया है। दोनों नेता स्थानीय नेताओं से संवाद करेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा खाली की गई बुधनी विधानसभा सीट पर भाजपा के कई नेताओं की नजरें टिकी हुई हैं। शिवराज सिंह के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान को यहां से प्रबल दावेदार बताया जा रहा है। हालांकि इस मामले में भाजपा ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मृत्यु पर सीएम ने जताया शोक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रायसेन जिले की बुधनी तहसील के ग्राम मकोडिया के पास सड़क दुर्घटना में बुधनी के नीमटोन और रायसेन निवासी चार लोगों की असामयिक मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दुर्घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से मृत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

अगले महीने भव्य समारोह में होगा रीवा एयरपोर्ट का उद्घाटन

हवाई सफर की सुविधा से विकास की उड़ान भरेगा विन्ध्यः राजेंद्र शुक्ल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

विन्ध्य क्षेत्र को आज विकास की एक और बड़ी सौगात मिली। विन्ध्य के रीवा और सिंगरौली जिले से एयर टैक्सी की सुविधा शुरू हुई है। हवाई सफर की सुविधा से विन्ध्य विकास की उड़ान भरेगा। डिप्टी सीएम शुक्ल ने गुरुवार को रीवा एयरपोर्ट में भोपाल से आ रही पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के विमान की अगुवाई की और सिंगरौली के लिए हरी झंडी दिखाकर विमान को रवाना किया।

शुक्ल ने कहा कि पीएम मोदी के आगामी सौ दिवसों के कार्यक्रम में रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण शामिल है। लोकार्पण की सभी औपचारिकता एक सप्ताह में पूर्ण कर ली जाएंगी। अगले महीने भव्य समारोह में रीवा एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा। प्रारंभिक तौर पर रीवा से भोपाल के लिए 72 सीटर हवाई जहाज से आने जाने की सुविधा मिलेगी। इसका दिल्ली, इंदौर, बंगलौर तथा अन्य बड़े शहरों तक विस्तार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भोपाल के राजाभोज विमानतल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल से रीवा तथा सिंगरौली जाने वाले विमान को रवाना किया। एयर टैक्सी के रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल और सांसद जनार्दन मिश्र ने यात्रियों का पुष्पहार से स्वागत किया। एयर टैक्सी से भोपाल से रीवा पहुंचे प्रथम यात्री विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह का श्री शुक्ल ने गर्मजोशी से स्वागत किया। एयर टैक्सी की प्रथम यात्रा में रीवा से 6 यात्रियों को सिंगरौली जाने का अवसर मिला। एयर टैक्सी के रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल और सांसद जनार्दन मिश्र ने यात्रियों का पुष्पहार से स्वागत किया। एयर टैक्सी से भोपाल से रीवा पहुंचे प्रथम यात्री विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह का शुक्ल ने गर्मजोशी से स्वागत किया। एयर टैक्सी की प्रथम यात्रा में रीवा से 6 यात्रियों को सिंगरौली जाने का अवसर मिला।

राजस्व बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं : डॉ. मोहन यादव

राजस्व ज्यादा मिलने से विकास और जनकल्याण मूलक कार्यों में आएगी तेजी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्य सरकार को विभिन्न स्त्रोतों से हो रही राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। राजस्व प्राप्तियों के लिए अन्य राज्यों द्वारा क्रियान्वित की जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेस को अपनाने के साथ-साथ राज्य की परिस्थितियों के अनुसार अधिक प्रभावी कार्ययोजना बनाने के उद्देश्य से विषय-विशेषज्ञों की सलाह भी ली जाए। राजस्व प्राप्तियां बढ़ाने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य हो। अधिक राजस्व प्राप्तियों से ही विकास और जनकल्याणमूलक कार्यों को गति मिलेगी। सीएम डॉ. यादव ने 2024-25 की राजस्व प्राप्तियों की स्थिति की समीक्षा ने यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टाम्प और पंजीयन में सजगता बढ़ाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि भूमि के वास्तविक मूल्य और जिस दर पर रजिस्ट्री हो रही है, उसमें अधिक अंतर न हो। प्रदेश के जिन स्थानों पर दरों में अधिक असमानता है, वहां दरों को समायोजित किया जाए। आबकारी से जुड़ी गतिविधियों में राजस्व हानि रोकने और नियमानुसार सामग्री का विक्रय करने के लिए आकस्मिक निरीक्षण संबंधी कार्रवाईयां बढ़ाई जाएं। राजस्व, धर्मस्व सहित अन्य विभागों की भूमियों को चिन्हित कर सुनिश्चित किया जाए कि इन पर अतिक्रमण न हो तथा ऐसी भूमियों के महत्व अनुसार राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि की दृष्टि से उनका उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश से निकलने वाली खनिज सम्पदा पर निगरानी के लिए अद्यतन तकनीक का उपयोग करते हुए प्रदेश में नाकों की संख्या बढ़ाई जाए। खनन के लिए आवंटित निर्धारित क्षेत्र में खनन गतिविधियां हों, इस पर निगरानी के लिए ड्रोन और सेटेलाइट सर्वे का उपयोग किया जाए। खनिज व्यवसाय में प्रदेश के व्यावसायियों को प्रोत्साहित किया जाए, प्रदेश में खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ाने के लिए नीति बनाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध वन सम्पदा और लकड़ी पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाए। देश में जिन स्थानों पर लकड़ी की मांग अधिक है, वहां प्रदेश की श्रेष्ठ लकड़ी की नीलामी की व्यवस्था विकसित की जाए। बैठक में वैट, जीएसटी, स्टाम्प पंजीयन, माइनिंग, आबकारी, राजस्व, खनिज, परिवहन, ऊर्जा, वन और सिंचाई क्षेत्र से आने वाली राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य, वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श हुआ।

वल्लभ भवन अग्निकांड को लेकर सीएम ने लगाई फटकार

भोपाल। मंत्रालय में लगी आग को 3 महीने हो चुके है। लेकिन इस अग्निकांड की जांच रिपोर्ट अभी तक मुख्यमंत्री सचिवालय नहीं पहुंची है। सीएम मोहन की फटकार के बाद गुरुवार को फिर मंत्रालय कमेटी की बैठक रखी गई है। फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद भी कमेटी के अधिकारी आग लगने का सही कारण नहीं खोज पाए है। पिछले दिनों भी चौथी मंजिल में एसी में ब्लास्ट होने की वजह से आग लग गई थी। दरअसल 9 मार्च को वल्लभ भवन में भीषण आग लग गई थी, आग पर लगभग 5 घंटे बाद काबू पाया गया था। इस घटना को तीन महीने बीतने के बाद भी अभी तक जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। जांच समिति ने अभी तक सरकार को रिपोर्ट नहीं दी है। प्रदेश सरकार की बहुमंजिला इमारत वल्लभ भवन में चार मंजिलों तक आग पहुंची थी। इसमें कई सारी फाइलें और कई विभागों के ऑफिस चपेट में आए थे। वहीं लोकसभा चुनाव के ठीक पहले आग लगने पर विपक्ष ने भी कई सवाल खड़े किए थे। हालांकि सीएम मोहन यादव ने 9 मार्च 2024 को गठित सात सदस्यीय समिति को 15 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने की बात कही थी। लेकिन अभी तक इसकी रिपोर्ट सीएम को नहीं सौंपी गई है।

तीन महीने बाद भी नहीं मिली जांच रिपोर्ट

नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी हमारी धरोहर हैं, हमें इनको सहेजना है : मंत्री सिलावट

सरकार का प्रयास बारिश के पानी को अधिक से अधिक संग्रहित किया जाए

सत्ता सुधार ■ भोपाल

जीवन का आधार जल है, इसके लिए बिना जीवन संभव नहीं है। जल स्त्रोत नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी, जलाशय यह सभी हमारी धरोहर हैं और हमें इनको सहेजना है। जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जो संकल्प लिया है, यह पूरे प्रदेश का संकल्प है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से शुरू हुआ यह जल गंगा संवर्धन अभियान गंगा दशहरा 16 जून तक चलेगा। सभी भाई-बहन जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान वर्तमान समय में बेहद जरूरी है। यह अभियान जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही पर्यावरण के लिए भी लाभदायी है। इसमें नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी आदि जल संरचनाओं की सफाई कर, जीर्णोद्धार कर उपयोगी बनाया जा रहा है। जल संरचनाओं के तल में जो गाद जमा हो गई है, उसे निकालकर गहरीकरण भी किया जा रहा है। जिससे कि बारिश का अधिक जल इन सरंचनाओं में संग्रहित हो।मंत्री सिलावट ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि बारिश के अधिक से अधिक जल को संग्रहित किया जाए, इससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। हम इतना पानी का संचय कर लें कि हर गांव, हर शहर पानी के लिए अत्मनिर्भर हो जाए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने स्तर पर भी जल संग्रहण के लिए छोटे छोटे प्रयास कर सकते हैं।

नई तबादला नीति से पहले होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर तक बदले जाएंगे अधिकारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में नई तबादला नीति से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर तक अधिकारी बदले जाएंगे। सरकार तबादला नीति घोषित कर ट्रांसफर से प्रतिबंध हटाने को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा मानसून सत्र के बाद तबादला नीति घोषित की जा सकती है।

मध्य प्रदेश में मंत्रियों को अपने विभागीय तबादले करने के लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी। सरकार तबादला नीति घोषित कर तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। वैसे भी अभी प्रशासनिक आवश्यकता या शिकायत के आधार पर तबादले मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से हो रहे हैं। हालांकि, इनकी संख्या बहुत कम है। लोकसभा चुनाव निपटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक स्तर पर परिवर्तन की शुरुआत अपने कार्यालय से कर दी। अब जल्द ही मंत्रालय और मैदानी स्तर पर नए सिरे से प्रशासनिक जमावट होगी। इसमें छह माह के प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री प्रारंभिक चर्चा भी कर चुके हैं। कलेक्टरों और कमिश्नरों के साथ ही मंत्रालय में प्रमुख सचिव व अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों के दायित्व में परिवर्तन किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारियों के भी तबादले होंगे। प्रदेश में अपनी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय से लेकर जिलों में प्रशासनिक आधार पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और कमिश्नर बदले थे। अधिकारियों को काम करने के लिए फ्री-हैंड भी दिया। तीन माह आचार संहिता में निकल गए और काम थम गए थे। कुछ अधिकारियों की चुनाव के दौरान शिकायत भी सामने आई।

1 जुलाई से मानसून सत्र

एक जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा और मानसून के दौरान मैदानी काम भी कम ही होंगे। इसे देखते हुए मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर पर नए सिरे से जमावट की तैयारी की जा रही है। इसमें उन कलेक्टरों को स्थानांतरित किया जाएगा, जिन्हें तीन वर्ष हो रहे हैं। पुलिस अधिकारियों को भी प्रदर्शन के आधार पर बदला जाएगा। पुलिस मुख्यालय ने तैयारी शुरू कर दी है और मुख्यमंत्री के संकेत मिलते ही प्रस्ताव गृह विभाग को भेज दिया जाएगा।

फिक्की के मप्र स्टेट काउंसिल के चेयरमेन ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

भोपाल। राजधानी में गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स आफॅ कॉमर्स एडं इंडस्ट्री (फिक्की) के मध्य प्रदेश स्टेट कार्उंसिल चेयरमेन दिनेश पाटीदार और प्रतिनिधिमंडल ने समत्व भवन में सौजन्य भेंट की।

छह माह में ही मोहन ने असंभव को किया 'संभव'

अभिषेक शर्मा

विश्लेषण

मध्यप्रदेश में मोहन सरकार के छह माह पूरे हो गए हैं, जिसमें से दो माह तो आचार संहिता सहित चुनावी तूफानी दौरे में गुजर गए। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तरह ही मोहन यादव का पूरे प्रदेश स्तर पर चुनावी आम सभाएं और जनता के बीच जाकर एक नयी पहचान बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत का परिणाम ही रहा कि लोकसभा में मध्य प्रदेश की पूरी 29 सीटें जीतकर एक नया इतिहास रच दिया गया। मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्रित्व काल में लोकसभा की 29 सीटें जीतना असंभव कार्य भी संभव हो गया है। प्रदेश की जनता में एक भाव उत्पन्न हो गया है कि शिवराज सिंह चौहान भले ही दिल्ली चले गए, परन्तु डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और दूरदर्शी परिणामों की कार्यकुशलता से प्रदेश को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के विभिन्न आयामों पर सफलता देखने को जरूर मिलेगी। डॉ. मोहन यादव महाकाल की नगरी से आते हैं। जिन्होंने ये मिथक भी तोड़ दिया कि प्रदेश का मुख्यमंत्री अगर एक रात गुजार ले तो उसके हाथ से सत्ता ज्यादा दिन नहीं चल पाती। इसके विपरीत एक सेवक की भांति सीएम मोहन यादव ने 180 दिन यानि छह माह

जल-जगंल-जमीन और गौ संरक्षण पर सरकार का फोकस

पूरे करने के साथ-साथ पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा योजना का सफल संचालन प्रदेश के प्रमुख शहरों को वायु मार्ग से जोड़ना पर्यटकों की यात्रा को सुगम बनाने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर लाने की सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री ने बारिश का सीजन आने से पहले जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर प्रदेश की जनता को दूषित उपेक्षित नदी नालों, बावड़ियों तालाबों आदि को संरक्षित और स्वच्छ करने के लिए प्रेरित करके पूरे प्रदेश में विभिन्न सामाजिक संगठनों को उत्साह से भर दिया है। पर्यावरण की रक्षा में मुख्यमंत्री ने विलुप्त प्रायः वन्य प्राणियों को प्रदेश में उनको संरक्षित करने और बसाने के आदेश से जल, जंगल और जमीन तीनों को संरक्षित करने का संकल्प उनके कार्य व्यवहार से साफ नजर आता है। साथ ही मुख्यमंत्री का सबसे ज्यादा फोकस गौ संरक्षण पर है। इससे उनका गौ प्रेम अलग की दिखता है। प्रदेश का मुखिया जब सभी दिशाओं और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित हो जाता है, तो सर्वजन हिताय,सर्वजन सुखाय... चरितार्थ होता है। तभी प्रदेश का विकास और खुशहाल होना सरल होता है। प्रदेश की जनता डॉ. मोहन यादव से अपेक्षा से अधिक विकास की आस लगाए बैठी है। महाकाल की नगरी से निकले मोहन भैया अपने प्रदेश की जनता को विकास की नैय्या में बैठकर कहां तक ले जाते हैं ये तो आगामी वर्षों में नजर आएगा। मोहन सरकार के 180 दिन अभी अच्छे हैं। हर तरफ जनता सराह रही है।

नीट परीक्षा का मामला कोर्ट पहुंचा दोनों याचिकाओं पर आज सुनवाई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

नीट यूजी परीक्षा को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गई हैं। दोनों याचिकाओं पर हाईकोर्ट जस्टिस अमरनाथ केसरवानी तथा जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी की युगलपीठ ने प्रारंभिक सुनवाई की।

युगलपीठ ने दोनों याचिकाओं पर शुक्रवार 14 जून को सुनवाई के आदेश जारी किए हैं। जबलपुर निवासी अमीशी वर्मा की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा है कि वह नीट यूजी परीक्षा 2024 में शामिल हुई थी। उसे 720 अंक में से 615 अंक प्राप्त हुए थे। उसे व्यक्तिगत तथा विशेषज्ञों की गणना अनुसार अधिक अंक मिलने की उम्मीद थी। याचिका में कहा गया था कि परीक्षा परिणाम में 67 छात्रों को शत-प्रतिशत अंक मिले हैं। एक ही कोचिंग संस्थान में 6 छात्रों को शत-प्रतिशत अंक तथा दो को 718 व 719 अंक प्राप्त हुए हैं। सभी के नाम व रोल नम्बर में सामान्य है। याचिका में कहा गया था कि गलत उत्तर देने पर चार अंक काटे जाते हैं। दो छात्रों को 718 व 719 अंक कैसे मिल सकते हैं। उनका एक उत्तर गलत था तो चार नम्बर काटकर 716 अंक मिलने चाहिए थे। सभी उत्तर सही थे तो 720 अंक मिलने चाहिए थे।

ब्रीफ न्यूज

दहेज के लिए नव विवाहिता को प्रताड़ित किया

दतिया। थाना कोतवाली क्षेत्र के टेलीफोन एक्सचेंज के पास रहनेवाली एक नव विवाहिता ने झांसी निवासी ससुराल पक्ष वालों पर दहेज एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार फरियादी राखी जोशी (21) पुलिस को बताया कि उसका विवाह एक साल पहले लक्ष्मीगेट झांसी निवासी सौरभ जोशी के साथ हुआ है। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए शारीरिक व मानसिक रूप प्रताडित करते चले आ रहे हैं। ससुराल वालों द्वारा उसे धमकी भी दी जाती रही इस कारण वह पिता के घर रहने को मजबूर है। पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर पति सौरभ जोशी, रामेश्वर जोशी, मुन्नी जोशी और नेहा दहेज जोशी के खिलाफदहेज प्रताडना का मामला दर्ज कर लिया है।

झगडे में दादी ने नातिन का सिर फोड़ा

दतिया। थाना गोराघाट क्षेत्र के ग्राम सीतापुर में बुधवार को दादी और नातिन के बीव झगड़ा हो गया। झगडे के दौरान छत पर खड़ी दादी ने छत से पत्थर उठाकर नातिन पर फेका जो जिससे उसका सिर फूट गया। नातिन की रिपोर्ट पर पुलिस ने दादी के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। ग्राम सीतापुर निवासी अफसाना (24) पुत्री महबूब खान ने पुलिस को बताया कि उसकी दादी रज्जो खान ने उसके साथ गाली गलौज की।

हत्या के प्रयास में फरार चल रहा आरोपी अवैध हथियार के साथ किया गिरफ्तार

दतिया। पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे व एसडीओपी दतिया प्रियंका मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना सिविल लाइन हत्या के प्रयास में फरार चल रहे आरोपी निर्भय उर्फ निर्मल पुत्र रघुवीर सिंह यादव उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम सिमरा थाना रक्शा जिला झांसी को गुरूवार को मुखबिर की सूचना पर ग्राम सिमरा थाना रकशा जिला झांसी पर दविश देकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा एक खाली खोका जब्त किया है। उक्त कार्यवाई में निरीक्षक सुनील बनोरिया, उप निरीक्षक सियाराम गौड, प्रधान आरक्षक शिव प्रकाश मिश्रा, आरक्षक रमन दुबे, आरक्षक संतोष रावत की सराहनीय भूमिका रही।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

भिण्ड। म.प्र. मत्स्योद्योग अधिनियम के अन्तर्गत 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक बंद ऋतुकाल होने के कारण मछली मारने पर प्रतिबंध रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर मत्स्योद्योग की धारा 5 के तहत 5 हजार रुपए का जुर्माना अथवा एक वर्ष का कारावास अथवा दोनों से दंण्डित किया जा सकता है। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि म.प्र. मत्स्योद्योग अधिनियम 1948 (संशोधित) 1981 की धारा 3 (3) एवं म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 के नियम 3 (2) के अन्तर्गत संपूर्ण म.प्र. में प्रतिवर्ष 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक बंद ऋतुकाल होने के कारण अवैधानिक मत्स्याखेट, परिवहन, क्रय, विक्रय निषिद्व होकर संज्ञेय अपराध है।

गीता पाठ व्यक्ति को राह दिखाता हैं : बीआरसीसी अखिलेश

डॉ. आलोक सोनी ने बीआरसीसी अखिलेश राजपूत का किया सम्मान

डॉ.आलोक संस्थान में हुआ गीता ज्ञान पाठ

सत्ता सुधार ■ दतिया

डॉ. आलोक संस्थान के तत्वाधान में न्यू दतिया पब्लिक स्कूल के परिसर में विश्व गीता प्रतिष्ठान उज्जैन शाखा दतिया के सहयोग से गीता ज्ञान पाठ का आयोजन किया गया। पं. राजेन्द्र चतुर्वेदी ने डॉ. आलोक सोनी और बीआरसीसी अखिलेश राजपूत से विधि-विधान पूर्वक भगवान श्रीकृष्ण की पूजा, अर्चना करवाई। विश्व गीता प्रतिष्ठान से जुड़े पं. ओमप्रकाश शर्मा और पं. प्रशांत मिश्रा ने गीता के विभिन्न अध्यायों का पाठ करके, अर्थ बताकर, प्रेरणा दी। गीता ज्ञान पाठ के बाद, गीता देती हैं जीवन जीने की कला विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें दतिया बीआरसीसी अखिलेश राजपूत ने कहा कि जो व्यक्ति निरन्तर गीता का पाठ करता है, उसके जीवन शैली अनुकरणीय हो जाती है। गीता देती हैं जीवन जीने की कला। व्यक्ति का समग्र विकास हो जाता है, गीता पाठ व्यक्ति को राह दिखाता हैं। डॉ आलोक सोनी ने कहा कि गीता का ज्ञान जीवन जीने की कला के साथ व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने की दिशा देती है। व्यक्ति को सुख और आनंद की ओर ले जाती है, प्रत्येक व्यक्ति को गीता का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। पं. ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि विश्व गीता प्रतिष्ठान इकाई दतिया, पिछले अनेक वर्षों से माह में पांच बार विभिन्न जजमानों के यहां, मोहल्ला पड़ोस के व्यक्तियों की उपस्थिति में गीता पाठ करते आ रहे हैं। आज डॉ.आलोक संस्थान में गीता पाठ के साथ बेहतरीन संगोष्ठी भी हुई। संचालन पं.प्रशान्त मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. आलोक सोनी ने दतिया बीआरसीसी अखिलेश राजपूत के उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए, शॉल, श्रीफल, अंगवस्त्र उड़ाकर विशेष सम्मान किया। इस अवसर पर जय देवी चतुर्वेदी, राजेन्द्री देवी सोनी, उमा चतुर्वेदी, श्यामलाल प्रजापति, महेश त्रिपाठी अनजाना, सहदेव कुशवाहा, महिमा सोनी, सीमा अहिरवार, प्रियंका कुशवाहा, लक्ष्मी कुशवाहा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। प्रसादी भण्डारा ग्रहण करने के बाद संध्या सोनी ने आभार व्यक्त किया।

डकैती की योजना बनाते 6 हथियार बंद बदमाश गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ दतिया

सेंवढ़ा पुलिस ने बरहा रोड से बदमाशों को देर रात छह हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सेंवढ़ा निवासी डॉ अरुण तिवारी के घर डकैती डालने की योजना बना रहे थे। एसपी वीरेंद्र मिश्रा बताया कि आरोपियों ने 25 दिन पूर्व पंकज सक्सेना के यहां चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने, चांदी के जेवरात, नगदी व अवैध हथियार किये बरामद किए है। पकड़े गए बदमाश ग्वालियर, गुना व शिवपुरी जिले के निवासी हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने जिले में भाग जाते थे। पुलिस आरोपियों से अन्य मामलों को लेकर पूछताछ कर रही हैं।

शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

दतिया। डॉ. शैल शर्मा प्रभारी प्राचार्य शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय दतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय दतिया में कक्षा 10 वीं के आधार पर तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गए है। इलेक्ट्रीकल इंजीनियर, इलेक्ट्रोनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर, कम्प्यूटर सांईस इंजीनियर एवं मैकेनिकल इंजीनियर ब्रांच में प्रवेश हेतु अधिक जानकारी के लिए काउंसलिंग प्रभारी श्री राहुल मित्तल मो. नं. 9509711852 पर सम्पर्क कर सकते है।

भारतीयम् विद्यापीठ के छात्र ने की नीट परीक्षा 2024 उत्तीर्ण

सत्ता सुधार ■ दतिया

भारतीयम् विद्यापीठ के छात्र विकास प्रजापति ने नीट परीक्षा 2024 उतीर्ण की है। विकास प्रजापति 720 में से 685 नंबर हासिल किये, साथ कक्षा 12 वी की परीक्षा 93 प्रतिशत अंक लेकर पास की। विकास के इस सराहनीय कार्य के लिए विद्यालय के डायरेक्टर सागर अग्रवाल ने उसको सम्मानित किया। विद्यालय परिवार छात्र की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प से बहुत ही हर्षित है। उन्होंने उसे अन्य छात्रों का प्रेरणा स्त्रोात बताया। विकास की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य डॉ. विक्रम सक्सेना जी, विद्यालय डायरेक्टर सागर अग्रवाल, सेवढ़ा विधायक एवं विद्यालय के चेयरमेन प्रदीप अग्रवाल जी बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम 16 जून को

दतिया। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 16 जून 2024 को सायं 7 बजे से सीतासागर दतिया पर किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को पत्र जारी कर अनिवार्य रूप से निर्धारित समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत् जिले में विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए

सत्ता सुधार ■ दतिया

प्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही है जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत् आज गुरूवार को जिले में विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिसमें जनपद पंचायत सेवढ़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयदेव शर्मा ने ग्राम पंचायत बधावली में चैक डैम का निरीक्षण कर साफ-सफाई कराई जिससे वर्षा में पानी का भराव हो सकें। इसी प्रकार श्री शर्मा ने डिरोलीपार में गौ-शाला का निरीक्षण कर कर्मचारियों को साफ-सफाई कराने एवं गायों को स्वच्छ पानी, चारा खिलाने के निर्देश दिए।

जनपद पंचायत भाण्ड़ेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत चांदनी में तालाब का निरीक्षण किया जहां पर तालाब की बाउण्ड्रीबॉल का कार्य प्रगति पर चल रहा था। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य ठीक तरह से करें। भाण्ड़ेर के ग्राम सलेतरा संकुल में शासकीय हाई स्कूल में आज चित्रकला का आयोजन कर जल गंगा संवर्धन का संदेश दिया गया साथ ही शासकीय सीएम राईज स्कूल के अध्यापक द्वारा पर्यावरण विषय पर बच्चों द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। भाण्ड़ेर के अंतर्गत ग्राम हंसापुर में तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पौधारोपण भी कराया गया। जिसमें आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंच सकें।

15 हजार का इनामी अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

डकैती एवं हत्या के प्रयास में चल रहा था फरार

सत्ता सुधार ■ दतिया

पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे व एसडीओपी दतिया प्रियंका मिश्रा के मार्गदर्शन में डकैती एवं हत्या के प्रयास सहित अन्य अन्य मामलों में फरार चल रहे 15 हजार रूपये के इनामी आरोपी को थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भांडेर रोड पावर हाउस के पास से आरोपी साकेत शर्मा पुत्र पवन पुजारी शर्मा उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम बीकर थाना दुरसड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12 बोर की अधिया और मय जिंदा राउण्ड के जब्त की है। उक्त कार्यवाई में निरीक्षक सुनील बनोरिया एवं हमराह फोर्स उप निरीक्षक सियाराम गौड, प्रधान आरक्षक आदित्य शर्मा, आरक्षक रमन दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

मालनपुर पुलिस थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ मालनपुर

आगामी ईद के त्यौहार को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के निर्देशन व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सौरव कुमार के मार्गदर्शन में ईद के त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाने हेतु शांति समिति की बैठकें आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सोनी ने गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की। जिसमें कस्बे की गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में थाना प्रभारी ने नगर वासियों से त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने त्योहार प्रेम पूर्वक भाई चारे के साथ मनाने की अपील की और शासन द्वारा बनाए गए नियम अनुसार कुर्बानी अपने घरों के अंदर ही दें। उन्होंने कहा किसी भी प्रकार का हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और असामाजिक तत्वों पर करवाई की जाएगी। उन्होंने सभी से अपील की कि आप सभी लोग पुलिस का साथ दें। आपके आसपास कोई भी बदमाश अपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है, तो तत्काल हमें सूचित करें। आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा। अधिकारियों के निर्देशन में गुंडे बदमाशों पर कार्यवाही की जा रही है। जिसमें आप सभी पुलिस का सहयोग करें। बैठक में सोहबत खान, जिन्ने खान, कल्लू खान, रॉकी जैन पार्षद पुत्र, परमार सिंह तोमर, धनंजय शर्मा, विनोद जैन आदि नागरिक मौजूद रहे।

रोजगार कार्यालय किला परिसर में रोजगार मेला 18 को

भिण्ड। आत्मनिर्भर म.प्र. निर्माण के अन्तर्गत 18 जून को प्रातः11 बजे से जिला रोजगार कार्यालय किला परिसर भिण्ड में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में 8 कंपनियां भाग लेगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में पुखराज हैल्थकेयर ग्वालियर, शिवशक्ति बायोटेक गुजरात, एलआईसी भिण्ड, जेबी मंगाराम ग्वालियर, फिलिप्स कार्ड गुड़गांव, चेकमेट सिक्योरिटी, एक्सिस बैंक लिमिटेड गुडगांव हरियाणा एवं स्टेण्डर्ड प्रा.लि.ग्वालियर आएगी। उक्त कंपनियां विभिन्न पदों जैसे स्वास्थ्य सलाहकार, सेल्समेन, फील्ड ऑफीसर, हेल्पर, स्केनर, सुरक्षागार्ड, असिस्टेट मैनेजर आदि पदों पर भर्ती करेगी। इच्छुक बेरोजगार जिनकी योग्यता 8वीं, 10वीं, 12 वीं एवं स्नातक है और इनकी उम्र 18 से 40 वर्ष है, भाग ले सकते हैं। आवेदक साक्षात्कार के समय 10वीं, 12वीं एवं स्नातक की मूल अंकसूची एवं समस्त मूल प्रमाण पत्र सहित एवं पासपोर्ट साईज के तीन फोटोग्राफ्स लेकर रोजगार मेले में उपस्थित हो सकते हैं।

कार्य में लापरवाही बरतने पर पांच-पांच दिवस का वेतन काटा

तहसीलदार के प्रतिवेदन के आधार पर पटवारियों पर हुई कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के द्वारा प्रतिदिन विभिन्न राजस्व अटरीब्यूट्स पर वीसी के माध्यम से समीक्षा की जा रही है, ताकि राजस्व कार्यों में गति प्रदान करने के साथ ही नागरिकों को राजस्व समस्याओं से निजात जलाई जा सके। इसी क्रम में एसडीएम लहार के द्वारा भी तहसीलदार प्रकरणों की समीक्षा एवं विभिन्न राजस्व कार्यो जैसी नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, खसरा, नक्शा, शाब्दिक सर्वेक्षण, डाटा परिमार्जन, ग्राउंड टूथिंग, आरओआर एंट्री, अभिलेख दुरुस्ती व सीएम हेल्प लाइन आदि पर तहसील लहार में उनकी समीक्षा की गई। इसी क्रम में पटवारीयों की बैठकों से लेकर विभिन्न स्तरों पर राजस्व कार्य को गति प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी दरम्यान एसडीएम को तहसील मिहोना से शिकायत प्राप्त हुई कि पटवारियों के द्वारा राजस्व कार्य में लापरवाही बरती गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पटवारी विकास कुशवाहा, मुन्ना लाल बाथम, कोक सिंह चौहान एवं अशोक जाटव के विरुद्ध तहसीलदार प्रतिवेदन पर कार्रवाई करते हुए कार्य नहीं तो वेतन नहीं के आधार पर पांच-पांच दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई ग्रामों के नक्शे की ग्राउंड टूथिंग एवं आरओआर एंट्री न करने की वजह से हुई।

परीक्षा दे रहे छात्र को भी बताया मजदूर, राशि भी निकाली

सरपंच व सचिव फर्जीवाड़े में माहिर-महिला को मजदूर बताकर राशि निकाली वह उस अवधि में अस्पताल में थी भर्ती

सत्ता सुधार ■ गोहद

गोहद जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत पिपाहड़ी के सरपंच व सचिव के विरुद्ध जॉब कार्ड एवं मस्टर में फर्जीवाड़ा किए जाने के आरोप में शिकायत सीईओ जिला पंचायत के पास पहुंची है। पिपाहाड़ी पंचायत के ग्राम जगन्नाथपुरा निवासी प्रवीण शर्मा ने अपनी शिकायत में कहा कि सरपंच एवं सचिव के द्वारा ग्राम सभा के प्रस्ताव से बाढ़ नियंत्रण चेनल स्वीकृति किया गया था। जिसमें सरपंच व सचिव के द्वारा मनरेगा मद से मजदूरों के कार्य कराया जाना बताया गया और मजदूरों के नाम से राशि भी निकाली गई, लेकिन इस तरह का कोई निर्माण कार्य

नहीं कराया गया है। जिसकी पूर्ण राशि आहरण कर खुर्दबुर्द कर ली गई। उन्होंने अपनी शिकायत में सरपंच सचिव पर फर्जी मजदूरों के नाम से राशि आहरण करने के आरोप भी लगाए।

परीक्षा दे रहे युवक से मजदूरी करना दर्शाकर किया फर्जीवाड़ा

आरोप लगाए गए कि सरपंच व सचिव के द्वारा फर्जी मस्टर तैयार करके शासन की राशि आहरण की गई है। इसमें कई वह लोग हैं, जो विद्यार्थी होकर बाहर पढ़ रहे हैं। इनमें सोमेश शर्मा पुत्र दिलीप शर्मा जिसका जॉब कार्ड नं. एमपी-02-004-005-001/1135) है। सोमेश 05 जुलाई 2023 से लेकर 18 जुलाई 2023 तक मजदूरी करना बताया गया है, जबकि उक्त समय व दिनांक में सोमेश शर्मा की बुन्देलखण्ड यूनिवर्सिटी झांसी में प्रेक्टिकल परीक्षा थी और वह वहां मौजूद था, लेकिन उससे मजदूरी कराना दर्शाकर राशि निकाली गई।

जिस महिला से मजदूरी कराना बताया वह हॉस्पिटल में थी भर्ती

शिकायतकर्ता ने एक महिला मजदूर का नाम लेकर बताया कि एक अलका पत्नि अनिल कुमार प्रजापति निवासी ग्राम जगन्नाथपुरा मजदूर जिसका जॉब कार्ड नं.एमपी-02-004-005-003/1016-सी है, के द्वारा कार्य कराया जा कर मजदूरी की राशि निकाली गई है। जबकि उक्त महिला के द्वारा कोई मजदूरी का कार्य कभी भी नहीं किया गया है, क्योंकि उक्त महिला के प्रसव होने से वह कार्य करने में असमर्थ है। जबकि इस महिला मजदूर के द्वारा जनवरी 2024 में मजदूरी करना बताया गया, लेकिन उक्त समय व दिनांक में महिला जिला चिकित्सालय मुरार में प्रसव के लिए भर्ती रही और उसका वहीं प्रसव भी हुआ।

आगामी त्योहार के चलते दबोह में शांति समिति की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ दबोह

आगामी त्यौहार को देखते हुए दबोह थाना परिसर में गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें नगर के जन प्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे। सर्व प्रथम दबोह थाना प्रभारी ने सभी लोगों से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने आने वाले मुस्लिम समुदाय के त्यौहार ईद के बारे में लोगों से जानकारी ली और सभी से शांति से भाई चारे के साथ त्योहार मनाने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने लोगों को साइबर ठगी के बारे में समझाइश दी। उन्होंने कहा कि साइवर ठगी करने वाले आज कल नए नए रास्ते निकाल कर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। जिससे हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। वही उन्होंने कहा कि आज कल 14-15 साल की लड़कियां जो नाबालिक हैं, उन्हें मोबाइल से दूर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके आसपास कोई अपराधी हो, तो आप बेधड़क बता सकते हैं। आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस दौरान नगर के व्यापारी, समाजसेवी, राजनीतिक दल के कार्यकर्ता, पत्रकार बन्धु व दबोह थाना स्टाफ मौजूद रहा।

मामला नवविवाहिता को कोल्डड्रिंक में जहर पिलाने का

खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आई पुलिस हॉस्पिटल पहुंच उपचाररत पीड़िता के दर्ज किए बयान

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

दहेज लोभियों द्वारा अपनी डिमांड पूरी नहीं होने पर नवविवाहिता को कोल्ड्रिंक में मिलाकर जहर पिला दिया था, जिसे मायके वालों ने गंभीर हालत में हॉस्पिटल में एडमिट करवाया था। वहीं जनकगंज थाना पुलिस द्वारा मामले में मामूली दहेज एक्ट का प्रकरण कायम किया गया था। सत्ता सुधार द्वारा गुरुवार के अंक में उक्त खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया, जिससे मामला वरिष्ठ अफसरों के संज्ञान में आते ही पुलिस हरकत में आ गई, जिसने हॉस्पिटल पहुंचकर पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं।

यहां बता दें कि झांसी निवासी 20 वर्षीय भावना का विवाह एक मई 2023 को शेख की बगिया में रहने वाले करन वाल्मीक से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही पति सहित सास पुष्पा व जेठ रोहित द्वारा उसे मायके से एक लाख रुपए नगदी व एसी लाने के लिए दबाव बनाया जाने लगा। जब भावना ने उनकी डिमांड पूरी कर पाने में असमर्थता जाहिर की, तो वह बात-बात पर उसके साथ तानाकशी व मारपीट करने लगे। यही नहीं बीती 10 जून को उन्होंने उसे बेरहमी से पीटते हुए स्पष्ट कह दिया था, कि अगर तुम हमारे मुताबिक दहेज नहीं ला सकती हो, तो इस घर में नहीं रह पाओगी। यही नहीं पति व ससुरालियों द्वारा उसे जबरन जहरीला कोल्ड्रिंक पिला दिया गया, जिससे उसकी हालत

सत्ता सुधार

आरोपी कर रहे थे 1 लाख रुपए नगदी व एसी लाने की डिमांड

दहेज लोभियों ने नवविवाहिता को कोल्डड्रिंक में पिलाया जहर

खराब हो गई।

मायके वाले नहीं पहुंचते तो मार ही डालते

नवविवाहिता ने पति व ससुरालियों के खतरनाक इरादे देख अपने पिता को कॉल करके रोते हुए बताया था, कि मुझे यहां से ले जाओ, अन्यथा यह लोग मुझे मार डालेंगे। जिससे पिता ने ग्वालियर में रहने वाले अपने भाई व अन्य रिश्तेदारों को कॉल करके बेटी के हालचाल जानने के लिए कहा। जिस पर वह जब उसके घर पहुंचे, तो उसे नीली उल्टी करते देख वह उसे तुरंत हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसे जहर पिलाने का खुलासा हुआ। पीड़िता का कहना है कि यदि समय पर मायके वाले नहीं पहुंचते, तो पति व उसके परिजनों ने तो मेरी जान लेने की पूरी तैयारी कर ली थी।

ना पुलिस पहुंची ना प्रशासनिक अफसर

नियमानुसार जहरखुरानी के केस में पुलिस सहित प्रशासनिक अफसर द्वारा हॉस्पिटल पहुंचकर वहां उपचाररत पीड़िता के बयान दर्ज किए।

थाटीपुर एवं महाराज बाडे से हटाया अस्थाई अतिक्रमण, पुनः न लगाने की दी हिदायत

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

मदाखलत अधिकारी शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं डॉ. अनुज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त हर्ष सिंह के निर्देशानुसार उपायुक्त डॉ. अतिबल सिंह यादव के निर्देशन में शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज अंग्रेजी शराब की दुकान के पास मयूर मार्केट थाटीपुर मुरार पर यातायात में बाधक खड़े हाथ ठेलों एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उक्त कार्यावाही मे मदाखलत निरीक्षक श्रीकान्त सेन सहित थाना-थाटीपुर का पर्याप्त मात्रा मे पुलिस बल मौजूद रहा। साथ ही हाथ ठेले जब्त कर मदाखलत कार्यालय हुरावली रोड़ डी.बी. सिटी के सामने स्थित कार्यालय पर भिजवाया गया। इसके साथ ही महाराज बाड़ा, सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट को फड़ वालों से मुक्त कराया गया और उन्हें हॉकर्स जोन में बैठने के लिए हिदायत दी गई।

अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर एमपीएल महाआर्यमन की देनः अनिल पुनियानी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नवनिर्मित अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग की शुरूआत महाआर्यमन सिंधिया के प्रयासों की देन है। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष कै. माधवराव सिंधिया द्वारा मध्यप्रदेश के युवाओं को क्रिकेट के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के लिये देखा गया सपना उनके नाती महाआर्यमन सिंधिया जो कि ग्वालियर क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष है, वह सपने को साकार कर रहे हैं। यह बात माधवराव सिंधिया नामकरण विकास समिति के महासचिव अनिल पुनियानी और अध्यक्ष संजय दीक्षित ने कही है। प्रेस को जारी एक बयान में संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी 15 जून को ग्वालियर के नवनिर्मित शंकरपुर क्रिकेट स्टेडियम में एमपीएल 2024 शुरू होने जा रहा है और इस लीग के शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि ग्वालियर में इस लीग के शुरू होने पर शहरवासियों में विशेष उत्साह है। इस लीग के ग्वालियर में प्रारंभ होने पर संस्था के अध्यक्ष संजय दीक्षित और महासचिव अनिल पुनियानी के साथ संस्था के सभी सदस्य और पदाधिकारियों ने महाआर्यमन सिंधिया का आभार व्यक्त किया है।

छोटी सी चिंगारी कभी भी 'आग' बन सकती है

निगम आयुक्त से नाराज महापौर ने दिखाए तीखे तेवर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नगर निगम महापौर डॉ शोभा सतीश सिकरवार एवं निगम आयुक्त हर्ष सिंह के बीच कार्यप्रणाली को लेकर मामला अब आरपार की स्थिति पहुंचता दिखाई दे रहा है! गुरुवार को जलापूर्ति को लेकर कार्यालय में आयोजित बैठक में निगम आयुक्त के न पहुंचने से महापौर शोभा सिकरवार बुरी तरह बिफर गई ! महापौर की नाराजगी इतनी ज्यादा बढ़ गई कि उन्होंने निगम आयुक्त हर्ष सिंह को फोन लगाकर सख्त लहजे में बातचीत करना शुरू कर दिया, उन्होंने कहा कि ÷दो साल के महापौर के कार्यकाल में एक भी बैठक में आयुक्त जी आप नही पहुंचे. शहर

विकास से जुड़ी बैठक में भी आप नदारद रहते हो, इससे पहले के सभी कमिश्नर बैठक में रहते थे, आप लगातार नदारद रहते हैं.÷ महापौर का यह गुस्सा इसलिए फूटा क्योंकि वे बीते एक घंटे से बैठक में आयुक्त हर्ष सिंह का इंतजार कर रही थीं, इसके बावजूद इतनी महत्वपूर्ण बैठक में निगम आयुक्त हर्ष सिंह नहीं पहुंचे थे ! महापौर शोभा सिकरवार ने नगर निगम आयुक्त को फोन कर अपनी नाराजगी जताते हुए यहां तक कह दिया कि छोटी चिंगारी कभी भी आग बन सकती है! इस दौरान एमआईसी सदस्य विनोद यादव ने कहा कि हमारी महापौर को इतना भी मजबूर मत करो कि उन्हें रानी लक्ष्मीबाई बनना पड़े ! इतना सब होने के बाद भी निगम आयुक्त हर्ष सिंह बैठक में नहीं पहुंचे, हां गरमाए माहौल के बाद आनन-फानन में अपर आयुक्त विजय राज को बैठक में भेजा गया तब कहीं जाकर बैठक की कार्रवाई शुरु हो सकी !

आयुक्त के खिलाफ सड़क पर उतरने को तैयार महापौर

मीडिया से बातचीत करते हुए महापौर शोभा सिकरवार ने कहा कि हमारे साथ शुरू से भेदभाव किया जा रहा है, शहर विकास के मुद्दों और जरुरी विषयों पर चर्चा के लिए अनेक बार निगम आयुक्त को बुलाया गया लेकिन उन्होंने कभी भी शामिल जरुरी नहीं समझा ! आयुक्त मेरी एक भी बैठक में नहीं आते हैं, यह बैठक भी शहर में पानी जैसे अहम मुद्दे पर बुलाई गई थी, वह इसमें भी शामिल नहीं हुए ! आयुक्त का यही व्यवहार रहा तो उनके खिलाफ अब सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करना पड़ेगा !

बालिका गृह में बांटे सेनेटरी पेड व मिल्क शेक

वार्डन और केयर टेकर का किया सम्मान

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जेसीआई ग्वालियर प्रेरणा द्वारा प्रयास द कप ऑफ होप के अंतर्गत मां कैला देवी बालिका गृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था की

अध्यक्ष जेसी एचजीएफ नीरू गुप्ता एवं सचिव एचजीएफ अंकिता माहेश्वरी ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था की संरक्षक जेएफए शीतल गर्ग उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बच्चियों को सेनेटरी पेड एवं मिल्क शेक बांटे गए। साथ ही वार्डन और अन्य केयरटेकर का सम्मान किया गया।

जनकल्याणकारी पेंशनधारी कराएं आधार की ई-केवाईसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शासन की समस्त जन कल्याणकारी पेंशनधारी का लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीकृत हितग्राहियों की समग्र पोर्टल पर आधार ईकेवाईसी कराना अनिवार्य होगा। नोडल अधिकारी जनकल्याण विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जन कल्याणकारी योजनाओं में आधार आधारित भुगतान के लिए शासन द्वारा निर्देशित किया गया है। जिसमें विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जिन्हें 600 रूपये प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्ध, कल्याणी, निशक्त, परित्यक्ता एवं सहरिया आदिवासी श्रेणी को मिलने वाली आहार अनुदान योजना अंतर्गत 1000 रूपये प्रतिमाह प्राप्त होती है, यदि आपके द्वारा ई केवायसी नहीं किया गया है। तो शीघ्र ही नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्र, एमपी ऑनलाइन एवं नगर निगम ग्वालियर के कार्यालय में पहुंचकर करा सकते हैं। जिससे कि प्रतिमाह प्राप्त पेंशन का नियमित रूप से भुगतान जारी रहे।

तानसेन अकादमी से मुकबला करेगी तपोभूमि अकादमी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

तानसेन क्रिकेट अकादमी के तत्वाधान में गार्डन स्कवायर खेल मैदान पर आयोजित स्व. मां प्रभा देवी क्रिकेट टूर्नामेंट के शुभारंभ मैच में सुबह 6:30 पर तानसेन अकादमी और तपोभूमि अकादमी का मुकाबला होगा। दूसरा मुकाबला टीम गार्डन स्कवायर और टीम स्वस्तिक ग्रीन के मध्य होगा। 30 ओवर के इस टूर्नामेंट में दिन में दो मैच के आयोजित किये जाएंगे। इस टूर्नामेंट में तानसेन अकादमी के ही खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। साथ ही लीग पद्धति पर टूर्नामेंट खेला जाएगा। वहीं टूर्नामेंट के शुभारंभ से पहले

वृक्षारोपण किया जायेगा।

तानसेन क्रिकेट अकादमी

तेज तोमर (कप्तान) (विकेट कीपर), अमय जादौन (उपकप्तान), शिव शर्मा, अथर्व श्रीवास्तव, कृष्णा तोमर, अचन्य शर्मा, साहिल तोमर, हर्ष शर्मा, अनुज श्रीवास्तव, वंश श्रीवास्तव, सौरभ शर्मा, वंश सिद्धवानी।

टीम स्वस्तिक ग्रीन

हिमांशु गुर्जर (कप्तान), सचिंत गोयल (उपकप्तान), अर्पित गुर्जर, अनुराग तोमर, हर्ष रावत, आलोक खटीक, पवित्र कुशवाह, वेंदाश शर्मा (उपकप्तान), समर्थ शर्मा, यश गुप्ता, आरूष भदौरिया, समर शर्मा।

तपोभूमि अकादमी

देव कंसाना (कप्तान), अक्षत सिंह चौहान (उपकप्तान), भावेश माझी, साहिल शर्मा, वंश वंशल, आयुष्मान शर्मा, हर्षवर्धन शर्मा, जवाहर सिंह कंसाना, अरनव शर्मा (विकेट कीपर), विराट यादव, अनमोल जाटव, प्रबल गुर्जर।

टीम स्कवायर गार्डन

आदित्य तोमर (कप्तान), आदित्य कृष्ण शर्मा, देवेश बघेल, वंश श्रीवास्तव (उपकप्तान), अरनव कुमार, तरुण पाल, वंश बाथम, अपर्ण निरंकारी, हार्दिक निरंकारी, तन्मय खत्री, पीयूष भदौरिया, युवराज सिंह भदौरिया।

बाइक टकराने पर बीच सड़क पर हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा

युवक-युवतियों में हाथापाई, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

ग्वालियर। बाइक टकराने को लेकर बीच सड़क पर काफी देर तक हाईवोल्टेज ड्रामा होता रहा। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें युवक-युवतियों के बीच हाथापाई होती नजर आ रही है। घटना इंदरगंज क्षेत्र की है, हालांकि किसी भी पक्ष ने थाने में इसकी शिकायत नहीं की है। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह इंदरगंज थाना क्षेत्र में शिंदे की छावनी व रामदास घाटी के बीच का बताया जा रहा है। जिसमें दो बाइक्स टकराने पर दोनों पक्ष एक-दूसरे से हाथापाई करते दिख रहे हैं। इसमें दो युवकों सहित दो महिलाएं व एक युवती मौजूद हैं, जो आपस में मारपीट कर रहे हैं। मौके पर कई तमाशबीन भी खड़े हुए हैं। वहीं पुलिस की गाड़ी का हूटर सुनाई दे रहा है, जिसके बाद एक पुलिसकर्मी भी वहां पहुंच गया। जिसके बाद दोनों पक्ष शांत हो गए। इंदरगंज टीआई धर्मेंद्र सिंह कुशवाह ने बताया कि उक्त मामले को लेकर कोई भी पक्ष ने थाने में शिकायत नहीं की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का 15 जून को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे

ग्वालियर। मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर व सांसद भारत सिंह कुशवाह तथा संभागीय कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर व एसपी ने कार्यक्रम स्थलों पर पहुँचकर लिया तैयारियों का जायजा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 15 जून को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहर के ऐतिहासिक सागरताल के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार कार्य में जनप्रतिनिधियों के साथ सामूहिक श्रमदान कर जिलेवासियों को जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश देंगे। साथ ही शहर में नवनिर्मित शंकरपुर क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल की तर्ज पर आयोजित होने जा रही एमपीएल-2024 (मध्यप्रदेश लीग-सिंधिया कप) के उदघाटन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रस्तावित ग्वालियर यात्रा की तैयारी के सिलसिले में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह व जिला भाजपा अध्यक्ष अभय चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं संभाग आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, कलेक्टर रुचिका चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने गुरूवार को कार्यक्रम स्थलों पर पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन, नगर निगम व पुलिस के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सत्ता न्यूज

बीते वर्ष छात्र ने ट्रेन के सामने कूदकर की थी आत्महत्या

शिखर कोचिंग के संचालक सहित दो शिक्षकों पर एफआईआर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जेईई की तैयारी कर रहे एक छात्र ने 10 अगस्त 2023 को स्टेशन पर पहुंच ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में दस महीने बाद जीआरपी थाना पुलिस ने शिखर कोचिंग के संचालक सहित दो अन्य शिक्षकों पर एफआईआर दर्ज कर ली है। छात्र को कोचिंग पर उक्त दोनों शिक्षकों ने प्रताड़ित किया था, जिसकी शिकायत करने के बावजूद संचालक ने कोई एक्शन नहीं लिया। इसी से हताश होकर छात्र ने सुसाइड कर लिया। मामले की पड़ताल में यह खुलासा हुआ है। जिसके बाद पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। यहां बता दें कि 10 अगस्त 2023 को ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पटरियों पर युवक का शव पड़ा मिला था। सूचना पाकर पहुंचे जीआरपी स्टाफ ने जांच की, तो मृतक की शिनाख्त भिंड निवासी 18 वर्षीय नीलेश पुत्र प्रताप सिंह जादौन के रूप में हुई। नीलेश जेईई की तैयारी करने के लिए ग्वालियर में रह रहा था, जिसने शिखर क्लासेस में एडमिशन ले रखा था। पुलिस ने परिजनों को सूचित करने के उपरांत रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए, तो उसमें छात्र अकेला आता नजर आया, जिसने खुद ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया था। बेटे द्वारा आत्महत्या किए जाने से क्षुब्ध पिता ने इंसाफ के लिए लड़ाई लड़ने का फैसल लिया।

भोपाल तक की शिकायतः मृत छात्र के पिता प्रताप सिंह जादौन द्वारा न्याय पाने के लिए बेहद संघर्ष किया जा रहा है। जिन्होंने पहले ग्वालियर में ही पुलिस अफसरों से गुहार लगाई, जब यहां काम नहीं बना, तो भोपाल में रेलवे एसपी मृगाखी डेका तक शिकायत की। जिसमें नीलेश के पिता ने बताया था कि उनके बेटे को शिखर क्लासेस के फिजिक्स के टीचर विवेक शर्मा और केमिस्ट्री के फैकल्टी धर्मेंद्र कुर्मी द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। इसकी शिकायत उसने शिखर कोचिंग के संचालक कमलेश कुर्मी से भी की थी, लेकिन उन्होंने उसकी कोई मदद नहीं की, और ना ही प्रताड़ित करने वाले फैकल्टी के खिलाफ कोई एक्शन लिया। यह बात नीलेश ने अपनी मां को बताई थी। इसी बात से व्यथित होकर बेटे ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी की है। इस शिकायत की एसपी द्वारा जांच करवाई गई, तो उसमें भी यही तथ्य सामने आए। जिसके बाद जीआरपी ने शिखर क्लासेस के संचालक कमलेश कुर्मी सहित दोनों फैकल्टी को आरोपी बनाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

संचालक सुन लेते तो आज बेटा जीवित होताः नीलेश के पिता प्रताप सिंह का कहना है कि यदि कोचिंग संचालक कमलेश कुर्मी मेरे बेटे की बात सुनकर उसकी परेशानी का निदान कर लेते, तो आज हमारा बेटा जीवित होता। जबकि पुलिस द्वारा पूर्व में की गई पूछताछ में कोचिंग संचालक व फैकल्टी ने बताया था, कि छात्र क्लास से बंक मारता था, जिससे उसके वीकली टेस्ट में कम मार्क्स आते थे। जिस कारण उसे कभी-कभी डांट दिया जाता था। इसकी शिकायत उसके माता-पिता को भी की थी।

वेतन के लिए प्रसूति गृह में दो महीने से परेशान हैं सपोर्ट स्टाफ कर्मचारी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

एनएचएम संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि जिला अस्पताल मुरार एवं प्रसूति गृह मुरार के कई सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों को रोगी कल्याण समिति के द्वारा वेतन दिया जा रहा था। जिन्हें विगत दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक रूप से परेशान हो रहे हैं।

प्रसूति गृह की कुछ महिला सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों के द्वारा वित्तीय वर्ष 2021 में आउटसोर्स में किए जाने के विरोध में ग्वालियर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। उसके अनुसार अंतिम सुनवाई तक रोगी कल्याण समिति से वेतन दिए जाने के आदेश दिए गए थे। हाईकोर्ट में याचिका प्रचलन में है फिर भी सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक द्वारा हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुए प्रसूति ग्रह मुरार की महिला सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों को विगत 2 माह से अधिक समय से वेतन नहीं दिया जा रहा है। जिसकी वजह से आर्थिक संकट से गुजर रही हैं। दूसरी ओर कामधेनु आउटसोर्स कंपनी द्वारा जिला अस्पताल के एवं प्रसूति गृह मुरार के सफाई कर्मचारियों को शासन द्वारा निर्धारित अर्ध कुशल श्रमिक की जगह 7500 रू दिए जा रहे हैं एवं 10 माह से ईपीएफ कटोत्रा नही किया जा रहा है जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री से लेकर कलेक्टर तक कर चुके हैं लेकिन आज दिनांक तक कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। जिसकी वजह से आउटसोर्स कर्मचारी में लगातार निराशा उत्पन्न हो रही है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अब मिलेगी समय पर सहायता...

सड़क, औद्योगिक दुर्घटना और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में नि:शुल्क वायु परिवहन सेवा

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा

संचालन प्रारंभ

“ हमारी सरकार प्रदेश की जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए स्वस्थ मध्यप्रदेश के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित है। अब प्रदेश में गंभीर रोगियों को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के जरिए उचित समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा ”

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 9111777858

सशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध, सम्पर्क करें : 0755-4092530

- आयुष्मान कार्ड धारक को प्रदेश व देश में कहीं भी इलाज हेतु शासकीय और आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में नि:शुल्क सुविधा
- आयुष्मान कार्ड धारक न होने पर प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में नि:शुल्क परिवहन सुविधा जबकि प्रदेश के बाहर निर्धारित शुल्क पर परिवहन सुविधा
- सड़कों या औद्योगिक स्थलों पर होने वाली दुर्घटना, हृदय रोगी या जहर से प्रभावित व्यक्ति को अब मिल सकेगा अच्छे चिकित्सा संस्थानों में समय पर इलाज
- अस्पताल द्वारा मरीज की स्थिति की गंभीरता की जांच के उपरांत मिल सकेगी एयर एम्बुलेंस की सुविधा

एयर एम्बुलेंस सेवा की अनुमति

- दुर्घटना प्रकरण में संभाग के अंदर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर द्वारा
- दुर्घटना अथवा अन्य आपदा की स्थिति में संभाग के बाहर परिवहन हेतु स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा
- दुर्घटना के अतिरिक्त अन्य गंभीर प्रकरणों में प्रदेश के अंदर संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता की अनुशंसा पर संभागीय आयुक्त द्वारा
- प्रदेश के बाहर गंभीर रोगी या दुर्घटना पीड़ित आयुष्मान कार्डधारी होने पर संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा
- सशुल्क परिवहन हेतु एन.एच.एम. कार्यालय स्तर पर अनुमति मिलेगी

- रोगी/पीड़ित को एयर एम्बुलेंस तक पहुंचाने के लिए संजीवनी 108 एम्बुलेंस होगी उपलब्ध
- एयर एम्बुलेंस सेवा में हृदय रोग, श्वास और तंत्रिका संबंधी बीमारियों, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य समस्याएं, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण तथा आपदा की स्थिति को संभालने के लिये प्रशिक्षित चिकित्सक और पेरा मेडिकल स्टाफ रहेगा मौजूद
- हवाई परिवहन के दौरान रोगी/पीड़ित के लिए ₹ 50 लाख के दुर्घटना बीमा का प्रावधान

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
मध्यप्रदेश शासन
D-11013/24
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

केन्द्रीय योजनाओं के साथ हर परिवार को खुशहाल बनाने में आगे मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सुविचारित जन-हितैषी योजनाओं के साथ केन्द्रीय योजनाओं का सहयोग लेकर हर परिवार को समृद्ध बनाने की एक सशक्त शुरूआत के परिणाम बीते छह महीनों में रेखांकित हुए हैं। मध्यप्रदेश के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

केन्द्र और राज्य की योजनाओं में परस्पर समन्वय बैठाने और लगातार समीक्षाओं के कारण अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने का श्रेय मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को जाता है। भारत सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अन्य राज्यों से लगातार आगे चल रहा है। विभिन्न योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों को मध्यप्रदेश ने शत-प्रतिशत पूरा किया है। साथ ही कुछ योजनाओं में लक्ष्य से अधिक उपलब्धि अर्जित की है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन और प्रभावी नेतृत्व में प्राप्त हुई है। स्ट्रीट वेंडर्स को स्व-रोजगार के लिए ब्याज मुक्त लोन देने की पीएम स्वनिधि योजना में मध्यप्रदेश सरकार निर्धारित लक्ष्य 7 लाख 46 हजार 600 के विरूद्ध अभी तक 11 लाख 74 हजार 96 स्ट्रीट वेंडर्स को लोन वितरित कर चुकी है। यह उपलब्धि 157 प्रतिशत से अधिक है। योजना में पहली बार 10 हजार, दूसरी बार 20 हजार और तीसरी बार 50 हजार रूपये का ब्याजमुक्त लोन दिया जाता है। इसी तरह अमृत सरोवर योजना में 3900 सरोवर बनाने का लक्ष्य था, लेकिन 5812 अमृत सरोवर बनाये जा चुके हैं। यह उपलब्धि 149 प्रतिशत है। किसानों की जमीन की जांच कर स्वाइल हेल्थ कार्ड देने की योजना में कुल 6 लाख 31 हजार 437 कार्ड वितरित करना था। सरकार तत्परतापूर्वक कार्रवाई कर अभी तक 11 लाख 89 हजार 505 स्वाइल हेल्थ कार्ड वितरित कर चुकी है। योजना में उपलब्धि का प्रतिशत 188 से अधिक है। मध्यप्रदेश ने पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, स्वामित्व योजना, भारत नेट, किसान क्रेडिट कार्ड और अटल पेंशन योजना में भी शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना में कुल लक्ष्य 83 लाख 83 हजार 208, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना में 93 लाख, स्वामित्व योजना में 43 हजार 130 गाँवों का ड्रोन से सर्वे, भारत नेट योजना में 20 हजार 422 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर केबल स्थापित करने, किसान क्रेडिट कार्ड योजना में 65 लाख 83 हजार 726 कार्ड वितरित करने और अटल पेंशन योजना में 26 लाख 15 हजार किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य था। इन लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा किया गया है। आवासहीनों को आवास उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में लक्ष्य 8 लाख 40 हजार 940 के विरूद्ध 7 लाख 88 हजार 140 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 37 लाख 70 हजार 397 के लक्ष्य के विरूद्ध 36 लाख 3 हजार 960 आवास बनाये जा चुके हैं। जल जीवन मिशन में 83 लाख 27 हजार 582 घरों में नल से जल पहुँचाने का लक्ष्य था। अभी तक 70 लाख 14 हजार 609 घरों में नल से जल उपलब्ध कराया जा चुका है। आयुष्मान भारत योजना गरीबों की बीमारी के उपचार के लिए रामबाण साबित हुई है। इस योजना में 4 करोड़ 70 लाख 96 हजार 914 हितग्राहियों को कार्ड वितरित करने का लक्ष्य था। अभी तक लगभग 4 करोड़ कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 72 हजार 993 किलोमीटर सड़क बनाने का लक्ष्य था। यह लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया है। पशुपालकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना में 4 लाख 76 हजार पशुपालकों को कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। मछली पालकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना में एक लाख 48 हजार 910 के लक्ष्य के विरूद्ध एक लाख 35 हजार 510 मछली पालकों को कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। उपलब्धि का प्रतिशत 91 है। इन सभी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से हितग्राहियों का जीवन स्तर सुधारने के प्रयास लगातार जारी हैं। मध्य प्रदेश नये लक्ष्यों और नई कार्ययोजनाओं के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रमः जानलेवा तम्बाकू का एक उपयोगी पहलू भी

तम्बाकू सेवन को मौत का पिछला दरवाजा माना जाता है। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अभिलेखों के अनुसार देश में तम्बाकू जनित बीमारियों से प्रतिदिन औसतन 3500 लोगों की मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लुएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 35 से अधिक उम्र के लोगों के तम्बाकू जनित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1.77 लाख करोड़ रुपये खर्च हुये थे। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण हुयीं थीं जिनमें 2.40 लाख लोग धूम्रपान करने वालों के आसपास रहते थे। तम्बाकू की महामारी पर नियंत्रण करने के लिये भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था जिस पर हर साल एक बड़ी रकम खर्च होती। इसी कार्यक्रम के तहत 2025 तक तम्बाकू उपभोग में 30 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन इस बेहद डरावने सच के पीछे एक सच और भी है जो कि अक्सर चर्चा में नहीं आ पाता है। यह दूसरा सच तम्बाकू उत्पादन और अर्थ व्यवस्था में इसके योगदान का है।

तम्बाकू उद्योग में 4.57 करोड़ लोगों को रोजगार: भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत् गुण्टूर स्थित राष्ट्रीय तम्बाकू बोर्ड के अनुसार तम्बाकू भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलों में से एक है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 4.57 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। तम्बाकू बोर्ड के अनुसार राष्ट्रीय खजाने में 9,739.06 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित कराता है। तम्बाकू बार्ड के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान दुनिया में तम्बाकू के उत्पादन में भारत का प्रमुख स्थान रहा। 2021 के दौरान, भारत उत्पादन में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश (एफएओ स्टेट डेटा, 2021) और दुनिया में अनिर्मित तम्बाकू का चैथा सबसे बड़ा निर्यातक (आईटीसी ट्रेडमार्क डेटा 2021) रहा। भारत फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू के विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करता है, जो उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं में भिन्न होती हैं। बोर्ड के अनुसार भारत ने 2020 में 766,000 टन से अधिक पत्ती का उत्पादन किया। यह वैश्विक उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक वणिज्य मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान राजामुन्द्री (सीटीआरआइ) की वेबसाइट में दिये गये विवरण के अनुसार तम्बाकू दुनिया में आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक है। यह सूखा सहने वाली, कठोर और कम अवधि वाली फसल है जिसे ऐसी मिट्टी पर उगाया जा सकता है जहाँ अन्य फसलों की खेती लाभप्रद रूप से नहीं की जा सकती। भारत में तम्बाकू की फसल 45 हजार हेक्टेयर (शुद्ध खेती वाले क्षेत्र का 0.27 प्रतिशत) क्षेत्र में उगाई जाती है, जिससे 75 करोड़ किलोग्राम तम्बाकू पत्ती का उत्पादन होता है। चीन और ब्राजील के बाद भारत क्रमशः दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया(एफसीवी)तम्बाकू का उत्पादन 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 30 करोड़ किलोग्राम है, जबकि 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से 45 करोड़ किलोग्राम गैर तम्बाकू का उत्पादन होता है। वैश्विक परिदृश्य में, भारतीय तम्बाकू का क्षेत्रफल 10 प्रतिशत और कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है।

15 राज्यों में उगाया जाता है तम्बाकू: भारत में तम्बाकू उत्पादन की अनूठी विशेषता यह है कि पूरे देश में फैली विविध कृषि-पारिस्थितिक स्थितियों के तहत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया और विभिन्न प्रकार के गैर फ्ल्यू क्यौर्ड वर्जीनिया तम्बाकू का उत्पादन किया जाता है। देश के लगभग 15 राज्यों में तम्बाकू की खेती की जाती है, जो कृषि समुदाय की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल तम्बाकू उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। कर्नाटक लगभग 8 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि शेष राज्य सामूहिक रूप से देश के कुल तम्बाकू उत्पादन का लगभग 2-3 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। एफसीवी, बीड़ी, हुक्का, च्यूइंग, सिगार-रैपर, चेरूट, बर्ली, ओरिएंटल, एचडीबीआरजी, लंका, पिक्का, नाटू, मोतिहारी, जटी आदि देश में उगाए जाने वाले तम्बाकू के विभिन्न प्रकार हैं। एफसीवी, बर्ली और ओरिएंटल तम्बाकू प्रमुख निर्यात योग्य प्रकार हैं। राजामुन्द्री स्थित सीटीआरआइ के अनुसार 60 लाख किसान और तम्बाकू की खेती में जुड़े 2 करोड़ खेत मजदूर शामिल हैं। इसके अलावा 1 करोड़ लोग प्रसंस्करण, विनिर्माण और निर्यात में कार्यरत हैं। अकेले बीड़ी बनाने से 44 लाख लोगों को रोजगार मिलता है और 22 लाख आदिवासी तेंदू पत्ता संग्रह में शामिल हैं। मुख्य लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान, ग्रामीण महिलाएं, आदिवासी युवा और समाज के कमजोर वर्ग हैं।

'इंडिया' की आंखों से भारत को मत देखिए!

▪ प्रो. संजय द्विवेदी

आजकल राष्ट्रीयता, भारतीयता, राष्ट्रत्व और राष्ट्रवाद जैसे शब्द चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीयता पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर यह क्या है? 'राष्ट्र' सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि 'भूगोल-संस्कृति-लोग' के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह 'लोग' ही होगें। इसलिए लोगों की बेहतरी, भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रीयता का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम-सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है, जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' कहकर संबोधित किया। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' राजनीतिक सत्ता का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है। सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतबोध को समझना है। यह भाव ही मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है। हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानवतावादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित हैं। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक-प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे- किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव करता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रीयता दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित थी। एक विद्वान कहते हैं राजा राज्य बनाते हैं, राष्ट्र ऋषि बनाते हैं। वही भारतबोध इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है। आप देखें तो भगवान बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार,नवचेतन था, जिसे दुनिया ने स्वतः आगे बढ़कर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है। सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता

है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही हमारी राष्ट्रीयता का लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रीयता सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति के विचार से अनुप्राणित है।भारतीय संदर्भ में भारतबोध को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है- ÷ संतों को सीकरी से क्या काम÷ और फिर कहता है ''कोई नृप होय हमें क्या हानि÷। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था-मूल्यों पर आधारित था। पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था। वह चीजों को खंड-खंड करके देखने का अभ्यासी नहीं था। इसलिए इस राष्ट्रीयता में जो समाज बना, वह राजा केंद्रित नहीं, संस्कृति केंद्रित समाज था। जिसे अपने होने-जीने की शर्तें पता थीं, उसे उसके कर्तव्य ज्ञात थे। उसे राज्य की सीमाएं भी पता थीं और अपनी मुक्ति के मार्ग भी पता थे। इस समाज में गुणता की स्पर्धा थी- इसलिए वह एक सुखी और संपन्न समाज था। इस समाज में भी बाजार था, किंतु समाज-बाजार के मूल्यों पर आधारित नहीं था। आनंद की सरिता पूरे समाज में बहती थी और आध्यात्मिकता के मूल्य जीवन में रसपगे थे। भारतीय समाज जीवन अपनी सहिष्णुता के नाते समरसता के मूल्यों का पोषक है। इसीलिए तमाम धाराएं,विचार,वाद और पंथ इस देश की हवा-मिट्टी में आए और अपना पुर्नअविष्कार किया, नया रूप लिया और एकमेक हो गए। भारतीयता हमारे राष्ट्र का अनिवार्य तत्व है। भारतीयता के माने ही है स्वीकार। दूसरों को स्वीकार करना और उन्हें अपनों सा प्यार देना। यह राष्ट्रवाद विविधता को साधने वाला, बहुलता को आदर देने वाला और समाज को सुख देने वाला है। इसी नाते भारत का विचार आक्रामकता का, आक्रमण का, हिंसा या अधिनायकवाद का विचार नहीं है। यह श्रेष्ठता को आदर देने वाली,विद्वानों और त्यागी जनों को पूजने वाली संस्कृति है। अपने लोक तत्वों को आदर देना ही यहां भारतबोध है। इसलिए यहां भूगोल का विस्तार नहीं, मनों और दिलों को जीतने की संस्कृति जगह पाती है। यहां शांति है, सुख है, आनंद है और वैभव है। यह देकर, छोड़कर और त्याग कर मुक्त होती है। समेटना यहां ज्ञान को है।

राजकाज

बहन जी डर गई, नेपथ्य में चली गई

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा नेता बहन मायावती पिछले 10 सालों से भाजपा के रहमो करम पर थी। सदन में वह भाजपा का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष समर्थन कर रही थी। इस लोकसभा चुनाव में भी किसी भी गठबंधन में नहीं जाकर उन्होंने अलग चुनाव लड़ा। जिसके कारण उत्तर प्रदेश में बसपा पूरी तरह सिमट गई। एक तरह से उन्होंने अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी मार ली। चुनाव के दौरान जिस तरह से मायावती के भतीजे और उत्तराधिकारी ने भाजपा पर निशाना साधा था। मायावती ने चुनाव के दौरान ही उसे घर बैठा दिया था। जिसका उत्तर प्रदेश के साथ-साथ सभी राज्यों में तीव्र प्रभाव पड़ा। दलितों ने मान लिया बहन जी भाजपा के साथ मिल गई हैं। जिसके कारण बसपा पूरी तरह से सिमट गई।

ब्राह्मणों में भाजपा के प्रति नाराजी

भारतीय राजनीति में ब्राह्मणों की नाराजी भारतीय जनता पार्टी को भारी पड़ती दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नए मंत्रिमंडल में कांग्रेस छोड़कर आए,जतिन प्रसाद को केंद्र में मंत्री बना दिया है। भाजपा के तीन अन्य ब्राह्मण नेताओं को उम्मीद थी, कि उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। मंत्रिमंडल में महेश शर्मा, सुधांशु द्विवेदी आशा कर रहे थे,कि उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिलेगा। लेकिन उन्हें निराशा मिली है। ब्राह्मणों को लग रहा है, भारतीय जनता पार्टी में उन्हें जो स्थान मिलना चाहिए, वह नहीं मिल पा रहा है। ब्राह्मण समुदाय और ब्राह्मण नेताओं की यह नाराजी, अब खुलकर देखने को मिल रही है।

कांग्रेस के पीछे कब तक छिपेगी भाजपा

पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के पिछले 70 सालों का रोना रोते हुए कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया। पिछले 10 वर्षों से केंद्र एवं राज्यों में डबल और ट्रिपल इंजन की सरकारें हैं। कांग्रेस से जनता नाराज थी, जनता ने उसे सत्ता से हटा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 60 महीने मैं अच्छे दिन लाने का वादा किया था। महंगाई-बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया था। पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने क्या किया, यह भाजपा नहीं बता पाती है। भाजपा नेता धारा 370, राम मंदिर और सीएए को ही अपनी उपलब्धि बता पाते हैं। महंगाई-बेरोजगारी चरम पर है। भ्रष्टाचार से आम जनता हैरान और परेशान है। जनता के बीच में अब कहा जाने लगा है। इतना भ्रष्टाचार तो कांग्रेस के समय पर भी नहीं था। जितना अब है।

कुवैत की काबिलेजिक्र साफगोई

कुवैत में हुए अग्निकांड में अधिकांश भारतियों की मौत हुई है, इसे लेकर तरह-तरह की बयान-बाजियां सामने आ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह ने अधिकारियों को अग्निकांड की जांच के सख्त आदेश दे दिए हैं और कहा है कि जिन लोगों की वजह से यह त्रासदी हुई, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। वहीं दूसरा बयान कुवैत के आंतरिक मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ का आया है, जिन्होंने इस घटना के लिए भवन के मालिक को जिम्मेदार ठहराया और उसे गिरफ्तार करने का आदेश भी दे दिया है।

योगासन

योग के लिए परिधान

योग करते समय उचित परिधान चुनने का मूल उद्देश्य है कि आप योग के समय अपने परिधान को भूल कर अभ्यास करें। प्रातः काल में, जब सम्पूर्ण संसार शांत और विश्राम में है, वो समय मैंने अपने श्री श्री योग के आसन, प्राणायाम और ध्यान के लिए रखा है।

दिन के प्रारम्भ से पूर्व के वे शांति के दो पवित्र घंटे योग के लिए हैं। योग करते समय पहनने वाले कपड़ों पर ध्यान देने से एक बात निश्चित होती है कि उस समय में कोई और विचार न आये और पूरा ध्यान सबसे महत्वपूर्ण चीज, योग पर ही हो। अभी हाल ही में सर्वांगासन करते समय की अपनी स्थिति को याद करते हुए कि पूरा शरीर अस्थिर था और मेरे हाथ टी-शर्ट को मुँह पर गिरने से बचाने में लगे थे, यह सोच कर हसीं आती है । पर यहाँ आसन पर कम कपडे सँभालने में ज्यादा ध्यान जाने से मैंने योग के लिए उचित परिधान की दुकान पर जाने का निश्चय किया। जो मिला वो आपसे साझा करती हूँ। योग अभ्यास दूसरे तरह के व्यायाम से भिन्न है। ये कोई प्रतियोगिता नहीं है। योग अभ्यास किसी की राय के बारेमें नहीं है या सुंदरता के पैमानों के लिए नहीं है। योग खुद को जानने की एक प्रक्रिया है, चाहे यह यात्रा बाहर से कैसी भी लगे। आप कुछ भी पहन सकते है जो आरामदेह हो और आपको सुन्दर व गरिमामय बनाये। इसलिए पूर्ण आनंद लें।

योग के लिए टॉप: योग के लिए परिधान चुनें जो आरामदायक हो, बहुत खुला न हो। आप योग कक्षा में पूरे समय कपडे सही करते रहें ऐसा आप कतई नहीं चाहेंगे। स्ट्रेचेबल कॉटन ब्लेंड टैंक टॉप या टी शर्ट , जो पूरे शरीर से सटा रहे , स्त्री पुरुष दोनों के लिए ही अच्छा रहता है । लम्बे गले या कॉलर वाले टॉप से बचेंद्य ये टॉप उलटे होने वाले आसन जैसे कि सर्वांगासन में परेशान करते हैं। स्त्रियों को अपने योग टॉप में ब्रा के लिए सपोर्ट देख लेना चाहिए।

योग के पैंट: योग पैन्ट्स जिसके कमर में इलास्टिक हो और शरीर के आकार के साथ जाये, अच्छे रहते हैं। स्त्रियों के लिए योग पैन्ट्स फोल्डेबल वैस्ट के साथ भी उपलब्ध है जो अधिक आराम और गर्मी देते हैं। कैप्री स्टाइल के योग पैन्ट्स स्त्री पुरुष दोनों में लोकप्रिय हैं।

प्रेरणा

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है।

अपनी बात

पीएम मोदी ने कहा कि योग शांति प्रदान करता है, यह हमें जीवन की चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने में मजबूत बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि अब दुनिया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर मानव समाज के कल्याण के लिए दुनिया भर में लाखों लोगों को एकजुट किया है। इस साल 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा।

कंगना ने बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म गैंगस्टर के बाद ही राजनीति में आने का ऑफर मिला था। कंगना ने आगे कहा, कि मेरे परदादा कम से कम तीन बार विधायक रहे। इसलिए जब आप ऐसे परिवार से होते हैं और कुछ सफलता का स्वाद चखते हैं, तो स्थानीय नेता आपसे संपर्क में रहते हैं। यह बहुत आम बात है। कंगना ने कहा कि उनके पिता को भी ये ऑफर मिला था।

ब्रीफ न्यूज

पुरानी रंजिश पर पिता-पुत्र से मारपीट

गुना। जिले के धरनावदा थानांतर्गत रुठियाई में पुरानी रंजिश पर तीन लोगों ने पिता-पुत्र के साथ मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी करन सिंह पुत्र नाथूलाल सहरिया निवासी गादेर गत दिवस रूठियाई बाजार जाने के लिए निकला था। यहां उसे दीपक सहरिया उसका भाई विनोद सहरिया, पिता प्रेम सेहरिया व चचेरा भाई कलुआ उर्फ वीरन सेहरिया मिले। जिन्होंने लाठी-डंडे से उसका रास्ता रोककर गाली गलौंच कर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसे जमीन पर पटककर आरोपियों ने जमकर मारपीट की। चीख पुखार सुनकर उसके पिता नाथूलाल सहरिया उसे बचाने आये तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। जिसमें पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर धारा 341, 323, 294, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

भंडारे में खाना समाप्त होने से नाराज ग्रामीण ने की यजमान से मारपीट

गुना। जिले के जामनेर थानांतर्गत ग्राम गोपालगढ़ में भंडारे में खाना समाप्त होने से नाराज एक व्यक्ति ने यजमान के साथ मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी धीरपसिंह पिता गुलाबसिंह भील ने अपनी मां हरकूबाई एवं भाई लाखनसिंह भील के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसने विगत दिवस पूजा पाठ कराकर भण्डारा किया था। जिसमें सभी को बुलाया था। इस दौरान भण्डारा समाप्त होने के बाद गांव का जीवन भील शराब पीकर आया और बोला मुझे भी खाना खिलाओ। जिस पर उसने कहा कि भण्डारा समाप्त हो गया है खाना खत्म हो गया है मैं खाना नहीं खिला सकता हूं। इसी बात को लेकर आरोपी ने रंजिश रखते हुए उसके साथ गाली गलौंच कर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया। बीच बचाव करने आई उसकी मां और भाई के साथ भी आरोपी ने मारपीट की। जिसमें उन लोगों को खून निकल आया। फिलहाल मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

मिट्टी खोदकर ला रहे ट्रेक्टर-ट्रॉली पलटे, तीन लोग घायल

गुना। जिले के फतेहगढ़ थानांतर्गत ग्राम वर्धा में मिट्टी खोदकर ला रहे ट्रेक्टर-ट्राली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल लक्ष्मी पुत्र रामलाल सहरिया ने घायल अपनी भाभी लक्ष्मीबाई सहरिया व भतीजी राधिका सहरिया के साथ बताया कि उन्होंने गत दिवस अपने बाड़े में से घर ले लिए मिट्टी खोदकर गजानन्द सहरिया के ट्रेक्टर ट्राली में भरी थी। शाम 7 बजे करीब वह गजानन्द सहरिया के ट्रेक्टर से मिट्टी अपने घर ला रहे थे। ट्रेक्टर गजानन्द का लड़का राजाबाबू सहरिया चला रहा था। वहीं और उसकी भाभी लक्ष्मीबाई , भतीजी राधिका पीछे ट्राली में मिट्टी के ऊपर बैठे थे। राजाबाबू ने ट्रेक्टर को तेजी व लापरवाही से चलाता हुआ लाया, और उसने झटके से ट्रेक्टर वर्धा रोड पर चढ़ाया। जिससे ट्राली पलट गई और ट्राली में बैठे हम तीन गिर गए। जिससे भाभी लक्ष्मीबाई के पैर, भतीजी राधिका के दाहिने तरफ सीने और कंधे में गंभीर चोटें आई हैं। इस दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीणों एवं परिजनों ने तीनों को फतेहगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया। जहां लक्ष्मीबाई वराधिका की हालत गंभीर होने पर उन्हें गुना रैफर किया गया।

रिछैरा में स्कूल के पास चल रहा था जुआ, दो जुआरी दबोचे, तीन अन्य भागे

गुना। जिले के कैंट थानांतर्गत ग्राम रिछैरा में स्कूल में पास चल रहे जुए के फड पर दबिश देकर पुलिस ने दो जुआरियों को दबोचा है, जबकि तीन अन्य भागने में कामयाब रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रिछैरा स्कूल के पास पहाडी पर कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। जिस पर पुलिस बल ने मौके पर दबिश दी तो यहां भगदड मच गई। इस दौरान पुलिस ने अनोज पुत्र परमार सिंह रघुवंशी निवासी खाजुरिया थाना नईसराय जिला अशोकनगर एवं मालम सिंह पुत्र नवल सिंह रघुवंशी निवासी पचवावडी थाना नई सराय जिला अशोकनगर को दबोचा। जबकि मौके से रानू खान, सौरभ जैन व अईया जाट भाग गए। दोनों जुआरियों से पुलिस ने 5480 रुपए नगदी एवं ताश की गड्डी बरामद की। पुलिस ने सभी जुआरियों पर धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की।

16 जून गंगा दशहरा अभियान पर मंदिर परिसरों की करायी जाये साफ-सफाई

राजस्व अधिकारियों की बैठक बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, बैठक के दौरान सभी निर्देशों का पालन करें सुनिश्चितः कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित कर राजस्व विभाग से संबंधित कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में एडीएम अखिलेश जैन, संयुक्त कलेक्टर महेश कुमार बमन्हा, संयुक्त कलेक्टर डॉ. संजीव खेमरिया, डिप्टी कलेक्टर श्रीमति जिया फातिमा, एसडीएम रवि मालवीय, एसडीएम राघौगढ़ आर. अंजली, एसडीएम बमोरी श्रीमति शिवानी पाण्डे सहित समस्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा समीक्षा के दौरान साईबर तहसील में 10 दिन से अधिक लंबित पटवारी प्रतिवेदन और नोटिस तामीली, समग्र ई- केवायसी तथा समग्र से खसरे की लिंकिंग, आरसीएमएस पोर्टल पर प्रकरण दर्ज करना, आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज राजस्व प्रकरणों (नामांतरण/सीमांकन / बटवारा एवं अन्य मदों) का समय सीमा में निराकरण, विभिन्न राजस्व आदेशों का राजस्व अभिलेखों में अमल के संबंध में समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान नक्शे में नरमीम अंतर्गत खसरे में बटांकन संबंधी मामलों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री आवासीय भू अधिकार योजना,स्वामित्व योजना, पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना,सी.एम. किसान कल्याण योजना, आयुक्त भू-अभिलेख को स्केनिंग हेतु रिकार्ड भेजने की जानकारी सहित वर्षा मापी यंत्रों के संधारण की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अवैध उत्खनन रोकने के लिए अभियान जारी रखें। लंबित समग्र ई-केवायसी एवं समग्र से खसरे की लिंकिंग के लंबित प्रकरणों का निराकरण शीघ्र किया जावे।

फल-मिठाई दुकान का समय पर निरीक्षण

राजस्व अधिकारियों की बैठक बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, बैठक में जो निर्देश दिये जाते हैं उनका पालन सुनिश्चित करें। बैंकों की आरआरसी की लंबित वसूली की जावे। सीएम हेल्पलाइन का निराकरण गंभीरता से किया जावे और अनुभाग स्तर पर प्रभावी रूप से जनसुनवाई की जावे, जिससे लोगों को जिला स्तर पर आना न पड़े। सभी राजस्व अधिकारियों को लोकहित के कार्य प्राथमिकता से देखना चाहिये। खुले में मांस, मदिरा न बिके, सड़ी गली सब्जी व फल विक्रेताओं, मिठाई की दुकान आदि का निरीक्षण समय समय पर किया जावे।

इसी तरह नामांकन, बंटवारा, सीमांकन प्रकरणों के लिए विशेष अभियान चलाया जावे। इन कार्यो से संबंधित प्रतिवेदन रोज प्रस्तुत किया जावे। राजस्व निरीक्षकों को कार्यो के लक्ष्य देकर कार्य करावें। यदि समय पर कार्य नही करते तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जावे। विभिन्न राजस्व आदेशों का राजस्व अभिलेख में अमल किया जावे।

16 जून गंगा दशहरा अभियान पर मंदिर परिसरों की करायी जाये साफ-सफाई

आगामी 16 जून को गंगा दशहरा अभियान पर माफी के मंदिर सहित मुख्य मंदिरों के परिसरों की साफ सफाई का कार्य कराया जावे। शासकीय योजनाओं के लिए जमीन चिन्हित करने हेतु लेण्ड बैंक की जानकारी अपडेट की जावे। जिले में आगामी समय में बहुत से प्रोजेक्ट प्रारंभ होने जा रहे है, इसे दृष्टिगत रखते हुए शासकीय जमीन शहर के आसपास चिन्हित करने की कार्यवाही की जावे, साथ ही शासकीय विभागों को दी जाने वाली जमीन मांग अनुसार उपलबध करायी जावे। इसी प्रकार राजस्व से संबंधित न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करावें। वर्षा पूर्व तैयारी, जल भराव, जल निकासी से संबंधित स्थानीय निकायों एवं जल संसाधन विभाग से संपर्क कर स्थल चिन्हित करने की कार्यवाही की जावे और आपदा प्रबंधन के लिए अपना सूचना तंत्र अपडेट किया जावे और रिपोर्टिंग सिस्टम में सुधार करें। अपने-अपने अनुभाग स्तर पर अनुभाग में रनिंग ईवेंट एवं कमिंग ईवेंट की जानकारी अपडेट की जावे और प्राथमिकता से कार्य किया जावे। बैठक के अंत में निर्देशित किया गया आगामी समय में 'स्कूल चलें अभियान' प्रारंभ होना है, वृक्षारोपण का कार्य होना है, इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित की जावे।

खाद्य विभाग ने भरे चटनी, ग्रेवी और आईसक्रीम के भरे सैंपल

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जाँच एवं फूड सैंपलिंग की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य विभाग की टीम द्वारा गर्मी के सीजन में आइसक्रीम, कुल्फी एवं डेयरी प्रोडक्ट्स के नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु लिये गये। सैंपलिंग कार्यवाही के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा खाद्य कारोबारकर्ताओं को उनके द्वारा बेचे जाने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं पैकेज्ड फूड में उनके उपयोग की तिथि एवं लेबल के संबंध में जानकारी देते हुये उपभोक्ताओं को शुद्व, ताजा एवं अच्छी गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री बेचे जाने के निर्देश दिये गये। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा फर्म अमन होटल जगत होटल के नीचे, ए.बी. रोड़ गुना से पनीर, आटा, मसाले एवं ग्रेवी, न्यू राजश्री भोजनालय ए.बी. रोड़, गुना से आटा, दही, पनीर, चटनी, ग्रेवी, सोयाबीन तेल, पंजाबी ढाबा से पनीर एवं दाल, माँ शारदा किराना खेजरा रोड़, गुलाबगंज, कैन्ट, गुना से सरसों तेल, रवा, अचार एवं साबूदाना, बालाजी फ्रूट आईक्रीम कर्नलगंज, गुना से आईसकैण्डी के सैम्पल्स जांच हेतु संग्रहित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गये हैं। उक्त सैम्पल्स की जांच रिपोर्ट आने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं सैंपलिंग कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

देव स्थल से लौट रहे बाईक सवार तीन युवकों को ट्रक ने रौंदा, एक की मौत, दो गंभीर

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के म्याना थानांतर्गत भदौरा गुरुद्वारे के पास से एक बाईक सवार को ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे दो अन्य युवक घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंट थाना अंतर्गत ग्राम आरी निवासी राजेश पुत्र रामकिशन पाल अपने दो रिश्तेदारों बृजभान पुत्र मोहन सिंह एवं जितेन्द्र पुत्र बालकिशन पाल के साथ बाइक पर बीती शाम ग्राम डुंगासरा में स्थित देवता के स्थान पर पूजा-अर्चना करने के लिए गए हुए थे। जहां पूजा-अर्चना के बाद वे आज तड़के सुबह वापस गांव की ओर लौट रहे थे कि सुबह लगभग 5 बजे भदौरा के पहले स्थित गुरुद्वारा के पास एक ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे गाड़ी चला रहे राजेश पाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथ बाइक पर सवार रहे बृजभान और जितेन्द्र दोनों घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों घायलों को उच्च उपचार के लिए भोपाल रैफर कर किया है। वहीं पुलिस ने दुर्घटना में मृत राजेश पाल का शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार के सुपुर्द कर दिया है।

रेल पटरी पर दो हिस्सों में मिला शव

इधर जिले के धरनावदा थानांतर्गत रुठियाई क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक युवक का शव बीच रेल पटरी पर मिलने से सनसनी फैल गई। शव पूरी तरह दो हिस्सों में बंटा था। फिलहाल तक जीआरपी पुलिस द्वारा मृतक की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह मिली एक सूचना पर से जीआरपी की एक टीम ने रुठियाई व चौड़ाखेड़ी के बीच रेल पटरी पर पहुंचकर एक शव बरामद किया है, जो कि अज्ञात युवक का है। संभवतः युवक यहां से निकलती ट्रेन से कट गया है, जिससे उसका शव दो हिस्सों में विभक्त मिला है। जीआरपी ने धरनावदा थाना पुलिस को सूचित करने के साथ ही मृतक का शव पीएम रूम में रखवा दिया है, जिसकी शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं।

तीन संस्थानों में किशोर श्रम नियोजित पाए जाने पर की गई चालानी कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ गुना

''अंतरराष्ट्रीय विश्व बाल श्रम निषेध दिवस'' के अवसर पर जिला टास्क फोर्स समिति के सदस्यगणों के साथ जिले में हनुमान चौराहा, पुरानी गल्ला मंडी, जयस्तंभ चौराहा आदि स्थानों पर व्यापारियों को बाल एवं किशोर श्रमिकों से कार्य नहीं कराये जाने हेतु जागरुक करते हुए अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया गया। इस दौरान तीन संस्थानों में किशोर श्रम नियोजित पाए जाने पर उन पर चालानी कार्रवाई की गई। समिति के सदस्य विशेष किशोर पुलिस इकाई से अंजलि गुप्ता उपनिरीक्षक एवं हेड कांस्टेबल अंकित कलावत, अमर सिंह, नपा से बृजेश श्रीवास्तव एवं कमलेश साहू, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से राजेश कुमार गोयल, सहायक संचालक एवं जिला श्रम पदाधिकारी कार्यालय गुना के श्रम निरीक्षक एवं जिला बाल श्रम एवं किशोर श्रम नोडल अधिकारी रामकुमार चौदहा एवं मयंक भार्गव द्वारा पुरानी गल्ला मंडी गुना स्थित संस्थान जय ट्रेडर्स, जैन स्वीट्स एवं महावीर मिष्ठान भंडार आर्य समाज काम्प्लेक्स ए.बी. रोड गुना स्थित संस्थानों में 18 वर्ष से कम उम्र के किशोर श्रमिक कार्यरत होना पाए गए। बाल श्रम एवं किशोर श्रम अधिनियम 1986 एवं संशोधित अधिनियम 2016 के अंतर्गत तीन किशोर श्रमिकों को कार्यरत होना पाए जाने पर जय ट्रेडर्स, जैन स्वीट्स एवं महावीर मिष्ठान भंडार के संचालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुसी यात्री बस, आधा दर्जन से अधिक घायल

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के धरनावदा थाना अंतर्गत फोरलेन हाइवे पर रुठियाई के पास गुरुवार तड़के एक यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। इस जोरदार भिड़ंत में बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। बस और ट्रक की भिड़ंत के साथ ही मौके पर चीक पुकार शुरू हो गई। इस दौरान स्थानीय लोगों ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को भोपाल रेफर किया गया है। वहीं कुछ लोग अपने वाहनों से इंदौर-भोपाल रवाना हो गए। आधा दर्जन से अधिक लोगों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार इंदौर से लखनऊ जा रही बस आज गुरुवार को सुबह 5 बजे के आसपास धरनावदा थाना क्षेत्र के खड़ेश्वरी मंदिर के पास हाईवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। जिसमें तीन दर्जन घायल हुए। घायल सवारियों के मुताबिक बस इंदौर से लखनऊ जा रही थी। रुठियाई के पास ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण बस टकरा गई। 17 घायलों को एडुबुलेंस से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। ज्यादातर घायल इंदौर, भोपाल उपचार के लिए अपने वाहन से चले गए। गुना जिला अस्पताल से चार घायल भोपाल रेफर कर दिए गए हैं। घायलों में महिमा चौधरी पत्नी राहुल निवासी देवास, शिवम गुप्ता पुत्र रविंद्र गुप्ता निवासी लखनऊ, प्रभा शर्मा भोपाल, सुनीता सोनी पत्नी संजीव सोनी निवासी उज्जैन, निशा पत्नि विजय, याचिका शाक्य निवासी डबरा, गीता पत्नी अरविंद कुशवाह, यामिनी कुशवाह पुत्री अरविंद कुशवाह आदि शामिल हैं।

कलेक्टर के निर्देश के बाद आरोन बस स्टेण्ड से हटाया अतिक्रमण

गुना। कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही सतत जारी है। तहसीलदार गुना शहर जी.एस. बैरवा ने बताया कि आज अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए गुना से आरोन की ओर जाने वाली बसों के लिये उपयोग होने वाले आरोन बस स्टैंड का स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया और साफ-सफाई कराई गयी। कलेक्टर द्वारा इस बस स्टेण्ड के सौदर्यीकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये हैं।

पुलिस और आबकारी विभाग की दबिश के पहले ही खाली हुआ गांव, मौके पर मिला लाखों का लहान और अवैध शराब

भानपुरा कंजर की जमीन पर फिर उगली लाखों की लहान व अवैध शराब

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के चांचौड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम भानपुरा कंजर में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने दबिश देकर अवैध शराब के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही है। इस दौरान मौके से लगभग 10 लाख कीमत का 10,000 लीटर लहान नष्ट कर 45,000 कीमत की 300 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की है। एसपी संजीव कुमार सिंहा द्वारा बताया गया कि जिले में विभिन्न अवैध अथवा अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त माफियाओं, कारोबारियों, तस्करों आदि पर निरंतर कार्यवाहियां की जा रहीं हैं। इसी क्रम में जिले के चांचौड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम भानपुरा में कंजर डेरों पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध शराब का निर्माण किये जाने की सूचनाएं मिल रहीं थीं । ग्राम भानपुरा में कंजर डेरों पर अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त शराब कारोबारियों पर कार्यवाही हेतु गुरुवार तड़के एसडीओपी चांचौड़ा दिव्या सिंह राजावत के नेतृत्व में पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें भेजकर दविश दिलाई गई । पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीमों में पुलिस विभाग से चांचौड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक मचल सिंह मण्डेलिया, कुम्भराज थाना प्रभारी निरीक्षक रितुराज सिंह कुशवाह, मृगवास थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बुन्देल सिंह सुनेरिया, बीनागंज चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक नीरज लोधी, व इनके थाना, चौकी एवं पुलिस लाईन का बल तथा आबकारी विभाग से उपनिरीक्षक एल.आर. करोटिया अपने बल के साथ मौजूद रहे। ग्राम भानुपरा में कंजर डेरों पर पुलिस की दविश को देखकर गांव के लोग घर छोड़कर भाग निकले। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस फोर्स द्वारा ग्राम भानपुरा में कंजरों के डेरों के आसपास तलाश करने पर सोनू पुत्र राकेश कंजर के घर के पास कच्ची शराब बनाने के लिये तैयार की हुई भट्टियां एवं इसमें उपयोगी अन्य सामग्रियां मिलीं। जहां पर छोटे-बड़े ड्रमों एवं हौज में शराब बनाने के लिये तैयार किया गया लगभग 10,000 लीटर लहान कीमती करीबन 10 लाख रूपये का भरा हुआ मिला। इसके साथ ही तैयार की हुई 300 लीटर अवैध कच्ची शराब कीमती करीबन 45 हजार रूपये की भी छोटे-बड़े 8 ड्रमों में भरी हुई मिली । पुलिस एवं आबकारी विभाग की टीमों द्वारा मौके पर मिलीं शराब निर्माण में उपयोगी विभिन्न सामग्रियों एवं लहान को मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया। इस कार्यवाही के दौरान ग्राम भानपुरा में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त फरार आरोपी सोनू पुत्र राकेश कंजर निवासी ग्राम भानपुरा कंजर थाना चांचौड़ा के विरूद्ध चांचौड़ा थाने में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमशः अप.क्र. 299/24 पंजीवद्ध कर विवेचना में लिया गया है । जिले में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त शराब माफियाओं, कारोबारियों, तस्करों आदि पर गुना पुलिस की कार्यवाही आगे भी इस तरह की कार्यवाहियां निरंतर जारी रहेगीं ।

नालों से निकल रहा डिस्पोजल और प्लास्टिक कचरा

सत्ता सुधार ■ गुना

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद गुना द्वारा शहर की विभिन्न जल संरचनाओं के साथ शहर के प्रमुख नाले नालियों की सफाई कराई जा रही है। इसके अंतर्गत गुरुवार को आसमानी माता मंदिर के पास गुनिया नदी की सफाई कराई गई। जिसमें पुल-पुलियों के पास मुहानों के कचरे का निस्तारण कर पानी के बहाव का अवरोध हटाया गया तथा जल निकासी हेतु रास्ते बनाए गए। इसके अतिरिक्त हनुमान चौराहे से हाट रोड रपटे की ओर जाने वाले नालों की सफाई मजदूरों द्वारा कराई जा रही है तथा हनुमान चौराहा से ही नानाखेड़ी की ओर रोड किनारे बने बड़े नालों की सफाई भी मजदूरों द्वारा कराई जा रही है। सीएमओ तेज सिंह यादव ने बताया कि वर्षा पूर्व शहर के सभी प्रमुख नालों की सफाई कराई जा रही है। जिससे वर्षा काल में पानी निकासी सुनिश्चित हो सके तथा बाढ जैसे हालात न बनें। उन्होंने नागरिकों से नाले नालियों में कचरा न डालने की अपील की है, साथ ही अनुरोध किया है कि विभिन्न वार्डों में तथा शहर के प्रमुख मार्ग पर चलने वाली कचरा गाड़ियों में ही कचरा डालें, जिससे नालों में जल का बहाव बाधित नहीं होगा, और जल सतत रूप से बहता रहेगा जिससे गंदगी की संभावना कम होगी।

पढ़ाई में कमजोर बच्चों के लिए ये टिप्स होंगे कारगर

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। आज के काम्पिटिटिव युग में बच्चों पर पढ़ाई काफी प्रेशर रहता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बच्चा चीजों को उतना जल्दी और बेहतर तरीके से समझ पाए। चूंकि हर बच्चा अलग होता है और इसलिए उनका आईक्यू लेवल भी अलग होता है। अगर बच्चा पढ़ाई में कमजोर है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उस पर गुस्सा किया जाए या उसे दंड दिया जाए। बस आपका बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए कुछ आसान उपाय बता रहे हैं-

समझें परेशानी

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, हो सकता है कि बच्चा मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो और इसलिए वह पढ़ाई पर उतना ध्यान ना दे पा रहा हो। इसलिए पहले उसकी परेशानी समझें और उसके बाद ही उसकी समस्या को हल करें।

अलग से दें ध्यान

जो बच्चा चीजों को धीरे-धीरे समझता है, वह अक्सर पढ़ाई में पीछे रह जाता है। मसलन, अगर बच्चा पिछले पाठ को ठीक से नहीं समझ पाया है तो उसे अगला पाठ समझने में भी परेशानी हो सकती है। इस तरह, वह धीरे-धीरे पीछे होने लगता है। ऐसे में उस पर अलग से ध्यान देने की जरूरत होती है। आप तीस बच्चों की क्लास में उसे सही से नहीं पढ़ा सकते। कोशिश करें कि आप उसे अलग से समय दें और उसके मन की सभी कन्फयूजन को दूर करें।

करें प्रोत्साहित

यह भी एक समस्या है, जो अक्सर कमजोर बच्चों के साथ देखी जाती है। जिस तरह बच्चा पढ़ाई में धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है, उसका आत्मविश्वास भी गिरने लगता है। ऐसे में उनको लगता है कि वह कभी भी पढ़ाई में अच्छा नहीं कर सकते। इसलिए ऐसे बच्चों को बेहतर बनाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है उन्हें प्रोत्साहित करना। जब आप उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करेंगे तो वो पढ़ाई में अतिरिक्त ध्यान लगा पाएंगे। हालांकि अगर बच्चे को किसी स्पेशल नीड्स की जरूरत है तो उसकी जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएं।

तय करें समय

कमजोर छात्रों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त मेहनत की जरूरत होती है। इसलिए उनके लिए पढ़ाई का समय तय करें। जिस विषय में वह कमजोर हैं, उनके लिए अतिरिक्त समय निकालें। बच्चे को रेग्युलर और तय समय पर जरूर पढ़ाएं। कभी भी उनकी पढ़ाई का नियम ना तोड़े और पढ़ाते समय बच्चों के साथ धैर्य बरतें। कभी भी उन पर गुस्सा ना करें।

सोशल मीडिया की मदद से मिलेगी एक बेहतरीन जॉब

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा।

आज के समय में सोशल मीडिया सिर्फ अपने विचारों को व्यक्त करने या फिर नए लोगों से जुड़ने का ही एक साधन मात्र नहीं रह गया है। बल्कि वर्तमान में लोग एंप्लाय व कंपनियां दोनों ही इसका बेहद स्मार्टली इस्तेमाल कर रही हैं। जहां एक कुशल व्यक्ति इसकी मदद से अपनी योग्यताओं के अनुरूप जॉब ढूंढता है, वहीं कंपनियां भी अपनी जरूरत के हिसाब से एक बेहतरीन कर्मचारी को सोशल प्लेटफॉर्म पर ढूंढती हैं। ऑनलाइन सोशल नेटवर्क साइट्स अब अपने स्किल्स को एडवरटाइज करने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म बन गई हैं। आप यहां पर खुद को एक ब्रांड बनाने से लेकर अपने काम को डिस्प्ले करने यहां तक कि अपनी फील्ड के ही एक्सपर्ट व अन्य लोगों से जुड़ने की कोशिश करते हैं। वैसे इसके अतिरिक्त आप सोशल मीडिया की मदद से एक अच्छी जॉब भी ढूंढ सकते हैं। जानिए कैसे-

लिंक्डइन

लिंक्डइन आपकी जॉब सर्च में एक महत्वपूर्ण टूल बनकर सामने आ सकता है, क्योंकि यहां पर आपको रिक्रूटर्स से लेकर कंपनी के हेड मिलेंगे, जो अपनी कंपनी में खास जॉब के लिए कैंडिटेंट की तलाश करते हैं। ऐसे में यहां पर उनसे सीधा संपर्क किया जा सकता है। अगर आप एक अच्छी जॉब सर्च कर रहे हैं तो आपका लिंक्डइन पर अकाउंट जरूर होना चाहिए। साथ ही आप उसे अप-टू-डेट रखें। आपका लिंक्डइन प्रोफाइल ऑनलाइन सीवी लिखने के जैसा ही है। हालांकि यह कोई जॉब सर्चिंग साइट नहीं है, लेकिन अगर आप किसी अच्छी कंपनी में अपना रिज्यूम देंगे तो वह यकीनन लिंक्डइन पर आपका प्रोफाइल देखेंगे। इससे उन्हें आपके स्किल्स का अंदाजा पहले ही हो जाता है। अगर आप वहां पर नहीं हैं तो कंपनी के रिक्रूटर समझते हैं कि या तो आप टेक्निकली आउटडेटेड हैं या फिर आप अपने बारे में कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्विटर

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा। आप ट्विटर पर जॉब के लिए सामने से ट्वीट ना करें, बल्कि अपनी पसंदीदा कंपनियों को ट्विटर पर फॉलो करें। उनके ट्वीट पर रिट्वीट करें या फिर आप अपने ट्वीट्स को ही किसी विशेष कॅरियर में इंटरस्ट दिखाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही आपके ट्वीटर प्रोफाइल में आपकी प्रोफेशनल लुकिंग फोटो, एक बेहतरीन बायो जरूर होना चाहिए। आप चाहें तो इसमें अपनी वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल के लिंक को भी एड कर सकते हैं।

जॉब सर्च में सोशल मीडिया के फायदे

- इसकी मदद से आप आसानी और प्रभावपूर्ण तरीके से खुद को सबके सामने पेश कर सकते हैं, जिससे अच्छी जॉब मिलने के चांसेज कई गुना बढ़ जाते हैं।
- आप खुद का नेटवर्क बिल्ड अप कर सकते हैं और कई सोशल चैनल्स से लोगों को जोड़ सकते हैं। ऐसे में रिक्रूटर आपसे आसानी से प्रभावित होते हैं।
- सोशल मीडिया के जरिए आप कंपनी हेड या रिक्रूटर के साथ सीधे जुड़ सकते हैं।

इंटर्नशिप कर रहे हैं आप तो ध्यान रखें ये बातें आसानी से मिलेगी नौकरी

जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है।

पढ़ाई पूरे करने के बाद जब छात्र प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखते हैं तो उनकी शुरूआत होती है इंटर्नशिप के साथ। किताबी ज्ञान प्राप्त करने के बाद इंटर्नशिप व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। इतना ही नहीं, अगर इंटर्नशिप के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे इंटर्नशिप समाप्त होते ही एक बेहतरीन नौकरी बेहद आसानी से मिल जाती है, वहीं जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कि इंटर्नशिप के दौरान अच्छी नौकरी पाने के लिए क्या किया जाए-

कंपनी में दिखाएं कौशल

सबसे पहला नियम यह याद रखें कि आप अपने काम को कभी भी हल्के में न लें। भले ही आपको काम के पैसे न मिल रहे हों लेकिन फिर भी एक प्रोफेशनल की तरह काम सीखें और दिए गए प्रोजेक्ट उतनी ही मेहनत से करें। इसके अतिरिक्त ऑफिस में कुछ छोटी-छोटी बातों का विशेष ध्यान रखें। मसलन, समय पर ऑफिस पहुंचना, नए काम को सीखने के लिए आतुर रहना और ऑफिस में प्रोफेशनलिज्म को मेंटेन रखें। साथ ही इस बात की भी कोशिश करें कि आपके द्वारा किया गया काम बॉस व एचआर की नजर में आए ताकि बाद में आप वहीं पर जॉब के लिए अप्लाई कर सकें।

निखारें गुण

किसी भी व्यक्ति को सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए पहले स्वयं को तराशना पड़ता है। हो सकता है कि आप काम बेहद जल्द सीख जाएं या फिर आप अपनी फील्ड में कुछ ही दिनों में माहिर हो जाएं लेकिन अगर आप उसे दूसरों के सामने सही ढंग से पेश नहीं कर सकते तो वह सीखा गया काम भी व्रयथ हो जाता है लेकिन खुद के गुणों को निखारने का प्रयास करें। अपने कम्युनिकेशन स्किल्स को निखारने व प्रेजेंटेबल बनने के लिए इंटर्निशप के दौरान ही शॉर्ट टर्म पर्सनैलिटी डेवलपमेंट क्लासेज लें। अगर आपका काम ऐसा है कि विदेशी क्लाइंटस से डील करना पड़ता है तो फॉरेन लैंग्वेज भी अवश्य सीखें। खुद को तराशने के बाद आपको न सिर्फ लोग नोटिस करेंगे, बल्कि किसी भी कंपनी में इंटरव्यू को क्लीयर करने में भी काफी मदद मिलेगी। इससे एक बेहतरीन नौकरी पाना बेहद सरल हो जाएगा।

सोशल मीडिया का सहारा

इंटरनेट के इस युग में जो व्यक्ति खुद की ब्रांडिंग नहीं कर पाता, उसके लिए अच्छी नौकरी पाना वाकई कठिन हो जाता है। खुद की ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया का सहारा लें। खुद की वेबसाइट बनाएं या फिर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने द्वारा किए गए काम को डिस्प्ले करें। साथ ही इंटर्नशिप के दौरान खुद की अचीवमेंट्स को हाईलाइट करना न भूलें। इससे बहुत सी कंपनियां जब आपके काम को देखेंगी तो हो सकता है कि वह सामने से ही आपको एक अच्छी जॉब ऑफर कर दें।

पढ़ाई रखें जारी

अगर आपने प्रोफेशनल दुनिया में कदम रख लिया है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपनी पढ़ाई को अलविदा कह दें। भविष्य में बेहतरीन अवसर प्राप्त करने के लिए पढ़ाई को जारी रखें। मसलन, अगर आपने ग्रेजुएशन या संबंधित डिप्लोमा कोर्स के बाद ही इंटर्नशिप की है तो इंटर्निशप के साथ-साथ मास्टर्स की तैयारी करें। इस तरह अगर आप शुरूआती कुछ सालों में अधिक मेहनत करके अच्छी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन प्राप्त कर लेते हैं तो एक समय ऐसा आएगा, जब आपके पास बेहतरीन ऑफर्स की कमी नहीं होगी और आपके लिए उनमें से किसी एक को चुनना कठिन होगा।

खेलों से जुड़ा एक अनोखा कॅरियर एथलेटिक थेरेपिस्ट

एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं।

आज के समय में लोगों के मन में सिर्फ क्रिकेट के प्रति ही प्रेम नहीं है, बल्कि वह अन्य भी कई तरह के खेलों की तरफ अपना रूझान दिखा रहे हैं। भारत में अब जिस तरह खेलों को बढ़ावा मिल रहा है, उसने इसमें कॅरियर की नई संभावनाओं को जन्म दिया है। वैसे यह जरूरी नहीं है कि आप केवल खिलाड़ी बनकर ही स्पोर्ट फील्ड में खुद को स्थापित करें। अगर आप खेलों में विशेष दिलचस्पी रखते हैं तो बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट बनकर भी एक उज्जवल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस फील्ड के बारे में-

क्या होता है काम

एक एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं। साथ ही खेल के दौरान वह खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसे तुरंत राहत पहुंचाते हैं।

स्किल्स

अगर आप एथलेटिक थेरेपिस्ट बनना चाहते हैं तो आपके भीतर कुछ स्किल्स होना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो आपके भीतर खेलों के प्रति लगाव होना चाहिए। साथ ही आपके भीतर दृढ़ निश्चय होना चाहिए और खिलाड़ी को मोटिवेट भी करने का स्किल्स हो। चूंकि आपका काम चोट व हेल्थ से जुड़ा है, इसलिए आपको क्लीनिकल एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको मेडिसन के क्षेत्र में हो रहे लेटेस्ट डेवलपमेंट पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए।

योग्यता

अगर आप बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं तो आपके पास स्पोर्टस मेडिसिन में एमबीबीएस, व स्पोर्टस फिजिकल थेरेपी में मास्टर्स डिग्री होनी चाहिए। वहीं आप फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं

चूंकि स्पोर्टस को हर देश में काफी बढ़ावा दिया जाता है, इसलिए उससे जुड़े कॅरियर में भी संभावनाओं की कमी नहीं होती। कोर्स करने के बाद स्पोर्ट कंपनी, स्पोर्टस क्लब, नेशनल टीम, राज्य टीम या किसी स्पोर्टस एकेडमी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

आमदनी

एक प्रोफेशनल एथलेटिक थेरेपिस्ट को काफी अच्छी सैलरी मिलती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी ही 30000 रूपए से 50000 रूपए के बीच होती है। वहीं कुछ सालों का एक्सपीरियंस होने के बाद आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
- डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे

कंगना रनौत को थप्पड़ पड़ने पर पहली बार करण जौहर ने किया रिएक्ट, कहा- जिसकी नहीं थी किसी को उम्मीद

अभिनेत्री से नेता बनीं मंडी सांसद कंगना रनौत इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक ओर एक्ट्रेस की बंपर जीत तो वहीं दूसरी ओर उनका थप्पड़ कांड चर्चा में है। बीते गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर ष्ट्ढ्ढस्स्न की एक महिला जवान ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। ये मामला सनसनीखेज बन गया और हर ओर इसी की चर्चा होने लगी। कंगना ने खुद भी इस पर रिएक्टर किया और अपने साथ हुआ पूरा मामला साझा किया। राजनीति से लेकर बॉलीवुड के सितारे इस घटना पर रिएक्ट कर रहे हैं।

कई लोगों ने सीआईएसएफ जवान का पक्ष लिया तो वहीं कई लोग ऐसे भी हैं

जिन्होंने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया और हिंसा को गलत ठहराया है। कंगना रनौत के सपोर्ट में कई ऐसे लोग भी आ रहे हैं जिनसे किसी को उम्मीदें नहीं थीं। शबाना आजमी, अध्यन सुमन के बाद अब करण जौहर भी इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं। करण जौहर ने भी इस घटना की निंदा की है। पिछले सात सालों से कंगना रनौत और मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर के बीच जुबानी जंग चल रही है। इसकी शुरुआत तब हुई जब कंगना करण के चैट शो कॉफी विद करण में पहुंचीं और डायरेक्टर को नेपोटिज्म का फ्लैगबियरर कहा। तब से लेकर अब तक कई मौकों पर कंगना ने करण जौहर के खिलाफ कई बातें कही हैं। वहीं करण भी कंगना को जवाब देने से पीछे नहीं हटे हैं, लेकिन आज कुछ अलग देखने को मिला है। हाल ही में जब कंगना रनौत पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली जाने के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचीं तो उन्हें सीआईएसएफ की महिला सुरक्षा कर्मी ने थप्पड़ मार दिया। अब इस पर करण जौहर ने रिएक्ट किया है। आज करण जौहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए जहां उनसे कंगना के थप्पड़ विवाद पर प्रतिक्रिया मांगी गई।

फेमस सिंगर ने बचाई 3000 मासूमों की जान

मनोरंजन जगत में ऐसे कई सितारे हैं जो अपनी फिल्मों के साथ-साथ कुछ नेक कामों के लिए भी जाने जाते हैं। सलमान खान से लेकर सोनू सूद तक, कई ऐसे कलाकार हैं जो जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं। इस लिस्ट में एक और बॉलीवुड सेलिब्रिटी का नाम जुड़ गया है। ये नाम है सिंगर पलक मुच्छल का, जो कौन तुझे, ओ खुदा, मेरी आशिकी, सनम और एक मुलाकात जैसे गानों के लिए फेमस हैं।

पलक मुच्छल प्लेबैक सिंगर होने के साथ-साथ सामाजिक कामों में भी काफी दिलचस्पी रखती हैं। जब सिंगर ढाई साल की थीं तभी से उन्होंने गाना शुरू कर दिया था। यही नहीं, पलक अब तक 3 हजार बच्चों की जान बचा चुकी हैं। ये वे बच्चे हैं, जो हार्ट की बीमारियों से जूझ रहे हैं।

पलक ने हाल ही में एक और बच्चे की सर्जरी कराई

पलक ने हाल ही में एक और बच्चे की सर्जरी कराई, जिसका नाम आलोक है। आलोक की सर्जरी सक्सेसफुल रही और अब वो बिल्कुल ठीक है। आलोक के साथ ही हार्ट संबंधी समस्या से जूझ रहे ऐसे गरीब बच्चों की संख्या 3000 पहुंच गई है, जिनकी पलक मुच्छल ने मदद की है। ऐसे में अब हर तरफ सिंगर के नेक काम की तारीफ हो रही है। बता दें, सामाजिक कार्य के लिए पलक का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज हो चुका है।

1 छोटी बच्ची से हुई थी शुरुआत

इस काम के लिए पलक को अलग-अलग अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। पलक ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह ऐसे बच्चों का इलाज करवा रही हैं जिन्हें हार्ट संबंधी समस्या है और वह अब तक 3000 सर्जरी पूरी करवा चुकी हैं। वहीं 400 और बच्चों का इलाज अभी और कराना है। पलक ने कहा- ये किसी सपने के जैसा है। पहल एक छोटी से बच्ची के साथ शुरुआत हुआ और ये उनके लिए मकसद बन गया। अब ये 3000 बच्चे उनके लिए उनके परिवार के जैसे हैं।

लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं: जन्नत जुबैर

एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहाः क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12-13 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे। फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है।

जन्नत ने भारत का वीर पुत्र - महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया। 2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई। बता दें कि जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी - अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।

तारक मेहता की पुरानी सोनू एक्टिंग छोड़ जीने लगी थी अतरंगी लाइफ

फिर चलाएगी पुराना वाला जादू

टीवी का पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोनू की भूमिका निभाने वाली निधि भानुशाली तो आपको याद ही होंगी। निधि भानुशाली का ये किरदार घर-घर में चर्चित रहा है। साल 2019 में छो छोड़ने के बाद भी निधि भानुशाली अपनी अतरंगी लाइफ के चलते चर्चा में बनी रहती थीं। वो एक्टिंग और ग्लैमर इंडस्ट्री से दूर हिप्पी स्टाइल लाइफ जी रही थीं। वो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घूमती रहती थीं। अब एक्ट्रस नई भूमिका के साथ कमबैक करने के लिए तैयार है। लंबे वक्त से वो किसी शो में नजर नहीं, लेकिन सोशल मीडिया और यूट्यूब के जरिए फैंस से जुड़ी रहीं। अब जल्द ही निधि भानुशाली को आप पुराने वाले अवतार में देख पाएंगे। उन्होंने अपनी इस लाइफ अपडेट की जानकारी भी सोशल मीडिया के जरिए ही दी है।

निधि कर रहीं कमबैक

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हुए लाइफ की हर अपडेट साझा करने वाली निधि भानुशाली ने अपनी अपकमिंग सीरीज का ट्रेलर फैंस को दिखाया है।11 जून को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी अपकमिंग वेब सीरीज सिस्टरहुड का ट्रेलर और पोस्टर शेयर किया। ट्रेलर पोस्ट करते हुए निधि ने लिखा, स्कूल की मेमोरीज और बेस्टीज बनाने आ गई है ये गर्ल गैंग। निधि भानुशाली ने आने वाली सीरीज की स्ट्रीमिंग डेट की भी घोषणा कर दी है। निधि और उनकी गर्ल गैंग की यह सीरीज 13 जून से अमेजन मिनी टीवी पर स्ट्रीम होगी। इसमें निधि एक स्कूल जाने वाली लड़की की भूमिका में नजर आएंगी।

फैंस हुए एक्साइटेड

निधि की इस अपकमिंग सीरीज का ट्रेलर लोगों को पसंद आ रहा है। इसे देखकर फैंस काफी खुश और उत्साहित है। इस सीरीज को देखने के लिए फैंस अभी से अपना एक्साइटमेंट जाहिर कर रहे हैं। ट्रेलर देखकर तारक मेहता की कोमल भाभी यानी अंबिका रंजनकर भी एक्साइटेड नजर आईं। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा, उफ्फ ये एटीट्यूड! शो देखने के लिए एक्साइटेड हूं...शुभकामनाएं चैंपियन।

निधि जीने लगी थी हिप्पी जैसी लाइफ

पुरानी सोनू यानी निधि भानुशाली ने साल 2019 में तारक मेहता का उल्टा चश्मा को अलविदा कह दिया था। शो छोड़ने के बाद से ही वो अपने एक साथी और पेट डॉग के साथ घूमने निकल पड़ी थीं।
वो जंगल, पहाड़ों, समुद्र के किनारे और देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों की सैर कर रही थीं। निधि हर दिन नए-नए एडवेंचर्स करती नजर आती थीं। वो अपनी लाइफ के एक हिप्पी की तरह जीने लगी थीं। बिना किसी लग्जरी के वो हर मंजर को एंजॉय करती नजर आती थीं।

मानवता के लिए भगवान का तोहफा! एकमात्र रजनीकांत : अनुपम खैर

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में अनुभवी एक्टर्स अनुपम खेर और रजनीकांत को साथ में देखा गया। अनुपम ने इससे जुड़ा एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। एक्टर इस वीडियो में रजनीकांत की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में अनुपम, रजनीकांत के साथ-साथ चलते हुए दिखाई रहे हैं। उनके चारों ओर सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। वह तारीफ करते हुए कहते है, वन एंड ओनली, मिस्टर रजनी-द-कांत! वन एंड ओनली! भगवान का तोहफा!इस दौरान अनुपम की तारीफ सुन रजनीकांत कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अनुपम ने कैप्शन में लिखा, मानवता के लिए भगवान का तोहफा! एकमात्र- रजनीकांत! जय हो... प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया। इस समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। बॉलीवुड से शाहरुख खान, अक्षय कुमार, भोजपुरी स्टार रवि किशन, तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण, भोजपुरी एक्टर और राजनेता निरहुआ, अभिनेता मनोज तिवारी, एक्ट्रेस रवीना टंडन समेत कई सेलेब्स पहुंचे थे।

टीवी चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा ली थी इमरान की कहानी

हाल ही में एक्टर इमरान खान ने खुलासा किया कि उनकी कहानी को एक टेलीविजन चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा लिया था। एक्टर की माने तो वह 2005 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटे थे, तब वह डायरेक्टर और राइटर बनने की ख्वाहिश रखते थे। लेकिन शुरू में एक्टिंग उनके माइंड में नहीं थी।

उन्होंने अपनी कहानियों का एक फोल्डर बनाया और किसी को बताए बिना ही एक टेलीविजन चैनल को प्रस्ताव देने के लिए चले गए। इमरान खान ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को बताया, चैनल ने उनके विचारों की सराहना की, लेकिन उन्होंने फिर कभी उनसे कोई बात नहीं की। फिर एक दिन उनकी एक एक्ट्रेस दोस्त ने बताया कि उन्हें एक ऐसे रोल में कास्ट किया गया है, जिसकी कहानी उनके द्वारा पेश स्क्रिप्ट की रूपरेखा से काफी मिलती-जुलती है। एक्टर ने बताया, मैं उनसे मिलने गया और जब उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट दी, तो उसमें मेरी कहानी की रूपरेखा से काफी समानता थी। इसलिए, उन्होंने मेरी बात मान ली और इसे एक एपिसोड बनाने के लिए विस्तारित किया। मैंने उन लोगों को फोन करके उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे कभी यह पूछने के लिए संपर्क नहीं कर सका कि आप लोगों ने क्या किया? इस एक्सपीरियंस ने न केवल इमरान खान में कुछ बदलाव किया, बल्कि उन्हें अब्बास टायरवाला से भी मिलवाया। एक्टर ने इनके साथ बाद में अपनी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना में काम किया। इमरान खान ने यह सोचकर एक फिल्म के लिए स्क्रीन टेस्ट देने का फैसला किया कि अगर वह एक एक्टर के रूप में सफल होते हैं, तो उनका नाम पहचाना जाएगा।

जब मोना सिंह ने ठुकरा दिया करण ओबेरॉय का मैरिज प्ररपोजल, एक्टर ने सालों बाद सच से उठाया पर्दा

जस्सी जैसी कोई नहीं से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली मोना सिंह इन दिनों अपनी फिल्म मुंया को लेकर सुर्खियों में हैं। ये लो बजट हॉरर कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। मोना सिंह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा ही प्राइवेट रही हैं। जब उन्होंने श्याम राजगोपालन से शादी की तब भी शादी के बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी। करियर के शुरुआती दिनों में मोना का नाम एक्टर करण ओबेरॉय से भी जुड़ा था। दोनों की पहली मुलाकात 2006 में पॉपुलर सीरियल जस्सी जैसी कोई नहीं के सेट पर हुई थी। कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए। दोनों ने अपने ब्रेकअप के बारे में बात ना करने का फैसला लिया। हालांकि, अब करण ओबेरॉय ने मोना सिंह के साथ अपने ब्रेकअप के बारे में खुलकर बात की है। करण ओबेरॉय ने सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में बताया कि वह मोना सिंह से शादी करना चाहते थे, इसके बाद भी अभिनेत्री ने ये रिश्ता खत्म

कर दिया। मोना के साथ अपने रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए करण ने कहा- हमारे रोमांस की शुरुआत जस्सी जैसी कोई नहीं के सेट से हुई। जब आप किसी के साथ बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो उसके प्रति लगाव पैदा हो जाना बहुत ही स्वाभाविक है। वह एक शानदार एक्ट्रेस हैं। वो बहुत ही चिल्ड आउट और शांत स्वभाव की थी, जो मुझे उनकी तरफ आकर्षित करता था। मुझे लगता है कि उसके लिए मेरे अंदर प्यार की फीलिंग पैदा होना बहुत ही स्वाभाविक था। करण मोना के बारे में बात करते हुए आगे कहते हैं- वह खुलकर हंसती हैं और मुझे उसके इसी रूप से प्यार हो गया। वह एक इंसान के तौर पर बहुत ही बिंदास हैं। जब तक यह चला तब तक यह बहुत ही सुंदर था। ऐसी कई परिस्थितियां और मजबूरियां होती हैं जिसके चलते आप अलग-अलग रास्ते अपना लेते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके मन में किसी के लिए कोई गलत भावना हो।

जब मोना ने ठुकरा दिया शादी का प्रपोजल

जब करण से पूछा गया कि जब उन्होंने मोना सिंह के सामना शादी का प्रपोजल रखा तो उन्होंने इसे ठुकरा दिया, तो जवाब में करण ने कहा- यह बहुत ही सीधी बात है। जस्सी जैसी कोई नहीं एक शानदार शो था और वह उस समय पर नेशनल आइकॉन बन चुकी थीं। वह अपने करियर में आगे बढ़ रही थीं। उस समय जब उन्होंने शादी से इनकार किया, मुझे यह समझ नहीं आया, लेकिन अब मैं समझ सकता हूं। हमें तभी दुख तब होता है जब हम किसी से चाहते हैं कि वह हमारे जैसे बनें। जब आप किसी से कुछ भी उम्मीद नहीं करते हैं, तो आप उन्हें आंकेंगे नहीं और आप दोनों खुश रहेंगे। जब आप यंग होते हैं तो आप इन सब बातों को नहीं समझते हैं और आप इसे रिजेक्शन के रूप में लेते हैं।

ब्रीफ न्यूज

सड़क किनारे डंप राखड़ में फिसल रहे बाइक चालक

हरदा। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर शहर और ग्रामीण सड़कों पर हादसे आम बात हो गए हैं। नाले में बने पुल के पास ट्रेलर वाहन ने एक बाइक सवार को चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मार्ग पर एक ट्रेलर पहले से ब्रेकडाउन खड़ी थी। जिसे एक अन्य ट्रेलर वाहन ओवरटेक कर रहा था, उसी वक्त बाइक भी उक्त ओवरटेक कर रही ट्रेलर से बगल से गुजर रही थी कि इस दौरान बाइक चालक ट्रेलर से बचने के इरादे से सड़क के किनारे चला गया परंतु सड़क किनारे फेंके गए राखड़ की जमी मोटी परत में बाइक का पहिया फिसल गया। इससे पहले कि वह उठ पाता, इस दौरान गुजर रही ट्रेलर के पिछले पहिये की चपेट में आ गया।

19 क्वाटर अवैध शराब जप्त कर मामला दर्ज

हरदा। जिला मुख्यालय 13. जून को थाना सिविल लाईन हरदा को सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति नहाल मोहल्ला पलासनेर मे अबैध शराब बेच रहा है सूचना पर प्र.आर. सुभाष रघुवंशी प्र.आर. 133 प्रदीप ठाकरे को साथ लेकर मुखबीर दवारा बताये गये स्थान पर पहुँचे तो देखा कि एक व्यक्ति अपने हाथ मे एक प्लास्टिक के थैले मे कुछ लिए खडा दिखा जो पुलिस को देखकर इधर-उधर होने की कोशिश करने लगा। जिसे हमराह पुलिस स्टाफ व साक्षी भैयालाल की मदद से घेराबंदी कर पकडा नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम सोनू पिता देवकरण काजलिया उम्र 26 साल निवासी नहाल मोहल्ला पलासनेर जिला हरदा का रहना बताया। जिसके हाथ मे रखे थैले चेक करने पर देशी मदिरा प्लेन के कंपनी सीलबंद कुल 19 क्वाटर होना पाया गया। व्यक्ति से शराब रखने के संबंध मे लायसेंस पूछा जिसने कोई कागजात का नही होना बताया गया बाद वैधानिक कार्यवाही करते हुये आरोपी सोनू काजलिया के बिरूद्ध अपराध धारा 34(1) आबकारी एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया जाता है।

खरीफ फसलों के लिये कृषि विभाग द्वारा सलाह जारी

हरदा। दहलन विकास निदेशालय भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भोपाल द्वारा खरीफ फसलों के लिये जून माह हेतु किसानों के लिये सलाह जारी की गई है। उपसंचालक कृषि संजय यादव ने बताया कि सोयाबीन फसल के लिये किसान भाई क्षेत्र के अनुसार उपयुक्त किस्मे जैसे, आरवीएसएम-1135, जेएस-2098, जेएस-2172, आरवीएस-24, एनआरसी-138, एनआरसी-152 इत्यादि का चयन कर, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बुआई के पूर्व बीजोपचार अवश्य करें। सबसे पहले फफूंदनाशी थायरम+कार्बेन्डाजिम (2=1) 3 ग्राम प्रति किग्रा तथा उसके बाद पीला मोजेक रोग की रोकथाम के लिये कीटनाशक थायोमिथाक्सम 30 एफ.एस. 10 मि.ली. प्रति किग्रा बीज या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. 1.2 मि.ली. प्रति किग्रा बीज) तथा अंत में कल्चर राइजोबियम 5-7 ग्रा. प्रति किग्रा एवं पी.सी.बी. 5-7 ग्रा. प्रति किग्रा बीज से उपचारित करे। मक्का फसल के लिये खरीफ में मक्का की बुआई जून के अंतिम सप्ताह से जूलाई के प्रथम पखवाड़े तक मानसून की स्थिति के अनुसार करें। f

सिराली में रंगोली और मानव श्रृंखला बना कर जल संरक्षण की अपील की

सत्ता सुधार ■ हरदा/ सिराली

जल संरक्षण व संवर्धन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 5 से 16 जून तक ह्यजल गंगा संवर्धन अभियान आयोजित किया है, जिसके तहत जल स्रोतों की साफ-सफाई व उनके गहरीकरण के कार्य किये जा रहे हैं। गोलू मंसूरी ने बताया कि गुरूवार को नगर परिषद सिराली द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में 101 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, सीईओ रोहित सिसोनिया, अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा, पुलिस

अधीक्षक अभिनव चोकसे, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अनिता अग्रवाल एवं स्थानीय पार्षदगण व समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि ने भी पौधरोपण किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राहुल शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत सिराली में विशाल आकार की आकर्षक रंगोली और मानव श्रृंखला बनाकर स्थानीय नागरिकों

को जल संरक्षण के लिये प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण दीपक पेंटर द्वारा बनाई गई रांगोली थी जिसके चारो और मानव श्रंखला बनाकर अभियान की शोभा बड़ाई गई। जल संरक्षण हेतु प्रति किया गया एवं अथितियों द्वारा गौशाला का निरीक्षण किया गया । गौमाताओं को गर्मी से बचाने हेतु नगर परिषद द्वारा लगाई फव्वारे मशीन की विशेष सराहना की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती अनीता कैलाश चंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष सचिन श्याम बुचा, जगदीश सोलंकी पूर्व जनपद अध्यक्ष खिरकिया, नगर सेठ कुंजविहारी सोमानी, राहुल शाह, कालूराम सेजकर, हयात खान, महेराज खान सहीत शहर के गणमान्य नागरिक पंकज गुप्ता, शिवदास गुर्जर, जितेन्द्र मालवीय, भागवत राजपूत, विक्रम राजपूत, वेदप्रकाश शर्मा, शिवनारायण गौर, दयाशंकर करोड़े, शिवराम रायखेरे पार्षद गण, पत्रकारगण एवं सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

खंडवा की बीज इंडस्ट्रीज बदनाम हुई पैसों के खातिर

300 करोड़ रूपये से ज्यादा का है सालाना कारोबार

अजीत लाड़ ■ खंडवा

तीन सौ करोड़ रूपये सालाना से ज्यादा की है खंडवा की सीड इंडस्ट्रीज। महज आधा दर्जन कारोबारियों के हाथों में है पूरा बाजार। कर्नाटक से लेकर आंध्रप्रदेश, तेलांगना से महाराष्ट्र, राजस्थान से मध्यप्रदेश तक बूम मचाने वाला खंडवा का सोयाबीन कब असली से फर्जी कारोबार में तब्दील हो गया, इसकी भनक ही नहीं लगी। पिछले एक दशक में जिला प्रशासन ने जब जब छापेमारी की तो अवैध बीज कारोबार के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ। बीज कंपनियां सरकारी नियम कायदों में करीब पांच लाख क्विंटल का प्रोग्राम दिखाती है, यदि इसमें फर्जी कारोबार भी जोड़ दे तो यह व्यापार पांच सौ करोड़ रू से उपर का हो जाता है। यही कारण है कि इन बीज माफियाओं की पहुंच उपर तक है, जिन पर प्रभावी कार्यवाही आमतौर पर नही होती।

सरकार ने बीज प्रमाणीकरण संस्था का गठन ही इसलिए किया था ताकि किसानों को प्रमाणित बीज मिल सके एवं किसान को सही उपज मिले। सरकार की मंशा पर अधिकारियों ने ऐसा पतीला लगाया कि अब बीज कंपनियां उन पर हावी है। करोड़ों के कारोबार में अंधी कमाई के चलते अब तक कई बार नकली टैग, नकली बीज, नकली पैकिंग के मामले खंडवा में उजागर हो चुके है । बावजूद यह धंधा बदस्तूर जारी है क्योंकि धंधे में मुनाफा मोटा है।

इस साल के मार्च माह में खंडवा की बड़ी राजनैतिक रसूखदार बीज निर्माता कंपनी सारस एग्रो इंडस्ट्रीज के खिलाफ खरगोन जिले के किसानों ने धोखाधड़ी का आरोप वाली खबर सत्ता सुधार प्रमुखता से उठाई थी, जिसमें करीब आधा दर्जन किसान इस मामले में खंडवा के बीज प्रमाणीकरण संस्था के कार्यालय से लेकर खरगोन कलेक्टर और खरगोन कृषि विभाग में शिकायती आवेदन देने भी पहुंचे थे किंतु अधिकारियों ने जांच की बात कह कर आरोपी कंपनी को पूरा मौका दिया कि वह मामला रफादफा कर लेवे। हुआ भी यही, कंपनी ने शिकायत करने वाले किसानों से लिखित में शपथ पत्र ले लिया कि वे शिकायत वापस ले रहे है। किसानों ने उसमें लिखा है कि बड़े बुजुर्गों के समझाने पर शिकायत वापस ले रहे है। इसका आशय यह नहीं है कि शिकायत झूठी थी, या उनके लगाये आरोप गलत थे।

सवाल यह है कि बीज प्रमाणीकरण संस्था में बैठे अधिकारी क्या कर रहे है ? शिकायत करने वाले किसानों से शिकायत वापस करवाने के बाद क्या उन्होंने यह जांचा कि वास्तव में उन किसानों के खेतों में सारस एग्रो ने बीज दिये थे ? क्या उनका खेतों में जाकर भौतिक सत्यापन किया गया था ? क्या उन किसानों को खाते में चैक अथवा आरटीजीएस से भुगतान किया गया है ? क्या उन खातों की जांच की गई है ? वे किस बैक के खाते है ? विवादित शिकायत वाले खाते सार्वजनिक क्यों नहीं किये जाते ? मिटावल में शिकायत करने वाले छै किसानों के अलावा भी सौ से अधिक किसान उसी गांव है जिनके यहां भी सारस एग्रो ने ही प्रोग्राम होना बताया है क्या उन किसानों को भी भुगतान हुआ है ? किन खातों में पैसा आया ? इसकी जांच किसी गंभीर ईमानदार एजेंसी से करवाना चाहिये। क्योंकि जितनी उपज उन किसानों के यहां होना कागजों पर बताई गई है, उसका भुगतान नकद नहीं किया जा सकता। यदि नकद भुगतान किया गया है तो यह भी गंभीर मामला होगा।

इधर कार्रवाई करने पहुंची ज्वाइंट डायरेक्टर की टीम

सत्ता सुधार द्वारा प्रमुखता से मामला उठाने के बाद गुरुवार दोपहर को कृषि विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर आलोक मीणा बड़े भारी लाव लश्कर के साथ कार्रवाई करने खंडवा पहुंचे उन्होंने अपनी कार्रवाई की शुरुवात पंधाना रोड पर पंजरिया गांव स्थित प्रगति वेयर हाउस पहुंची जहां विमल इंडस्ट्रीज नामक सीड्स कंपनी के दस्तावेज खंगालते हुवे कार्रवाई की गई। उसके बाद उनकी टीम वहां कार्रवाई करती रही वहीं खुद ज्वाइंट डायरेक्टर आलोक मीणा कुछ अधिकारियों के साथ बावड़िया काजी रोड स्थित बालाजी सीड्स पर पहुंचे जहां उन्होंने कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान उनसे बात करने का प्रयास किया गया परंतु उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया वहीं उनके पीछे दूसरी गाड़ी से प्रभारी बीज प्रमाणीकरण अधिकारी गोपाल नरगिस भी बालाजी सीड्स के गोडाउन पहुंचे थे।

बुलंद हौसले घोटालेबाजों के

कुछ सालों पहले एक बीज निर्माता कंपनी ने एक निजी सहकारी बैंक में किसानों के नाम से फर्जी खाते खोलकर पैसे डाले और खुद ने ही निकाल भी लिये, हालांकि इस कारोबारी ने यह धंधा बंद कर कॉलोनी में कूदना बेहतर समझा। इंदौर रोड़ पर एक बीज निर्माता कंपनी के यहां कलेक्टर एसपी ने छापा मारकर नकली टैग का जखीरा पकड़ा था, जिसमें अपराधिक प्रकरण बना था, बाद में कंपनी ने यह धंधा बंद कर दिया और करोड़ों रू का लोन लेकर दूसरा काम चालू कर दिया, आज स्थिति यह है कि उसमें भी बैंक खाता डिफाल्टर हो गया और बैंक के करीब पन्द्रह करोड़ रू फंस गये। खबर है कि उसी कारोबारी ने विदेश में कारखाना खोलकर वहां कारोबार शुरू कर दिया है। धनबल के दम पर ये कारोबारी खुद तो अरबपति हो गए किंतु अन्नदाता के खेतो में फसल की चिंता किसी ने नहीं की। आश्चर्य की बात है कि किसानों की सबसे ज्यादा फिक्र करने वाली सरकार और राजनैतिक पार्टियां भी इन नकली बीज मामले में कभी अपना मुंह नहीं खोलती क्योंकि अधिकांश बीज निर्माता कंपनियां राजनैतिक रसूख वाली है।

दूसरी कंपनियों की भी खुल रही पोल

इस बीच खंडवा की एक अन्य कंपनी के खिलाफ भी किसानों ने यह बात खुलकर बोली है कि उन्होंने बीज उस कंपनी से नहीं खरीदे जबकि कंपनी ने अपने सीड प्रोडक्टशन में बुरहानपुर के शाहपुर क्षेत्र के जम्बूपानी ग्राम में कंपनी से कुल 57 किसानों से 4 हजार 155 क्विंटल सोयाबीन खरीदकर सर्टिफाईड करना दर्शाया है।

शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न

ईदुज्जुहा का पर्व शान्ति एवं सौहार्दपूर्वक मनाएं: कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ शहडोल

कलेक्टर तरूण भटनागर की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आगामी 17 जून को ईदुज्जुहा पर्व के संबंध में शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर तरूण भटनागर ने बैठक में उपस्थित समिति के सदस्यों से पूर्व की भांति इस वर्ष भी परम्परा कायम रखते हुए ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) का त्यौहार शांति एवं सौहार्दपूर्ण रूप से मनाने का आग्रह किया। उन्होनें कहा कि प्रशासन का पूरा प्रयास रहेगा कि ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) का त्यौहार शांतीपूर्ण ढंग से मनाया जाए।

कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पूर्व की भांति त्यौहारों के दौरान ईदगाह नमाज अदा किये जाने वाले स्थानों एवं शहर के मार्गो पर साफ सफाई एवं पानी की समुचित व्यवस्था की जाय तथा सड़को पर घूमने वाले आवारा जानवरों को सड़क से हटा दिया जाए। उन्होनें निर्देश दिए कि ईदगाह एवं मस्जिद में टेन्ट व पानी की व्यवस्था की जाये तथा ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) के दिन समुदाय के मुहल्लों में सुबह 5 से 7=30 बजे तक नगर पालिका द्वारा पानी की सप्लाई किया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि ढीली एवं लटकती हुई बिजली के तारों को व्यवस्थित करें और बिजली की तारों से लगे हुए वृक्षो की कटिंग कर ली जाये। ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) पर्व के दिन विद्युत कटौती न की जाए यह सुनिश्चित कर लें, यदि किसी अपरिहार्य कारणों से विद्युत कटौती आवश्यक हो तो उसकी सूचना पूर्व से सर्वसाधारण को दी जाये। नमाज अदा किये जाने वाले स्थलों पर नगरपालिका के सहयोग से पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्री कुमार प्रतीक ने समिति के सदस्यों से कहा कि इस पर्व को पूर्व वर्ष की भांति शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण मनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि इस पर्व के दिन कोई भी भ्रामक एवं अनैतिक गतिविधियां होती हैं, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि समय पर कार्यवाही की जा सके तथा समिति के सदस्यो द्वारा मोहल्ले स्तर में बैठक लेकर जनमानस के बीच में अमन चैन का संदेश पहुंचाकर प्रशासन का सहयोग करें। बैठक में समिति के सदस्यों सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

16 जून को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

शहडोल। कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग ने जानकारी दी है कि गोहपारू अंतर्गत 33/ 11 के.व्ही. चुहिरी एवं गोहपारू उप केंद्र में रखरखाव हेतु 16 जून को प्रातः 6 से प्रातः 10 बजे तक विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। उपरोक्त कार्य के दौरान 11 के.व्ही. चुहिरी एवं गोहपारू उपकेंद्र से संबंधित ग्राम गोहपारू दियापीपर, सेमरा, करूआ, बरेली, मोहतरा असवारी, चुहिरी रसमोहनी, बरूतारा एवं हरीं के आसपास के ग्रामों की विद्युत प्रदाय बाधित रहेगी। आवश्यकता अनुसार समय घटाया एवं बढ़ाया जा सकता है। विद्युत संबंधित समस्त शिकायतों के निराकरण हेतु टोल फ्री नंबर 1912 पर डायल करें।

18 जून से स्कूल चले हम अभियान का प्रथम चरण

सत्ता सुधार ■ हरदा

मध्यप्रदेश शासन के निर्णय अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूलों का शैक्षणिक सत्र 2024-25 आगामी 18 जून से प्रारम्भ किया जा रहा है। जिला परियोजना समन्वयक श्री कुम्भारे ने बताया कि आगामी 18 जून को स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं शाला के पूर्व विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा एवं शालाओं में विद्यार्थियों को विशेष भोज वितरित किया जाएगा। स्कूल चले हम अभियान के तहत शाला त्यागी बच्चों का चिन्हांकन कर उनको शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिये बच्चों का पंजीयन स्कूलों में किया जाएगा। इसके बाद आगामी 19 जून को सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा एवं विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण किया जाएगा। आगामी 20 जून को जिले की सभी शालाओं में जनसमुदाय की सहभागिता में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली व प्रतिष्ठित व्यक्तियों को विद्यार्थियों को शिक्षा के लिये प्रेरित करने के लिये आमंत्रित किया जाएगा।

रहटगांव अजब पंचायत की गजब कहानी समय पर वेतन नहीं

सत्ता सुधार ■ हरदा/ रहटगांव

ग्राम पंचायत रहटगांव द्वारा विगत एक वर्षों से सभी कर्मचारियों का वेतन समय पर नहीं डाला जा रहा है । नवीन गौर ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव से जब भी पूछा जाता है तो सचिव द्वारा यह कहा जाता है कि ग्राम पंचायत के पंच वेतन पत्रक पर समय पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं ।

ग्राम पंचायत के द्वारा समय पर वसूली नहीं की जाती है इसके कारण ग्राम पंचायत समय पर वेतन नहीं डाल रही है। ग्राम पंचायत के वेतन समय पर नहीं डालने से कर्मचारियों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना

पड़ता है। अब बारिश शुरू होने वाली है ऐसे में सभी कर्मचारियों को अपने-अपने घर सुधारने के लिए पन्नी ,बांस ऐसी चीजों की आवश्यकता है।

स्कूल खुलने वाली है बच्चों के लिए ड्रेस पुस्तक काफी ऐसी सामग्री की आवश्यकता है मगर पंचायत ध्यान नहीं दे रही है। रहटगांव पंचायत के कई ऐसे मामले हैं जिसमें पंचायत के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई बार लोगों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन(181) आरटीआई (सूचना के अधिकार के तहत जानकारी) के तहत जानकारी मांगी गई मगर पंचायत ने आज तक नहीं कराई पंचायत के द्वारा कई फर्जी बिल मनरेगा जैसे कई कामों में लापरवाही बरती जा रही है। मगर अधिकारी भी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे कि आम पब्लिक को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सूने इनकी भी

हमें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। जिससे कि हमारे को कई दिक्कतें होती है छोटा व्यक्ति होने के कारण कई दिक्कत होगा सामना करना पड़ता है।

विजय रामटेक, संचालक, कचरा वाहन रहटगांव

पंच ज अभियान के तहत नदी के आसपास की साफ-सफाई

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष,प्रधान न्यायाधीश तृप्ति शर्मा के आदेशानुसार सचिव गोपेश गर्ग के निर्देश पर जिला विधिक सहायता अधिकारी अपर्णा लोधी निर्देशन में जल गंगा सर्वोधन अभियान के तहत गुप्तेश्वर मंदिर नदी पर पेड़ी घाट की साफ सफाई, जिसके तहत ग्राम पंचायत चारूवा एवं युवा उपभोक्ता कल्याण समिति के सदस्यों द्वारा नदी के आसपास साफ सफाई की गई।

कचरा को एक एकत्र कर नष्ट किया गया। समिति के जिलाध्यक्ष संजय गंगराड़े द्वारा

बताया गया यह कार्यक्रम जल संरक्षण को लेकर किया जा रहा है। जल में रहने वाले जल प्राणियों को भी साफ शुद्ध जल मिल सके, पंच ज अभियान के तहत जल जंगल और जमीन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रामीणों के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया, इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच माखन सोलंकी सहायक सचिव राजीव नामदेव, वासु सोनी, अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता कल्याण समिति से पवन बघेला,पेरा लीगल वालंटियर दीपेंद्र देवड़ा, आयुष नेगी, जन अभियान परिषद के सदस्य, एवं पंचायत कर्मचारी उपस्थित रहे।

बजरंग दल द्वारा मारे गए हिन्दू तीर्थयात्रियों के प्रति दी श्रद्धांजलि

सत्ता सुधार ■ हरदा

जम्मू कश्मीर में वैष्णों देवी कटरा से शिव खोडी जाते समय 9 जून को हिन्दू श्रद्धालुओं की बस पर क्रूर पाकिस्तान पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों का कायराना हमला किया। करण चौहान ने बताया कि 10 निर्दोष हिन्दू तीर्थयात्री मारे गए। पुतला दहन किया और संपूर्ण देशवासियों को स्तब्ध करने वाली घटना है इस क्रूरतम दुष्कृत्य से पूरा देश आहत है और तीव्र आक्रोश में है। । गिरजा शंकर शर्मा, दीपक राज सोनी, तेजराम विश्नोई आदि बजरंग दल मारे गए हिन्दू तीर्थयात्रियों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है परंतु इस कायराना कृत्य की तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए निवेदन करता है, इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए निर्णायक और कठोर कदम उठाने का केंद्र सरकार को निर्देश दें इस प्रकार के तत्वों को सरंक्षण देने वाले आ आंतरिक व विदेशी तत्वों का भी कठोरता से समुचित इलाज हो ऐसा केन्द्र सरकार से सुनिश्चित कराने का आग्रह करें।

ब्रीफ न्यूज

एलन मस्क ने हटाए कंपनी से 80 प्रतिशत कर्मचारी

वाशिंगटन। अधिग्रहण के बाद एलन मस्क ने सोशल मीडिया कंपनी को निजी बना लिया, जिससे उनके निर्णय में पारदर्शिता कम हो गई है। इस कारण 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने के कुछ महीनों के भीतर, उन्होंने आधे कर्मचारियों को निकाल दिया था। एलन मस्क ने वर्ष 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीद लिया था। ट्विटर को खरीदने के बाद ही इसका नाम भी बदलकर एक्स कर दिया था। वहीं अब जानकारी मिली है कि ट्विटर यानी एक्स प्लेटफॉर्म के 6000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 80 प्रतिशत आंकड़ा है। जब एलन मस्क ने एक्स का कार्यभार संभाला था, उन्होंने कुछ कटौती करने की घोषणा की थी, जिसे तब से दुनिया की अन्य प्रौद्योगिकी कम्पनियों में भी देखा गया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर अथेर रिज्टा का उत्पादन शुरू

नई दिल्ली। भारत में एथर एनर्जी ने अपना फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर अथेर रिज्टा का उत्पादन प्रारंभ कर दिया है। यह स्कूटर बीते अप्रैल में महीने में लॉन्च किया था। पहले एथर रिज्टा को तमिलनाडु के होसुर स्थित प्लांट से रोलआउट किया गया है, जिसकी तस्वीर भी कंपनी के सीईओ तरुण मेहता ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो बैटरी पैक दिए गए हैं। पहला 2.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो सिंगल चार्ज पर 105 किमी की रेंज और दूसरा 3.7केडब्ल्यूएच बैटरी पैक 125 किमी की रेंज देने का दावा करता है। अथेर रिज्टा में टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल के साथ टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पार्क असिस्ट, ऑटो हिल होल्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट ईको और जिप मोड मिलते हैं।अथेर रिज्टा 0-40 केएमपीएच की स्पीड 3.7 सेकंड में हासिल कर सकता है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी/प्रतिघंटा है।

एफडी की ब्याज दरों में गिरावट के एसबीआई ने दिए संकेत

मुंबई। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा है कि एफडी पर ब्याज दरें अधिक हैं और मध्यम अवधि में इनके नीचे आने की उम्मीद की जा रही है। बैंक ने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से ब्याज दर चक्र को आसान बनाना शुरू कर सकता है। पिछले सप्ताह आरबीआई ने मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच महंगाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार आठवीं बार अपनी प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा था। खारा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अक्टूबर से शुरू होने वाली तीसरी तिमाही में शायद खुदरा महंगाई चार प्रतिशत की ओर बढ़ने की कुछ संभावना होगी और वह सही समय होगा जब हम रिजर्व बैंक से नीतिगत दर में कुछ कटौती की उम्मीद कर सकते हैं। यानी अक्टूबर से एफडी पर ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। रेपो रेट घटाने के बाद बैंक भी ब्याज घटाएंगे। स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा और यूरो क्षेत्र जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कुछ केंद्रीय बैंकों ने वर्ष 2024 के दौरान दरों को कम करने का चक्र शुरू कर दिया है।

-सियाम ने जारी किए वाहनों के आंकडे

मई 2024 में बनाए और बेचे गए वाहनों के आंकड़े जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बीते माह मई 2024 में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्टरर्स यानी सियाम (एसआईएएम) ने भारत में बनाए और बेचे गए वाहनों के आंकड़े जारी किए हैं। जारी के आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने यात्री वाहनों, तिपहिया, दोपहिया और क्वाड्रिसाइकिल का कुल उत्पादन 24,55,637 यूनिट्स था।

मई 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री 3,47,492 यूनिट्स, तिपहिया वाहनों की 55,763 यूनिट्स और दोपहिया वाहनों की 16,20,084 यूनिट्स रही। बता दें कि इन आंकड़ों में बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, जेएलआर, टाटा मोटर्स और वॉल्वो के बिक्री के आंकड़ों को शामिल नहीं किया गया है। वहीं टाटा मोटर्स ने केवल घरेलू बिक्री के आंकड़े दिए हैं। एसआईएएम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, ÷सभी सेगमेंट यानी पैसेंजर व्हीकल्स, कमर्शियल व्हीकल्स, टू-व्हीलर्स और थ्री-व्हीलर्स ने मई 2023 की तुलना में मई 2024 में वृद्धि दर्ज की है। पैसेंजर व्हीकल्स में मामूली वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ÷मई 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री मई में अब तक की सबसे अधिक रही है, हालांकि मई 2023 की तुलना में 3.9प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है। दोपहिया वाहनों ने पिछले साल की तुलना में मई 2024 में 10.1प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, लेकिन यह अभी भी मई महीने के 2017-18 के स्तर से कम है। मई 2024 में तिपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मई 2023 की तुलना में 14.7 प्रतिशत बढ़ी, जो मई की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई, जो वर्ष 2018-19 के पिछले शिखर को पार कर गई। हालांकि, टू व्हीलर्स और थ्री व्हीलर्स ने दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की है। सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीदों और नई सरकार द्वारा आर्थिक विकास पर निरंतर जोर दिए जाने के साथ, ऑटो उद्योग 2024-25 में भी स्थिर वृद्धि के लिए आशावादी है।

तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारतः वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया है कि भारत अगले 3 साल में 6.7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सैक्टर में अच्छी गतिविधि के चलते भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा, हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी हो सकती है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूरे साल 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 प्रतिशत है।

बढ़ती महंगाई पर काबू पाने सरकार की 16 और वस्तुओं के भावों पर नजर!

मूल्य निगरानी वाली वस्तुओं की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार चिंतित दिख रही है। इसी क्रम में केंद्र सरकार उन आवश्यक वस्तुओं की सूची में 16 नई वस्तुओं को शामिल करने की तैयारी कर रही है जिनकी कीमतों पर नजर रखी जाती है। अगर ऐसा हुआ तो मूल्य निगरानी वाली वस्तुओं की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने 2024 के घोषणा पत्र में कहा था कि गरीब परिवारों के लिए अपनी गारंटी के तहत वह गरीब की थाली की सुरक्षा के लिए अपने प्रयासों का विस्तार करेगी। पार्टी ने कहा था कि सरकार अपने 100 दिन के एजेंडे के तहत उन वस्तुओं की सूची का विस्तार करेगी जिनकी कीमतों पर नजर रखी जाती है। फिलहाल इस मुद्दे पर चर्चा चल रही है।

सूत्रों ने बताया कि सब्जियों की कीमतों में सबसे अधिक उतार-चढ़ाव दिखता है। इसलिए मूल्य निगरानी वाली 16 नई संभावित वस्तुओं सब्जियों को शामिल किया जा सकता है। आवश्यक वस्तुओं की खुदरा एवं थोक कीमतों पर नजर रखने से सरकार को उसमें उतार-चढ़ाव को बेहतर ढंग से समझने और आवश्यक उपाय करने में मदद मिलेगी। फिलहाल सरकार 22 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतर-चढ़ाव पर नजर रखती है ताकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर उनके प्रभाव का आकलन किया जा सके। देश भर के 167 केंद्रों से इन 22 वस्तुओं की थोक एवं खुदरा कीमतें रोजाना एकत्र की जाती हैं। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में भीषण गर्मी और सूखे की स्थिति के कारण खाद्य वस्तुओं और खास तौर पर फल-सब्जियों की कीमतों पर दबाव बढ़ने के लिए चिंता जताई थी।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि रबी सीजन में दाल और सब्जियों की आवक पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी को देखते हुए केंद्र सरकार ने हाल के समय में कई उपायों की घोषणा की है। इसी क्रम में अनाज के निर्यात पर पाबंदी लगाई गई और शून्य शुल्क पर दलहन एवं खाद्य तेलों के आयात की अनुमति दी गई है। बहरहाल, जिन 22 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखी जाती है, उनमें चावल, गेहूं, चीनी, गुड़, नमक, दूध, चाय, आलू, प्याज, टमाटर, चना दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, मूंग दाल, मसूर दाल, मूंगफली तेल, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम ऑयल और वनस्पति घी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि सरकार दलहन और प्याज जैसी वस्तुओं के दाम ऊपर-नीचे होने पर चरणबद्ध प्रतिक्रिया के लिए बेहतर नीति लाने की भी तैयारी कर रही है। सूत्रों ने कहा कि प्याज के भंडारण के लिए बुनियादी ढांचे को बेहतर करना भी नए मंत्री की प्रमुख प्राथमिकता होगी ताकि भंडारण में नुकसान को कम करने में मदद मिल सके।

देश का उपभोक्ता बाजार दीर्घकालिक संरचनात्मक अवसर प्रस्तुत करता है: टीसीपीएल

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का उपभोक्ता बाजार दीर्घकालिक संरचनात्मक अवसर प्रस्तुत करता है, जो जनसंख्या, बढ़ते मध्यम वर्ग, तेजी से शहरीकरण, बढ़ती प्रयोज्य आय तथा बढ़ती आकांक्षाओं से प्रेरित है। टीसीपीएल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टाटा समूह की एफएमसीजी शाखा इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। अधिकारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद मजबूती से बढ़ रही है और वर्तमान गति उच्च बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत इसी प्रकार की वृद्धि गति को बनाए रखेगा। विश्व अर्थव्यवस्था के लिए आधारभूत पूर्वानुमान 2024 और 2025 के दौरान दो प्रतिशत से अधिक की वृद्धि जारी रखने का है। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 8.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर के साथ बहुत मजबूती से बढ़ रहा है।

जीवन बीमा की पॉलिसी पर मिलेगी ऋण सुविधा

पालिसी धारक को मिलेगा, पालिसी रद्द करने का अधिकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बीमा नियामक आयोग इरडा ने बीमा धारकों के हितों की रक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इरडा ने जो सर्कुलर जारी किया है। उसके अनुसार अब सभी जीवन बीमा पॉलिसीयों पर बीमाधारक लोन भी ले सकेंगे। जो बीमाधारक बीच में अपनी पॉलिसी कैंसिल करना चाहता है। इसका अधिकार बीमा धारक को दिया गया है।

इरडा ने बीमा क्षेत्र में सुधार के लिए कई घोषणा की है। जीवन बीमा पॉलिसी का धारक अब बिना कारण बताए पाल्सी को खत्म कर सकता है। बीमा धारक को कंपनी अनुपातिक प्रीमियम वापस करेगी। इसके लिए 1 वर्ष तक बीमा पॉलिसी का चलना अनिवार्य है।

पॉलिसी धारक को सस्ती दरों पर लोन लेने की सुविधा होगी। जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के फ्री लुक पीरियड को 15 दिन से बढ़कर 30 दिन किया गया है। यदि पॉलिसी के कोई फीचर पसंद नहीं आते हैं। ऐसी स्थिति में पॉलिसी को वापस किया जा सकता है। उच्च शिक्षा मे बच्चों की पढ़ाई, शादी, मकान खरीदने के लिए भी जीवन बीमा पॉलिसी से राशि आहरण की सुविधा दी जाएगी।

बीमा पॉलिसी के नए नियम 1 अगस्त 2024 से लागू हो जाएंगे। इरडा ने बीमा कंपनियों से कहा है। वह अपने क्षेत्र में सभी अस्पतालों में फिजिकल हेल्प डेस्क तैयार करे। जहां पर स्वास्थ्य बीमा से संबंधित पाल्सी धारक को तत्काल मदद की सुविधा मिले। अब सभी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी 100 फ़ीसदी केशलेस होगी। बीमा कंपनियों को पॉलिसी मैं दी गई जानकारी को आसान भाषा में प्रदर्शित करना होगा। ताकि पॉलिसी धारक आसानी से समझ सके।

पेटीएम शेयर की कीमत में 3 फीसदी तेजी

पेटीएम सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी

एजेंसी ■ मुंबई

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में गुरुवार को तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेटीएम के शेयर की कीमत 415.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा भी की है कि कंपनी सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी। इस साझेदारी से यूजर्स को फ्लाइट, बस, मूवी और इवेंट टिकट बुकिंग करने में लाभ हो सकेगा। इसके बाद गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अब पेटीएम की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और बस बुकिंग, मूवी टिकट खरीद और इवेंट बुकिंग शामिल हैं। सैमसंग वॉलेट से साथ साझेदारी करने के बाद सर्विसेस का उपयोग किया जा सकेगा। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता फ्लाइट, बस और मूवी बुकिंग के लिए पेटीएम ऐप और इवेंट बुकिंग के लिए पेटीएम इनसाइडर ऐप का उपयोग करते हैं, ताकि वे सैमसंग वॉलेट में जोड़ें कार्यक्षमता का उपयोग करके अपने टिकट सीधे सैमसंग वॉलेट में जोड़ सकें। इससे वे हवाई अड्डों, बस टर्मिनलों, सिनेमा हॉल, इवेंट स्थलों आदि में प्रवेश करने के लिए इन तक आसानी से पहुँच सकेंगे। बता दें कि बीमा नियामक इरडा ने सामान्य बीमा उत्पादों के निर्माता के रूप में पेटीएम जनरल इंश्योरेंस के पंजीकरण वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है। पेटीएम ने कहा कि यह कदम स्वास्थ्य, जीवन, मोटर, दुकान और गैजेट्स खंडों में बीमा वितरण को दोगुना करने की हमारी दिशा के अनुरूप है, जिसे हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (पीआईबीपीएल) के माध्यम से सुगम बनाया गया है। हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए छोटे टिकट वाले बीमा उत्पादों पर नवाचार करना है।

ओमेगा सेकी ने ऑर्बिट्सिस के साथ की साझेदारी

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने अपने दैनिक ईवी डीलरशिप परिचालन की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रबंधन कंपनी ऑर्बिटसिस टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। ओएसएम के अनुसार साझेदारी के तहत ऑर्बिट्स टेक्नोलॉजीज अपने पूरी तरह से एकीकृत क्लाउड-आधारित डीलर प्रबंधन प्रणाली (डीएमएस) के साथ सभी इलेक्ट्रिक यात्री तथा वाणिज्यिक वाहन श्रेणियों में ओमेगा सेकी मोबिलिटी के बिक्री से पूर्व व उसके बाद के 'टचपॉइंट्स' का समर्थन करेगी। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देशभर में 200 से अधिक ओएसएम डीलरशिप हैं और हम बड़े पैमाने पर खुदरा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि इन सभी जिलों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका उच्च गुणवत्ता वाली प्रौद्योगिकी-उन्मुख डीलर प्रबंधन प्रणाली है, जो अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने के लिए हमारी क्षमताओं और सेवाओं बढ़ाएगी।

हिंदुजा ग्रुप का अनिल अंबानी की कंपनी को खरीदने में छूट रहा पसीना

एजेंसी ■ मुंबई

कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए हिंदुजा ग्रुप को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। हिंदुजा ग्रुप ने एनसीएलटी में एक आवेदन देकर लेंडर्स को अंतिम भुगतान करने के लिए और समय मांगा है। हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स (आईआईएचएल) ने अक्टूबर 2023 में रिलायंस कैपिटल के लिए 9,850 करोड़ की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। आईआईएचएल को अधिग्रहण को पूरा करने के लिए इंश्योरेंस रेगुलेटर सहित सभी अहम मंजूरियां मिल चुकी हैं। रिलायंस कैपिटल की इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग को पूरा करने और भुगतान करने की समय सीमा 27 मई थी। हिंदुजा ग्रुप ने बताया कि डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड से विदेशी निवेश के लिए मंजूरी मिलने में देरी हुई है, इसकारण इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए और समय चाहिए।

रिलायंस कैपिटल के लेंडर्स का आरोप था कि आईआईएचएल द्वारा आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने में विफलता का खामियाजा कॉरपोरेट देनदार और उसके वित्तीय लेनदारों को नहीं उठाना चाहिए। मंजूरी मिलने में देरी पूरी तरह से आईआईएचएल के कारण है। आईआईएचएल ने अपने आवेदन में दावा किया है कि सभी मंजूरियां प्राप्त करना उसकी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है, क्योंकि अधिकांश मंजूरियों के लिए प्रशासक या कॉर्पोरेट देनदार की परिचालन सहायक या सहयोगी कंपनियों के माध्यम से आवेदन करना आवश्यक है, इसलिए ग्रुप के हाथ में नहीं है। 2,750 करोड़ की इक्विटी निवेश के बारे में आवेदन में कहा गया है कि ग्रुप ने अपने ऑडिटर्स डी एंड जी एसोसिएट्स एलएलपी के जरिए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है। यह इस बात का प्रमाण है कि ग्रुप इक्विटी पूंजी निवेश करने के अपने दायित्व को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

योजना | सेबी से मिली मंजूरी, 7,250 करोड़ रुपए जुटाने की है योजना

ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ लाने वाली देश की पहली कंपनी बनेगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्टअप ओला इलेक्ट्रिक को 7,250 करोड़ रुपए के शुरुआती सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ लाने वाली देश की पहली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी होगी।

सूत्रों ने कहा कि सेबी से मंजूरी मिलने और बाजार में तेजी को देखते हुए कंपनी एक महीने में अपना आईपीओ ला सकती है लेकिन स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इस मुद्दे पर जानकारी के लिए बार-बार कोशिश करने के बावजूद कंपनी से संपर्क नहीं हो सका। इस आईपीओ के तहत 5,500 करोड़ रुपए तक के शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत करीब 1,750 करोड़ रुपए मूल्य के 9.5 करोड़ से ज्यादा शेयर शामिल होंगे। ओला के संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी भवीश अग्रवाल आईपीओ के तहत करीब 4.74 करोड़ शेयर यानी करीब 3.48 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे।

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ अनोखा है। पिछले कई दशकों में यह पहला मौका होगा जब कोई दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी अपने आईपीओ के साथ पूंजी बाजार में दस्तक देगी। अग्रवाल पहली बार किसी कंपनी को सूचीबद्ध कराने जा रहे हैं। कंपनी का 7 से 8 अरब डॉलर के मूल्यांकन का लक्ष्य है। ओला इलेक्ट्रिक ने 2017 में ईवी कारोबार में दस्तक दी थी और वित्त वर्ष 2024 में 35 फीसदी से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी के साथ वह अग्रणी कंपनी बन गई है। वाहन पोर्टल के अनुसार, ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2023 में 21 फीसदी से बढ़ी है।

कंपनी पूंजीगत व्यय मद में 1,226 करोड़ रुपए और ऋण अदायगी मद में 800 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा आरऐंडडी मद में 1,600 करोड़ रुपए और कारोबार के विकास पर 350 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कंपनी का कुल राजस्व वित्त वर्ष 2022 में 456 करोड़ के मुकाबले 510 फीसदी बढ़कर 2,782 करोड़ रुपए हो गया था लेकिन कंपनी का शुद्ध घाटा भी बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में करीब 1,472 करोड़ पर पहुंच गया था।

आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के भ्रामक विज्ञापन के लिए एडु टैप पर जुर्माना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापन देने के लिए एडटेक कंपनी एडु टैप लर्निंग सॉल्यूशंस पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने विज्ञापन में दावा किया था कि उसके 144 छात्रों का चयन 2023 में आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के लिए हुआ है। सीसीपीए ने जारी आदेश में एडु टैप को सभी इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया से विवादित विज्ञापन को तुरंत हटाने या वापस लेने का निर्देश दिया। कंपनी को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उपभोक्ता निगरानी संस्था ने पाया कि एडु टैप के यूट्यूब तथा टेलीग्राम चैनल पर विज्ञापनों में प्रतिष्ठित आरबीआई परीक्षा के लिए चुने गए 144 उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरें दिखाई गई। हालांकि, इन उम्मीदवारों ने मंच से कौन से खास कार्से किए थे यह अहम जानकारी इनमें नहीं दी गई। सीसीपीए के जांच के निष्कर्षों के अनुसार, 144 उम्मीदवारों में से 57 ने केवल एडु टैप द्वारा निःशुल्क प्रदान किए जाने वाले 'इंटरव्यू गाइडेंस कोर्स' में हिस्सा लिया था। यह पाठ्यक्रम उम्मीदवार द्वारा आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के प्रारंभिक और मुख्य चरणों को उत्तीर्ण करने के बाद शुरू होता है।

खून का बदला खून, 50 साल पुरानी रंजिश पर गोली मारकर हत्या

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के सिहोनिया थाना क्षेत्र में 10 एवं 11 जून की रात गोड़ा में सो रहे 76 वर्ष के वृद्ध व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। उक्त घटना को आरोपी ने 50 साल पुराने हत्याकांड का बदला लेने के लिए अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अरविंद ठाकुर ने मीडिया को बताया कि उनि धर्मेन्द्र सिंह गौर थाना प्रभारी सिहौनिया द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय करते हुए सायबर सेल के माध्यम से तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किए गए एवं मृतक के परिजनों एवं अन्य ग्रामीणजनों से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान यह तथ्य संज्ञान में आया कि करीबन 50 वर्ष पहले मृतक रामाधार तोमर के भाई बंधुओ द्वारा गांव के ही विजेन्द्र सिंह तोमर के पिता एवं आरोपी पुष्पेंद्र सिंह तोमर के बाबा जयसिंह तोमर की हत्या की गई थी। मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि घटना दिनांक से विजेन्द्र सिंह तोमर का लड़का घर से फरार है व गांव के आस-पास कट्टा लिये हुए घूम रहा है। उक्त सूचना पुलिस टीम ने सिद्ध बाबा मंदिर पर जाकर दबिश दी तो आरोपी पुष्पेंद्र सिंह पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी द्वारा अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने 50 वर्ष पूर्व हुई अपने बाबा जय सिंह तोमर की हत्या का बदला लेने के उद्देश्य से मृतक रामाधार सिंह तोमर की हत्या की है। विदित हो कि 10 जून की रात 245 से 3:00 बजे के बीच आरोपी ने रामाधार की 12 बोर की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी और तभी से इधर-उधर भाग रहा था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उक्त अपराध में प्रयुक्त 12 बोर का कट्टा जप्त किया जाकर आरोपी को न्यायालय में पेश किया और पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। उल्लेखनीय है कि 10 एवं 11 जून की रात बृजेश तोमर के पिता रामाधार तोमर 76 वर्ष की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने 48 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में महिला बाल विकास विभाग की बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कहा है कि आंगनवाड़ी नियमित खुले, योजनाओं का लाभ महिलाओं को मिले। इसके लिये समस्त सीडीपीओ नियमित मॉनीटरिंग करें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रतिदिन आंगनवाड़ी केन्द्र पर पहुंचकर फोटो खींचकर ऑनलाइन अपलोड करें। यह निर्देश उन्होंने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला बाल विकास प्रदीप राय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा, समस्त बीएमओ और सीडीपीओ उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अस्थाना ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों की पूर्ति के लिये अधिकारी नियमानुसार कार्यवाही करें। कलेक्टर ने जिला सीईओ को निर्देश दिये कि पहाडगढ़ ब्लॉक में जनपद के कर्मचारियों के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को दूरभाष पर सूचित करने के लिये सहयोग प्रदान करें और उन्हें मॉटिवेट करें कि केन्द्र पर पहुंचकर फोटो अपलोड करें, तभी उनकी उपस्थिति मान्य होगी। कलेक्टर ने कहा कि सभी सीडीपीओ एवं बीएमओ यह सुनिश्चित करें कि अपने-अपने कार्यालयों में फायर सेटी और इलेक्ट्रीकल का परीक्षण करा लें, इस समय आग लगने की कई स्थानों पर घटनायें हो रही है। इसी प्रकार जिला चिकित्सालय में भी एसी आदि का परीक्षण करायें। यह कार्य 3 दिवस के अंदर होना चाहिये। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं पर विस्तार से अधिकारियों को निर्देश दिये।

अमानक बीज विक्रय करने पर 19 फर्मों के बीज पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देश पर रबी वर्ष 2023-24 में बीज गुण नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बीज निरीक्षक पदेन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों ने 19 फर्मों से नमूने लिये। जिन्हें विश्लेषण हेतु बीज परीक्षण प्रयोगशाला मुरैना भेजा गया। बीज परीक्षण प्रयोगशाला से प्राप्त परीक्षण रिपोर्ट के परिणाम अनुसार बीज अमानक श्रेणी में पाया गया। इस संबंध में 19 फर्मों को कारण बताओ नोटिस उप संचालक किसान कल्याण विभाग द्वारा जारी किया गया था। नोटिस का जबाव प्रस्तुत न करने पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के बीज अनुज्ञापन अधिकारी एवं उप संचालक ने सभी 19 फर्मों के बीज पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिये गये है। उप संचालक कृषि पीसी पटेल ने बताया कि जिन 19 फर्मों के बीज निलंबित कर दिये है, उनमें मैसर्स जय गुरूदेव बीज भंडार पुरानी सब्जी मंडी जौरा, बाबूदेव बीज भंडार परसोटा रोड़ अगरोता चौराह पहाडगढ़, महाकाल खाद बीज भंडार एमएस रोड़ कैलारस, कैला मां बीज भंडार कैलारस, धाकड़ एग्रो टेक्डर्स कैलारस, लवकुश बीज भंडार कैलारस, महाकाल बीज भंडार कैलारस, श्रीराम खाद एवं बीज भंडार बागचीनी रोड़ सुकुलपुरा जौरा, जय श्री बालाजी कृषि सेवा केन्द्र पुरानी सब्जी मंडी जौरा, आदित्य बीज भंडार सुमावली जौरा, ऋषभ बीज भंडार सिनेमा रोड़ अम्बाह, कृष्णा बीज भंडार एमएस रोड़ जौरा, न्यू बजरंग बीज भंडार लेन रोड़ अम्बाह, जय दुर्गे खाद बीज भंडार एमएस रोड़ सेमई कैलारस, रोहित ट्रेडर्स कैलारस, कान्हा खाद बीज भंडार कैलारस,सांवरिया कृषि सेवा केन्द्र जगगा रोड़ अम्बाह के बीज पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिये है।

कोचिंग सेंटर वाले इलाकों में पुलिसकर्मी बिगाड़ रहे विभाग की छवि

पुलिसकर्मियों ने कोचिंग पर खड़े छात्रों को पीटा, 500 रूपए ली रिश्वत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिटी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जीवाजीगंज इलाके में दो सगे भाइयों को दो पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट कर थाने ले जाकर फिर से मरपीट कर गांजा रखकर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर कोर्ट पहुंचकर 500 रूपए की रश्वत ली। पीड़ित छात्र सत्यम मुद्गल ने मीडिया को दिए गए वीडियो में अपनी कहानी बताई है और घटना 10 जून सुबह की है। सत्यम मुद्गल निवासी मुरैना ने गुरुवार को मीडिया कर्मियों को दिए बयान में कहा है कि 10 जून की सुबह 9:30 बजे वह अपने छोटे भाई सचिन के साथ जीवाजी गंज स्थित अमेरिकन कोचिंग के बाहर खड़ा था, तभी दो पुलिसकर्मी अर्जुन जाट एवं सत्यम सेठिया आए और सचिन की मारपीट करने लगे तथा उसे थाने ले गए। जब सत्यम थाने पहुंचा तो वहां कोई चतुर्वेदी नामक पुलिसकर्मी ने फिर से पिटाई की और झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद एक पुलिसकर्मी द्वारा उनसे कोर्ट में जाकर 500 रूपए की रिश्वत ली गई, जिसका वीडियो भी सत्यम द्वारा बनाया गया है। कोचिंग वाले इलाकों में पुलिस कर्मचारी अर्जुन जाट की यह दूसरी वारदात है। इससे पूर्व सोमवार को अर्जुन जाट नामक पुलिस कर्मचारियों ने पोहे के ठेले पर पानी पी रहे छात्र मनु प्रांजल भारद्वाज को बेवजह डंडे मार दिए, जिसकी शिकायत प्रांजल के पिता महेश भारद्वाज गणेशपुर द्वारा थाना प्रभारी से की गई थी। उक्त मामले में कार्रवाई नहीं होने के चलते पुलिस कर्मचारी बेलगाम होते जा रहे हैं और आए दिन इस प्रकार की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे छात्र भयभीत नजर आ रहे हैं।

- इनका कहना है.....

पीड़ित व्यक्ति को आप मेरे पास भेजिए। जांच पड़ताल कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी, आखिर ऐसा क्यों किया जा रहा है।

डॉ अरविंद ठाकुर, एडिशनल एसपी, मुरैना

बागचीनी क्षेत्र में लाखों रुपए की चोरी, खुलासा करने एसपी से मिले कांग्रेस नेता

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के बागचीनी थाना ग्राम माता का पुरा में हुई 4 बड़ी चोरियों का एक माह से भी अधिक समय में खुलासा न करने पर ग्रामीणों के साथ कांग्रेस के नेता एवं लोकसभा प्रत्याशी रहे सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू गुरुवार को पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान से मिले और चोरी का पर्दाफाश शीघ्र करने की बात कही, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाही का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम माता का पुरा निवासी शंकर सिंह सिकरवार एवं उनके चचेरे भाई अनुराग सिकरवार के घर में घुसकर अज्ञात चोर गैंग दोनों के मकान से लाखों रुपए का जेवर एवं नगदी रकम चोरी कर ले गए। जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी। इसी प्रकार 15 मई की रात्रि इसी गांव में रहने वाले बलवीर सिंह परिहार एवं पड़ोसी चचेरे भाई कुलदीप परिहार के घर के ताले तोड़कर अज्ञात चोर लाखों रुपए का जेवर एवं नगदी रकम चोरी कर ले गए। पटना के बाद दोनो फरियादी थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई गई। क्षेत्र में हुई इन चोरी की घटनाओं के बावजूद पुलिस द्वारा अभी तक कोई सुराग नहीं लगाया गया है। कांग्रेस नेता सत्यपाल सिंह ने पुलिस अधीक्षक से कहा कि चोरी की इन घटनाओं का शीघ्र पर्दाफाश किया जाए और चोरी गया माल बरामद किया जाए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुख्यालय पर रहें: संजीव

चंबल आयुक्त की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ मुरैना

चम्बल संभागायुक्त संजीव कुमार झा ने कहा है कि कुपोषित बच्चा पाया जाता है तो वह हर दिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की निगरानी में रहे और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुख्यालय पर रहें, यह सुनिश्चित करें। यह निर्देश उन्होंने गत दिवस को चम्बल भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की कुपोषण संबंधी बैठक में संभागीय अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त विकास राजेन्द्र सिंह, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग डीके सिद्धार्थ, डीपीओ मुरैना प्रदीप राय, भिण्ड एवं श्योपुर के महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी, संभाग के समस्त सीडीपीओ उपस्थित थे। चम्बल संभागायुक्त संजीव कुमार झा ने कहा कि संभाग के तीनों जिलों से कुपोषण को मिटाना होगा, इसके लिये 27 परियोजनाओं में महिला बाल विकास विभाग से जुड़े सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आंगनवाड़ी प्रतिदिन खुले, बच्चों को सुबह का नाश्ता, भोजन मिलना चाहिये। अगर बच्चा आंगनवाड़ी केन्द्र पर नहीं आता है तो उसके घर तक नाश्ता, भोजन जरूर पहुंचाये। आयुक्त चम्बल संभाग श्री झा ने कहा कि मेरे द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण में कमियां नहीं मिलना चाहिये। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग जिम्मेदार रहेगा।

बाढ़ के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिये सूचना तंत्र मजबूत बनाये: आयुक्त चम्बल

सत्ता सुधार ■ मुरैना

चम्बल संभाग के अंतर्गत चम्बल, क्वारी, आसन, पार्वती और सोन नदी में बाढ़ आने पर जिला प्रशासन को तत्काल सूचना प्राप्त हो। इस प्रकार का सूचना तंत्र मजबूत बनाये। यह निर्देश चम्बल संभागायुक्त संजीव कुमार झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गुरूवार को अधिकारियों को दिये। बैठक में गूगल मीट से आईजी चंबल रेन्ज सुशांत सक्सेना, मुख्य अभियंता यमुना कछार के सीई एसके वर्मा, कार्यपालन यंत्री गिरीश कुमार साहू, जल संसाधन विभाग मुरैना के कार्यपालन यंत्री पीएस जाटव, होमगार्ड सहित संयुक्त आयुक्त विकास राजेन्द्र सिंह उपस्थित थे। चम्बल आयुक्त संजीव कुमार झा ने कहा कि चम्बल संभाग के अंतर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं के डाउन स्ट्रीम क्षेत्र में जल निकासी सूचना एवं चेतावनी प्रणाली तंत्र स्थापित करने के लिये कंट्रोल रूम के अलावा वाट्सएप और अन्य स्त्रोत अपनाये, ताकि कोटा बैराज से छोड़े जाने वाले पानी की तत्काल जानकारी जिला प्रशासन को हो। इसके लिये सूचना तंत्र मजबूत होना चाहिये। उन्होंने कहा कि चम्बल संभाग के अंतर्गत आने वाली प्रमुख नदियां एवं उन पर निर्मित परियोजना, चंबल संभाग के अंतर्गत अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति में विभिन्न परियोजनाओं से प्रभावित होने वाले संभावित ग्रामों की चिन्हित सूची होना चाहिये। अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये पूर्व तैयारी एवं अन्य प्लानिंग कर ली जायें, तहसील एवं जिला स्तर पर कंट्रोल रूम गठित कर दिये जायें।

उन्होंने कहा कि पिछले अनुभवों को देखते हुये अधिकारी प्री-प्लानिंग बनाये और सचिव, सरपंचों के दूरभाष नंबर भी रखे एवं रिहर्सल जरूर करें, सभी अपनी-अपनी तैयारियां जरूरी कर लें। मौसम विभाग की एडवाइजरी को भी जरूर संज्ञान में रखें। मुख्य अभियंता यमुना कछार के सीई एसके वर्मा ने कोटा बैराज, पगारा बांध, कोतवाल बांध, पिलुआ बांध, आपदा बांध के बारे में विस्तार से बताया।

हेपेटाइटिस के लक्षण होने पर जिला चिकित्सालय मुरैना में निःशुल्क जांच व उपचार की सुविधा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर ने बताया है कि हेपेटाइटिस लीवर से जुड़ी बीमारी जो वायरल इंफेक्शन के कारण होती है। इस बीमारी से लीवर में सूजन आ जाती है। हेपेटाइटिस भी 5 प्रकार के वायरस होते है। हेपेटाइटिस ए.बी.सी.डी. और ई इन पाँचों वायरस को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि इनके कारण हेपेटाइटिस महामारी जैसी बनती जा रही है। हर साल इसकी वजह से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। हेपेटाइटिस का टाइप बी और सी लाखों लोगों में क्रोनिक बीमारी का कारण बन रहे है, क्योंकि इनके कारण लीवर सिरोसिस और केंसर होते है। हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता पैदा करने और जन्म के बाद बच्चे को वैक्सीन देकर उसे हेपेटाइटिस से बचाया जा सकता है। सिविल सर्जन ने बताया कि हेपेटाइटिस बी इंफैक्टेड ब्लड के ट्रांसयूजन और असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने के कारण होता है। हेपेटाइटिस सीएच. सी. व्ही के कारण होता है, जैसे प्रदूषित खाना, प्रदूषित पानी के कारण भी होता है। बहुत अधिक थकान, जी मिचलाना, पेट में दर्द, सूजन, खुजली, भूख न लगना, अचानक से वजन कम होना आदि लक्षण होने पर हेपेटाइटिस बी, सी की रोकथाम के संक्रमण को रोकने के लिये सभी शासकीय संस्थाओं पर डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। सिविल सर्जन ने आमजन से अपील की है कि इस प्रकार के लक्षण होने पर जिला चिकित्सालय मुरैना में निःशुल्क जांच व उपचार ले सकते है। जिससे हेपेटाइटिस से बचा जा सके।

आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर अवार्ड समारोह 23 जून को दिल्ली में होगा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर अवार्ड समारोह 23 जून को दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है। सन्मति फाउंडेशन के संस्थापक महेंद्र जैन मधुवन दिल्ली द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज के प्रतिभावान एवम होनहार बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु सन्मति फाउंडेशन का अवार्ड ऑफएक्सीलेंस कार्यक्रम रविवार 23 जून को आर्चिड ग्रैंड कड़कड़डूमा मेट्रो स्टेशन दिल्ली में समारोह पूर्वक आयोजित होने जा रहा है। उक्त आयोजन में अखिल भारत वर्षीय जैसवाल जैन उपरोचियां समाज के कक्षा 10 एवं कक्षा 12 के टॉपर 3-3 छात्र-छात्राओं को आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष आयोजित अवार्ड समारोह में 6 टॉपर बच्चों को नगद धनराशि के साथ साथ प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह आदि प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। इसके साथ ही दिल्ली एनसीआर के कुछ बच्चों को भी उत्कृष्टता के आधार पर अवार्ड प्रदान किए जायेगें।

सत्ता न्यूज जिला स्वास्थ्य समिति एवं पल्स पोलियो अभियान जिला टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलायें: कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला स्वास्थ्य समिति एवं पल्स पोलियो अभियान जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में गुरूवार को संपन्न हुई। बैठक में पल्स पोलियो अभियान 23 जून के सफल आयोजन के लिये डब्लू.एच.ओ. ग्वालियर यूनिट से आये डॉ. राजावत ने प्रजेंटेशन देकर जिले की स्थिति के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के प्रथम दिवस 23 जून 2024 को पोलियो बूथ पर 0-5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलायी जायेगी। 24, 25 जून को छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्री अस्थाना ने निर्देश दिये कि 23 जून को बूथ कवरेज 90 प्रतिशत किया जाये। 24 और 25 जून को घर-घर जाकर 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलायें। एक भी बच्चा छूटा तो सुरक्षा चक्र टूटा। उन्होंने कहा कि 25 जून से 27 अगस्त 2024 तक ''दस्तक अभियान'' चलाया जायेगा, जिसमें शिशु एवं बाल मृत्यु प्रकरण में कमी लाना एवं बाल्याकालीन बीमारियों जैसे निमोनिया, 5 वर्ष तक के बच्चों में कुपोषण की पहचान खून की कमी, दस्त रोग की पहचान प्रबंधन एवं रैफरल सेवाएं दी जायेगी। दस्तक अभियान के दौरान टीम द्वारा घर-घर जाकर दस्तक दी जायेगी। जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में सभी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। जिसमें शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, वेक्टर जनित रोग मलेरिया, कुष्ठ उन्मूलन पोषण पुर्नवास केन्द्र, एन.सी.डी. कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम लक्ष्य अनुसार पूर्ति न होने पर नाराजगी व्यक्त की। सी.बी.एम.ओ. को निर्देश दिये कि शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा किया जाये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सहित जिले के मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे।

लेफ्टिनेंट बनने पर अजय प्रताप का हुआ भव्य स्वागत

मुरैना। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सैनिक कल्याण संघ एवं क्षत्रिय महासभा ने लेफ्टिनेंट बनने पर अजय प्रताप सिंह जादौन का गुरुवार की दोपहर रेस्ट हाउस मुरैना पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर अजय ने कहा कि सभी बुजुर्गो के द्वारा किए गए सम्मान को हमेशा याद रखूंगा। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला सचिव रामावतार सिंह सिकरवार, जिला अध्यक्ष पवन सिंह परिहार के द्वारा माल्यार्पण कर श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय संयोजक श्यामवीर सिंह राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष रामबरन सिंह सिकरवार, मध्य प्रदेश तृतीय कर्मचारी संघ अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर, दिग्विजय सिंह जादौन द्वारा भी माला पहनाकर सम्मान एवं स्वागत किया गया।

ब्रीफ न्यूज

पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल बुधनी उप चुनाव को लेकर प्रभारी नियुक्त

सीहोर। आगामी दिनों में विधानसभा क्षेत्र बुधनी का उप चुनाव होना है। उप चुनाव की बूथ स्तर की तैयारियों के संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख प्रवक्ता और इछावर क्षेत्र के पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल को उप चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया गया गया।

इस संबंध में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी और उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक श्री शैलेन्द्र पटेल उनके साथ ही मे राघोगढ़ के विधायक जयवर्धन सिंह भी बनाया गया उनको पत्र जारी कर आग्रह किया है कि विधानसभा क्षेत्र बुधनी जिला सीहोर का दौरा कार्यक्रम आयोजित कर वरिष्ठ कांग्रेसजनों, जिले के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर सामंजस्थ स्थापित करते हुए सर्व सम्मति से विजय की संभावना वाले प्रत्याशी के नाम का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री पटवारी को प्रेषित करे। गौरतलब है कि बुधनी से वर्तमान विधायक पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के विदिशा लोकसभा चुनाव से विजय होने से आगामी दिनों में क्षेत्र में उप चुनाव होना तय है। इसको लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री पटवारी ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है और उप चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्र में सक्रिय रहने वाले पूर्व विधायक श्री पटेल को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

छात्रावास/आश्रमों में प्रवेश प्रकिया प्रारंभ

खण्डवा । जिले में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित सीनियर, जूनियर, महाविद्यालयीन, अनुसूचित जाति, जनजातीय छात्रावास, आश्रमों में छात्र-छात्राओं हेतु वर्ष 2024-25 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। प्रवेश हेतु एमपी टॉस पोर्टल पर प्रोफाईल पंजीयन, जाति प्रमाण पत्र, आय ,मूल निवासी, वर्तमान उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची, समग्र आई.डी, राशन कार्ड एवं नवीनतम दो फोटो की आवश्यकता होगी। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग ने बताया कि विद्यार्थी इच्छुक छात्रावास/आश्रम में प्रवेश हेतु संस्था के अधीक्षक/अधीक्षिका के पास 20 जून, 2024 तक आवेदन प्राप्त कर जमा कर सकते है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया गया

खण्डवा। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा वर्ष 2002 से प्रतिवर्ष पूरे विश्व में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चो से कार्य में नियोजन पूर्णत प्रतिबंधित है, तथा बाल श्रमिकों के नियोजन पर 20 हजार से 50 हजार रूपये तक का जुर्माना या 6 माह से 2 वर्ष तक का कारावास अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

त्योहारों पर बनाए रखे- शांति एवं कानून व्यवस्था : सीएम यादव

असामाजिक तत्वों पर अधिकारी तत्काल प्रभाव से ले संज्ञान, वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा अधिकारियों को निर्देश

सत्ता सुधार ■ शहडोल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले माह में विभिन्न पर्व-त्यौहार के संबंध में मजबूत कानून व्यवस्था की स्थिति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा जिलों के कलेक्टर्स और वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी त्यौहार सद्भाव के वातावरण में मनाए जाएं। शांति व्यवस्था को आंच पहुंचाने वाले तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही हो। ऐसे तत्वों पर अंकुश बना रहे। साथ ही गौवंश का सम्मान सुनिश्चित हो, कालाबाजारी और मिलावट करने वाले तत्वों के विरूद्ध अभियान जारी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विद्युत सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। बाढ़ और आपदा की स्थितियों में प्रशासन नागरिकों के सहयोग के लिए तत्पर रहे। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज हो रही शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल से पहले नर्सरियों में पौधे तैयार करने, सीड बॉल्स तैयार करने और अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए स्थानीय जलवायु और मिट्टी के अनुकूल पौधों की प्रजातियों का चयन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा खरीफ की बोवनी के समय खाद, बीज और उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने जानकारी दी कि उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश में निरंतर रैक आ रहे हैं। किसानों को किसी तरह की समस्या उत्पन्न नहीं होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल चले हम अभियान, कॉलेज चले हम अभियान और आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास और संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव आदि उपस्थित थे।

रोजगार मेला का किया गया आयोजन, 281 युवाओं को मिला रोजगार

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेला का शुभारंभ विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि शहडोल जिले में रोजगार मेले का आयोजन करने से बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा रोजगार पाकर आत्मनिर्भर हो रहे है। उन्होंने कहा कि जिले के ज्यादा से ज्यादा बेरोजगार युवाओ को रोजगार उपलब्ध कराने का काम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। रोजगार मेला के शुभारंभ अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। जिला स्तरीय रोजगार मेला में आज कुल 324 शिक्षित बेरोजगार आवेदकों द्वारा रोजगार हेतु पंजीयन कराया गया जिसमें विभिन्न कम्पनियों द्वारा कुल 281 आवेदकों का चयन किया गया है। जिला स्तरीय रोजगार मेला में न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड धार, प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड पीथमपुर, श्री साई बाबा सिक्योरिटी सर्विस शहडोल, एसआईएस सिक्योरिटी अनूपपुर, कृषि अभियांत्रिकी कौशल विकास केंद्र सतना, केएनआर एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन राजस्थान, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर, नर्मदा अंचल बायोटेक फार्मिंग ग्रुप अनूपपुर, एलएनटी कंस्ट्रक्शन कंपनी छिंदवाड़ा, वर्धमान यार्म मंडीदीप, सुख किसान बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर, श्री राम लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड शहडोल, भारतीय जीवन बीमा निगम शहडोल संस्थाएं शामिल हुई।

जल गंगा संवर्धन अभियान

कलेक्टर ने नौगांव क्षेत्र के विभिन्न जल स्त्रोतों और फ्रूट फॉरेस्ट का किया औचक निरीक्षण

चंदेल कालीन जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

छतरपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले भर में प्राथमिकता से जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले में बावड़ियों, कुंओ और अन्य जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने जीर्णोद्धार एवं स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने नौगांव जनपद के विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण कर जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। इस दौरान तहसीलदार, जनपद सीईओ और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जी.आर. द्वारा नौगांव सहित ग्राम सहानियां, मऊसहानियां एवं गरोंली में निरीक्षण किया गया। उन्होंने जगत सागर तालाब का निरीक्षण करते हुए तालाब कि मिट्टी निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इस मिट्टी को किसान अपने खेतों में डाले। साथ ही तालाब के चारों ओर मुनारे लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मऊसहानिया के फरूट फॉरेस्ट एवं अटल भू-जल अंतर्गत निर्मित तालाब के निरीक्षण में पिचिंग सुधारने के निर्देश देते हुए कहा अन्य रिक्त शासकीय भूमि पर फलदार पौधे लगाएं। उन्होंने यहां स्थित सूर्य मंदिर का निरीक्षण करते हुए पूरे परिसर में बेहतर साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नौगांव में चंदेल कालीन बावड़ी का निरीक्षण कर नगरपालिका सीएमओ को जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम गरोंली स्थित गौशाला का निरीक्षण किया एवं फरूट फॉरेस्ट के लिए चिन्हित शासकीय भूमि पर जनपद सीईओ को पौधरोपण कराने के निर्देश दिए।

मलेरिया रथ के माध्यम से वाहक जनित बीमारियों के बारे में किया जागरूक

खण्डवा । राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत जून माह को मलेरिया निरोधक माह के रुप में मनाया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया का मच्छर ठहरे हुए साफ पानी में पैदा होता है। जब कोई मादा एनाफीलिज मच्छर स्वस्थ व्यक्ति को काटती है, तो उसे कुछ दिनों पश्चात बुखार आता है। इस हेतु घरों के आसपास, घरों की छत, गैलरी आदि स्थानों पर मच्छर न पनपने दें। मच्छरों के काटने से बचाव हेतु मच्छरदानी का उपयोग, नीम की पत्ती का धुँआ करें,बुखार आने पर तुरंत खून की जाँच करवाये, मलेरिया की पुष्टि होने पर मलेरिया का पूर्ण उपचार लें। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया के अतिरिक्त अन्य वाहक जनित बीमारियाँ डेंगू, चिकुनगुनिया का वाहक मच्छर, घर एवं घर के आसपास रखे ड्रम, कूलर, गमले छत पर रखे कबाड, खुली टंकिया, टायर, फ्रीज की ट्रे आदि में पनपता है। मच्छरों को पनपने से रोकने के लिये आमजन एवं सभी सरकारी कार्यालयों में रखे कूलर छत पर रखे कबाड़, ड्रम आदि का सप्ताह में एक बार अवश्य खाली एवं साफ करें ।

नगरपालिका शहडोल द्वारा हटाया गया होर्डिंग फ्रेम

शहडोल। कलेक्टर श्री तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में नगरपालिका शहडोल के मैदानी अधिकारियों द्वारा अवैध एवं नियम विरुद्ध लगाई गई होर्डिंग पर कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में पूर्व में संबंधितों को नोटिस जारी कर स्वयं होर्डिंग हटाने हेतु आदेशित किया गया था किंतु नियम विरुद्ध होर्डिंग्स संचालकों के द्वारा नहीं हटाए जाने की स्थिति में नगर पालिका के द्वारा स्वयं होर्डिंग हटाए जाने की कार्यवाही प्रारंभ जेल बिल्डिंग के पास 10 होर्डिंग का फ्रेम हटाया गया।

लाल चौकी फिल्टर प्लांट पर हुआ वृक्षारोपण

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गुरुवार को महापौर अमृता अमर यादव ने पूजन कर वृक्षारोपण किया। एवं उपस्थित सभी नागरिकों से जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण करने का आग्रह किया। जल, जंगल और जमीन तीनो प्रकृति की इंसानों को देन है , एवं प्रत्यक्ष रूप से मनुष्यों की मूलभूत सुविधाओं एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अति आवश्यक है। कार्यक्रम में महापौर के अतिरिक्त अनिल विश्वकर्मा अध्यक्ष नगर पालिका निगम, राजेश यादव प्रभारी जल एवं सीवरेज, सोमनाथ काले यातायात एवं प्रबंधन प्रभारी, अनिल वर्मा प्रभारी वित्त एवं लेखा, वरुण बावरे प्रभारी गरीबी एवं प्रकोष्ठ,पार्षद सीमा महेंद्र यादव, महेंद्र यादव पार्षद काजल यादव , मनोज मंडलोई, फरीद खान, शब्बीर कादरी भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष, सेवा दास पटेल महामंत्री , राजेश यादव, संजय शुक्ला , संतोष पांडे , अनुज मिश्रा , इंदर मंडलोई , मनोज वैष्णव , अंकुश पटेल एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

खेल में भृष्टाचार, लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी हालात कंडम, प्रशासन मौन

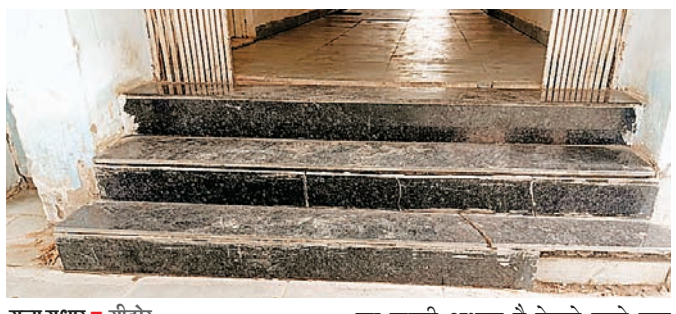

सत्ता सुधार ■ सीहोर

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में खेल विभाग में चल रहे बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है. यहां जिला खेल अधिकारी महिनो से अपने कार्यालय ही नही आती है साथ ही लाखो रूपये खर्च करने के बाद भी सीहोर जिले के एक मात्र इनडोर स्टेडियम की हालत बद से बत्तर बनी हुई है जहां पूरे सीहोर जिले के खिलाड़ी यहां पर खेलने के लिये आते है वही सुविधा का काफी अभाव है देखने वाले मूक दर्शक बने बैठे है, लापरवाही का आलम यह है कि पिछले वर्ष खेल विभाग को इनडोर स्टेडियम की मरम्मत के लिये 50 लाख रूपये की राशि स्वीकृत भी कि गई थी, मरमम्त भी कि गई लेकिन सिर्फ दिखाने के लिये जहां बरसात में पूरे स्टेडियम में पानी चूने लगता है वही चादर सड़ रही है, वेटमिन्टन खेलने के लिये जो मेटिंग बिछाई गई है वो भी पुरानी ही बिछी हुई है जबकि ठेकेदार द्वारा नई मेटिंग के रूपये लिये गये है, साथ ही हम बात करे प्रधानमंत्री मोदी जी के स्वच्छता के सपने की तो वह यहां पर दम तोडता नजर आ रहा है शौचालय में गंदगी का अंभार है टाईल्स पूरी टूटी हुई है नल में पानी नहीं आता है गंदगी चारो और फैली हुई है ऐसे में यहां आने वाले खिलाड़ी कैसे अभ्यास करेंगे ये एक बड़ा सवाल है जब हमने आज खेल विभाग का निरीक्षण किया तो सारी स्थिति सामने आई हमने इस बारे में जिला खेल अधिकारी रूबिना दीवान से बात करनी चाही तो पता चला कि मेडम तो यहां दो महिनो से आई ही नही है जब हमने उनसे फोन बर बात करना चाही तो मेडम ने हमारा फोन भी नही उठाया, ये सब जिला खेल अधिकारी की लापरवाही को उजागर करता है, अब देखना ये होगा कि प्रशासन क्या कार्यवाही करता है।

जनभागीदारी से तालाब का गहरीकरण कर जल संरक्षण का दिया संदेश

छतरपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिलेभर में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए राज्य शासन के निर्देशानुसार 16 जून तक कार्य जारी रहेगा। कलेक्टर संदीप जी.आर. द्वारा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को बकस्वाहा के वार्ड क्रं. 01 में स्थित महेन्द्र सागर तालाब का गहरीकरण जन सहयोग के माध्यम से किया गया। उक्त अभियान में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी सहभागिता की।

विरोध

तीर्थ यात्रियों पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की गई

कलेक्ट्रेट के सामने बजरंग दल ने जलाया पाकिस्तान का पुतला

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्ट्रेट के सामने विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान का पुतला जलाया। बजरंगियों के द्वारा वैष्णोदेवी तीर्थ यात्रियों पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की गई।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिलाध्यक्ष जगदीश कुशवाहा के नेतृत्व में विभिन्न पदाधिकरियों और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर आनंद रजावत को दिया। निर्दोष हिन्दू तीर्थयात्रियों की हत्या करने वाले पाकिस्तान पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों को शीघ्र जहान्नूम पहुंचाने और इस प्रकार के तत्वों को सरंक्षण देने वाले आंतरिक व विदेशी

तत्वों का भी समुचित इलाज कराने की मांग बजरंगियों के द्वारा केंद्र सरकार से की गई। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने कहा कि जम्मू कश्मीर में वैष्णों देवी कटरा से शिव खोड़ी जाते समय 9 जून को हिन्दू श्रद्धालुयों की बस पर पाकिस्तान पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों ने कायराना हमला किया था जिसमें 10 निर्दोष हिन्दू तीर्थयात्री मारे गए, जिनमे महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल हैं, संपूर्ण देशवासियों को स्तब्ध करने वाली इस घटना से पूरा देश आहत है और तीव्र आक्रोश में है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिलाध्यक्ष जगदीश कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू काश्मीर लंबे समय से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का दंश झेल रहा है। धारा 370 हटने के बाद एक आशा की ज्योति जगी है. लेकिन लगता है उग्रवादियों का मनोबल अभी भी कम नहीं हुआ है हिंदुओं को चिन्हित करके उनकी केकी घटनाएं बढ़ी गई हैं। इन सब के पीछे स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हाथ है। देश की नई सरकार के शपथ के समय इस प्रकार का दुस्साहसिक कृत्य करके इस्लामी आतंकवादियों ने देश के संप्रभुता को चुनौती दी है। बजरंग दल हिन्दू मृतक तीर्थयात्रियों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है साथ ही इस कायराना कृत्य की तीव्र आक्रोश व्यक्त करता है। प्रदर्शन में प्रांत उपाध्यक्ष अजीत शुक्ला,जिला उपाध्यक्ष मोहित पाठक, जिला मंत्री राकेश विश्वकर्मा, जिला सह मंत्री मंगलेश वर्मा, जिला सहसंयोजक आशीष सिसोदिया,जिला कौशल अध्यक्ष महेश मेवाड़ा, जिला सेवा प्रमुख गगन नामदेव, अखाड़ा प्रमुख अन्नू चौहान, नगर अध्यक्ष परमवीर जाट, नगर मंत्री यज्ञेश राठौर, नगर अखाड़ा प्रमुख मुकुल कुशवाहा, नगर उपाध्यक्ष आशीष कुशवाहा, सह मंत्री गिरीश पाठक, मठ मंदिर प्रमुख शुभम कुशवाह, सह संयोजक समीर राय आदि शामिल रहे।

पल्स पोलियो अभियान के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

खण्डवा । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत के मार्गदर्शन में गुरूवार को सिविल सर्जन मीटिंग हॉल में पल्स पोलिया अभियान 2024 के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डब्ल्यु.एच.ओ. के सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. राहुल कांबले व जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अनिल तंतवार ने आगामी 23 जून को पल्स पोलियो अभियान के सुचारु संचालन व सफलता हेतु सुक्ष्म कार्ययोजना बनाकर ईट भट्टे, निर्माण स्थल, वनग्राम एवं पहुंच विहिन ग्रामों को सम्मिलित किया जायेगा। इसके अलावा 23 जून को बूथ पर पोलियों की दवाई पिलाई जायेगी और 24 एवं 25 जून को घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाई जायेगी। डॉ. तंतवार ने अभियान संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि ब्लॉक व सेक्टर स्तर पर ए.एन.एम., आंगनवाड़ी व आशा कार्यकर्ता को प्रशिक्षण दिया जाये, जिसमें प्रपत्रों में किस प्रकार भरा जाना, पोलियों बूथ पर मार्किंग की जाना, बच्चों को खुराक देना, सुपरवाइजर द्वारा अभियान की मॉनिटरिंग करना आदि विषयों पर जानकारी दी गई। इस दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.डी. बकोरिया, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. योगेश शर्मा, सी.बी.एम.ओ, बी.एम.ओ., बी.ई.ई., बी.पी.एम., बी.सी.एम. व अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज

मुनि संघ कि भव्य अगवानी हुई

सागर। संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि श्री 108 वीरसागर जी महाराज की ससंघ भव्य अगवानी सागर नगर मे 13 जून गुरुवार को प्रात: 6.30 बजे दीनदयाल चौक बस स्टैंड से एलिवेटेड कॉरिडोर ,चकराघाट, कोतवाली, तीनबत्ती से श्री पारसनाथ जैन मंदिर कटरा नमकमंडी में हुई। आगवानी में हाथी, घोडे, बग्गी, दिव्य घोष, महिला मंडल साथ चल रहे थे। जगह जगह पाद प्रच्छालन हुआ और आरती उतारी गई पूरे मार्ग पर रंगोली बनाई गई थी। मुनिश्री के मुखारविंद से शांतिधारा राहुल जैन सलैया, गजेंद्र जैन रामपुरा ने की। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि 14 जून को नमक मंडी में सुबह 5:30 बजे से मेडिटेशन, 7.30 से अभिषेक, शांतिधारा, पाद प्रच्छालन, शास्त्र भेंट, 8 बजे से प्रवचन, 9:30 बजे से आहारचर्या संपन्न होगी। अपराह्न 4.30 बजे मुनि संघ का विहार नमकमंडी से बाहुबली कालोनी भगवानगंज होकर भाग्योदय तीर्थ की ओर होगा भाग्योदय में दो दिवसीय प्रवास 15-16 जून को होगा।

बच्चों को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला भाग्योदय मे 15 से

सागर। आचार्य श्री विद्या सागर महाराज के शिष्य 108 निर्यापक श्रमण श्री वीरसागर महाराज के आशीर्वाद से भाग्योदय तीर्थ सागर में सभी बच्चों के लिए 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 15 और 16 जून को सुबह 7.30 से 9 बजे तक किया गया है। बच्चे शिविर में सीखेंगे जैन धर्म का ज्ञान खेल खेल में अपना गेम खुद डिज़ाइन करेंगे, समस्या-समाधान कौशल विकसित करें, आत्मविश्वास बढ़ाएँ एक गेम बनाकर उपलब्धि की भावना प्राप्त करें मोबाइल से दूर रखने के लिए सर्वोत्तम उपाय जैसे कई विषय शामिल रहेंगे इसके लिए सभी प्रकार की सामग्री भाग्योदय परिसर मे उपलब्ध की जाएगी।बच्चे अपने साथ बनाया हुआ गेम और सामग्री साथ में घर ले जायेंगे।

रक्तदान शिविर आज

सागर। भाग्योदय तीर्थ अस्पताल सागर के कैंपस में स्थित फार्मेसी कॉलेज में विश्व रक्त दाता दिवस के अवसर पर 14 जून को सुबह 9:30 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। अस्पताल के एमडी सुगम कोठारी और प्रशासक एके जैन ने बताया जिन लोगों को ब्लड डोनेट करना है वह समय पर पहुंचकर रक्तदान करें और रक्तदान मरीजों के उपयोग में लाया जाता है।

पूर्व वित्तमंत्री जयंत मलैया ने की महापौर से सौजन्य भेंट

सागर। मध्यप्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री और वरिष्ठ विधायक जयंत मलैया ने नगर निगम सागर की महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी और बीजेपी नेता डा सुशील तिवारी के निवास पर पहुंचे। महापौर परिवार ने उनका आत्मीय स्वागत किया। पूर्व वित्तमंत्री श्री मलैया से महापौर ने सागर में चल रहे विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। श्री मलैया ने सागर में नगर निगम के कामकाज की सराहना की। इस मौके पर महापौर के बेटे सूर्यांश तिवारी ने जयंत मलैया से आशीर्वाद लिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2024

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों /कर्मचारियों और नागरिकों ने श्रमदान कर दुबे तालाब की सफाई की

सत्ता सुधार ■ सागर

शासन आदेश अनुसार 5 जून से 16 जून तक प्रारंभ किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गुरुवार को विधायक शैलेंद्र जैन ,महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी , नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ,महापौर प्रतिनिधि सुशील तिवारी की अगुवाई में नगर निगम के पार्षदों अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकों द्वारा प्रातः 8 बजे सूबेदार वार्ड स्थित गुलाब बाबा मंदिर के सामने सागर के प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व के जल स्रोत दुबे तालाब की श्रमदान के माध्यम से सफाई का अभियान प्रारंभ किया गया तथा सामूहिक रूप से श्रमदान के दौरान तालाब से कचरा -मलवा और जलकुंभी निकाली गई। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि 5 जून से 16 जून तक मान मुख्यमंत्री द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पूरे प्रदेश के साथ सागर में भी प्राचीन जल स्रोतों और जल संरचनाओं के संवर्धन और पुनर्जीवित करने के लिए नगर निगम द्वारा नगर में लगातार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि यह तालाब सागर की प्राचीन जल संरचनाओं में से एक है और इसमें पुरातत्व महत्व के अवशेष आज भी इसकी प्राचीनता की कहानी बताते हैं, इसलिए इस तालाब की सफाई कर इसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा साथ ही इस तालाब में बने प्राचीन अवशेष का जीर्णोद्धार किया जाएगा, उन्होंने आसपास के नागरिकों और पार्षदों से अपील की कि वह हफ्ते में एक बार इस तालाब की सफाई हेतु श्रमदान अवश्य करें क्योंकि यह प्राचीन धरोहर हम सब की है। उन्होंने कहा कि प्राचीन जल स्रोतों का निर्माण हमारे पूर्वजों ने आने वाली पीढ़ी के लिए पेयजल की आसानी से उपलब्धता के लिए कराया था, लेकिन आधुनिकता और अन्य नये साधनों की वजह से हमने इनका महत्व न समझते हुए इन्हें अनुपयोगी बना दिया, इसलिए अब समय आ गया है कि हम सभी उन्हें पुनर्जीवित एवं स्वच्छ कर उनके जल को उपयोगी बनाने के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

महापौर प्रतिनिधि सुशील तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा जल के संरक्षण हेतु पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचीन जल स्रोतों को सुरक्षित और संरक्षित करने का जो अभियान प्रारंभ किया है वह सराहनीय है ,उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम प्राचीन जलस्रोतों जैसे नदी ,तालाब, बावड़ियों और कुओं के जल को सुरक्षित और सफाई कर उनके जल को उपयोगी बनाना हमारी आपकी जिम्मेदारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान को प्रारंभ करने के लिए उन्होने मुख्यमंत्री और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि सागर की प्राचीन जल संरचना दुबे तालाब की सफाई के लिए श्रमदान अभियान प्रारंभ किया गया है ताकि इस प्राचीन जल संरचना को पुनर्जीवित किया जा सके।

निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे प्राचीन जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें, क्योंकि यह जल स्रोत हमारी प्राचीन संस्कृति की पहचान है इसलिए उनको साफ- सुथरा बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि कर्तव्य भी है। इस अवसर पर पार्षद धर्मेंद्र खटीक, श्रीमती वैदेही पुरोहित, श्रीमती रूबी पटेल, भरत अहिरवार, नीरज गोलू कोरी, पार्षद प्रतिनिधि कनई पटैल, विशाल खटीक, पूर्व पार्षद श्रीमती प्रतिभा चौबे, रिशांक तिवारी, उपायुक्त एस.एस.बघेल, कार्यपालन यंत्री विजय दुबे, उपयंत्री दिनकर शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह को आभार पत्र सौंपा

सत्ता सुधार ■ सागर

विश्व रक्तदाता दिवस पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रक्तदान में उल्लेखनीय सहयोग करने के लिए पूर्व गृहमंत्री, वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह के कार्यालय पहुंच कर उनका स्वागत किया और गत माह 17 से 19 मई को आयोजित वृहद रक्तदान शिविर के माध्यम से 1425 यूनिट रक्त ब्लड बैंक को सौंपने का आधिकारिक प्रमाण पत्र व आभार पत्र उन्हें सौंपा।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती डॉ. ममता तिमोरे, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. श्रीमती ज्योति चौहान व रक्त कोष अधिकारी डॉ. महेश जैन पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के कार्यालय पहुंचे। उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक सरोकार के लिए दीपाली होटल परिसर में लगाए गए रक्तदान शिविर से प्राप्त 1425 यूनिट रक्त के लिए आभार सहित प्रमाण पत्र सौंपा। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह के जन्मदिवस पर उनके आह्वान पर आयोजित वृहद रक्तदान शिविर में एकत्रित 1425 यूनिट रक्त जिला स्वास्थ्य विभाग के रक्त कोष को सौंपा गया था।

निर्माण कार्य सुरक्षित रहे-इसकी देखभाल करने का दायित्व नागरिक निभाएं:-निगम आयुक्त

सागर। झील सौंदर्यकरण के तहत झील किनारे बनाए गए पाथवे , लाइटिंग और अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं परंतु यह कार्य सुरक्षित रहे इसके लिए झील किनारे रहने वाले नागरिकों को इन कार्यों को अपना समझकर उनकी देखभाल करने की जिम्मेवारी निभानी होगी और इन्हें अपना समझ कर अगर कोई व्यक्ति विकास कार्यों को नुकसान पहुंचता है तो उसे रोकना टोकना होगा। यह अपील नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने गंगा मंदिर के पास सागर झील किनारे चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुये झील किनारे रहने वाले नागरिकों से कही, उन्होंने कहा कि नगर निगम या सरकारी विभागों का कार्य जनहित में विकास कार्य कराना है, लेकिन कराये गए कार्य सुरक्षित रहे, इसलिए उनकी देखभाल करना नागरिकों का दायित्व है।उन्होंने तालाब किनारे बन रहे घाटो में गंगा मंदिर के पास के घाट का नामकरण केवट घाट रखने का सुझाव दिया साथ ही घाट किनारे नाव का स्टेचू भी बनाने का सुझाव दिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने गंगा मंदिर पहुंचकर मंदिर के जीणोद्धार के संबंध में वहां के निवासियों से चर्चा की साथ ही साथ उन्होंने खुले में मछली विक्रय ना हो इसके संबंध में संबंधित नागरिकों से सुझाव लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

हृदय में गुरु विराजमान है तो आप पाप नहीं कर सकते मुनिश्री वीरसागर

सत्ता सुधार ■ सागर

ऑक्सीजन के बिना कोई जीवित नहीं रह सकता है हृदय एक मिनट को बंद हो जाए तो शरीर नीचे रहता है और आत्मा ऊपर चली जाती है। सांसें गर्भ में आए शिशु से लेकर व्यक्ति के अंतिम समय तक सिर्फ हृदय चलता है गुरु का नाम व्यक्ति अपने हृदय में लेकर के चिंतित रहता है। जिसके हृदय में गुरु विराजमान होते हैं वह कभी पाप नहीं कर सकता है यह बात निर्यापक मुनि श्री वीर सागर महाराज ने पारस नाथ जैन मंदिर कटरा के फर्श पर कही। उन्होंने कहा कि आप अन्य कितने समय खाते पीते हैं ? पानी से जीवन चलता है जब पेट भर जाता है आप उससे ज्यादा खा पी नहीं सकते हैं और यदि खाना पीना जारी रखा तो उल्टी हो जाती है क्योंकि भोजन पानी करने की एक अपनी सीमा है और उसके बाद विरक्ति हो जाती है। मुनिश्री ने कहा आती जाति सांसों में गुरु का नाम व्यक्ति के हृदय में बना रहता है। गुरुदेव ने बुंदेलखंड वालों को क्या नहीं दिया 40-45 साल पहले जैनों की स्थिति क्या थी लेकिन गुरुदेव के बुंदेलखंड में आने के बाद जैन करोड़पति और अरबपति हो गए और दानवीर भी बन गए। गुरुदेव ने लाखों करोड़ों लोगों को बांटा ही बांटा है उजाड़ा किसी को नहीं है बुंदेलखंड से चेतन (मुनि) और अचेतन दिए हैं गुरुजी का अधूरा सपना भाग्योदय में बन रहा सर्वतोभद्र जिनालय है यदि कोई सपना आपको पूरा करना है तो आपकी नींद उड़ जाना चाहिए जब चिंता होती है तो नींद भी उड़ जाती है इसी प्रकार मंदिर निर्माण जल्दी हो। इसके लिए भी आप सभी की नींद उड़ जाना चाहिए। गुरुदेव ने जो आप सागर वालों को दिया है वो किसी अन्य जगह को नहीं। कार्यक्रम का संचालन मुकेश जैन ढाना और सपन जैन ने किया पारसनाथ मंदिर कमेटी इन्द्रकुमार नायक देवेन्द्र जैना, प्रकाश जैन ने मुनिश्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद लिया। पाद प्रच्छालन महेश बिलहरा संतोष बिलहरा परिवार ने किया। शास्त्र भेंट करने का अवसर मनोज जैन आरंभ, सुनील जैन बरौदा, संतोष जैन बिलहरा, साधिका अनीता दीदी, सीए आशिका समैया, विशाल जैन पथरिया, पारस प्रगति महिला मंडल नमक मंडी को मिला।

हम सब ने ठाना है जल स्रोतों को बचाना है

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मां मोतीचूर नदी घाट पर किया सभी ने श्रमदान

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 5 से 16 जून तक जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान जारी है जिसके तहत जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कुआं की सफाई का नदी घाट की सफाई के साथ ही शहर के विभिन्न नालों एवं नालियों की सफाई को लेकर लगातार नगर पालिका परिषद बीना एवं जनपद पंचायत द्वारा कार्य किया जा रहा है किसी के तहत बुधवार को नए बस स्टैंड के पीछे हजारिया शिवलिंग स्थित कुआ की सफाई नगर पालिका परिषद बीना की अध्यक्ष लता सकवार, उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैया, पार्षद मधुलिका यादव, पार्षद गौरी शंकर राय,पार्षद बी डी रजक पार्षद जितेंद्र बोहरे जितेंद्र राय कैलाश कुशवाहा पहलाद यादव हरिओम चौबे, गोविंद तिवारी, अर्शी शेख मंन्तशा खान राधिका यादव राम जी यूनिट बेस्ट मैनेजमेंट की पूरी टीम सोनाली राय, ज्योति सराफ लक्ष्मी शराब यंत्री अविनाश रावत, उप यंत्री सत्यम देवलिया मनोज नामदेव, शिव दर्शन सेन सफाई विभाग की कर्मचारी मुकदम इन अन्य कर्मचारी एवं

माँ मोतीचूर जल एवं पर्यावरण अभियान समिति बीना से एच डी गोस्वामी ब्रांड एंबेसडर राम शर्मा, उदय कुशवाहा, राकेश सुमन, राजेश चौबे, दिनेश कुशवाहा, राकेश विश्वकर्मा, शिव दर्शन सेन, सुधीर रिछारिया, युवराज सिंह, जया कुमारी, आरसी ममता रजक, सहित राकेश माली सूर्यप्रकाश संजू रकवार आदि उपस्थित रहे। सामाजिक संगठनों द्वारा की गई है उसी क्रम में आज मोतीचूर घाट पर सफाई अभियान प्रारंभ किया गया यह कार्यक्रम शासन के निर्देश अनुसार जिला कलेक्टर दीपक आर्य के निर्देशन में बीना नगर पालिका के सीएमओ ईशान धाकड़ एवं सी ई ओ राजेश पटेरिया द्वारा जहां शहर में अभियान चलाया जा रहा है वही ग्रामीण अंचलों में भी जल संवर्धन योजना के तहत कार्य जारी हैं।उपयंत्री अविनाश रावत ने कहा कि जल स्रोतों को बचाने श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से कुआं की सफाई मां मोतीचूर नदी घाट की सफाई लगातार जारी रहेगी।हम सब ने ठाना है जल स्रोतों को बचाना है अध्यक्ष लता सकवार ने बताया की बीना के शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में कुआं एवं बावड़ियों साफ सफाई को लेकर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2024

वार्डों के कुआ -बावड़ियों का सफाई अभियान निरंतर जारी

सत्ता सुधार ■ सागर

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देश अनुसार नगर निगम द्वारा जन भागीदारी से प्राचीन जल संरचनाओं और कुआं, बावड़ियों की सफ़ाई का अभियान निरंतर जारी है , जिसमे गुरुवार को मधुकर शाह वार्ड,लाजपतपुरा वार्ड, सुभाष नगर वार्ड,वल्लभनगर वार्ड ,जवाहर गंज वार्ड, मोहन नगर वार्ड, लक्ष्मीपुरा वार्ड, और तिली वार्ड के चिन्हित कुओ और बावड़ियों की वार्ड दरोग़ा, जोन प्रभारी और संबंधित वार्ड के इंजीनियर द्वारा जन भागीदारी से सफ़ाई अभियान चलाकर कुओ में जमा कचरे और मलबे को बाहर निकाल कर उनकी सफाई की गई , और नागरिकों को इन प्राचीन जल स्रोतों की सफाई रखने के लिए जागृत किया गया ताकि इन जल स्रोतों में उपलब्ध जल का पुनः उपयोग किया जा सके।अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को की जाएगी इन वाडो के कुआ-बावडियो की सफाई-- शिवाजी नगर वार्ड ,दयानंद वार्ड, तुलसी नगर वार्ड ,रामपुरा वार्ड, राजीव नगर वार्ड,और अंबेडकर वार्ड के चिन्हित कुआं -बावडियो की सफाई की जाएगी।

सम्मान नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए किए गए कार्यों को लेकर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया है

योगाचार्य विष्णु आर्य को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

सत्ता सुधार ■ सागर

केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबद्ध योगासन भारत ने प्रसिद्ध योगाचार्य विष्णु आर्य को योग के क्षेत्र में प्रचार प्रसार और नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए किए गए कार्यों को लेकर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया है। यह अवार्ड पिछले साल गोवा में आयोजित 37 वे राष्ट्रीय खेल महोत्सव के दौरान दिया जाना था। लेकिन योगाचार्य विष्णु आर्य अपरिहार्य कारणों के चलते गोवा नही जा सके थे। पिछले दिनो योगासन भारत ने यह अवार्ड डाक के जरिए योगनिकेतन योग प्रशिक्षण संस्थान सागर में आग्रह के साथ भेजा।योगाचार्य विष्णु आर्य पिछले 60 वर्षो से योग के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहे है। उनको अनेक प्रदेश औरराष्ट्रीय स्तर के अवार्ड से नवाजा जा चुका है। मध्यप्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग के क्षेत्र में दिए जाने वाले राम जी महाजन पुरस्कार से सम्मानीत योगाचार्य विष्णु आर्य को मध्यप्रदेश सरकार के योग के क्षेत्र में दिए जाने वाले स्वामी विवेकानंद सम्मान के लिए भी चयनित किया गया है।

राज्य सरकार के योग आयोग के सागर के जिला अध्यक्ष योगाचार्य विष्णु आर्य के मार्गदर्शन में सागर की अनेक संस्थाओं में इन दिनों 21 जून को आयोजित होने वाले योग दिवस की तैयारिया की जा रही है। इसके साथ ही योग निकेतन योग प्रशिक्षण संस्थान सागर में नियमित योगाभ्यास और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। योगाचार्य विष्णु आर्य ने कहा है कि हमारा उद्देश्य हमारी गौरवशाली परंपरा योग विज्ञान को जन जन तक पहुंचाना है। हमारे शारीरिक ,मानसिक और आध्यात्मिक सभी तरह की उन्नति का मार्ग योग विज्ञान में है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को शुरुआत कराकर इसे पुनरस्थापित किया करने का काम किया है।

बेतवा नदी के पुल के नीचे मिला अज्ञात शव : व्यक्ति की जेब में मिला बीना से मथुरा का रेलवे टिकट, बीना-गुना रेलवे ट्रैक की घटना

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

बीना-गुना रेलवे ट्रैक पर स्थित बेतवा पुल के नीचे बुधवार की शाम को एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

शव का आज गुरुवार को पीएम किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बीना-गुना रेलवे ट्रैक पर बेतवा नदी के पुल के नीचे। एक अज्ञात 35-36 साल के व्यक्ति का शव पड़ा हुआ मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद कंजिया पुलिस चौकी के जवान मौके पर पहुंचे।व्यक्ति के जेब की तलाश करने पर उसके पास से 11 जून का बीना से मथुरा का रेलवे टिकट मिला है। जबकि बीना से मथुरा का रेलवे ट्रैक अलग है और शव बीना-गुना रेलवे ट्रैक पर मिला है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि उक्त यात्री गलत ट्रेन में बैठ गया होगा और वह ट्रेन से गिर गया।शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। शव को मॉर्चुरी में रखवा दिया गया है। जिसका आज गुरुवार को पीएम किया जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस शव की शिनाख्त में जुट गई है।

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका में अब तक तीनों ही मैचों में विफल रहे हैं विराट

न्यूयॉर्क। अमेरिका में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन हो रहा है पर भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली उसमें असफल रहे हैं। विराट यहां खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्वकप में अब तक हुए तीनों ही मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। इससे ऐसा लगता है कि वह यहां की पिचों को अबतक समझ नहीं पाये हैं। अमेरिका के खिलाफ मैच में भी वह खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विराट ने अब तक अमेरिकी धरती पर 6 पारियां में केवल 68 रन ही बनाए हैं। इसमें उनका औसत 11.33 जबकि स्ट्राइक रेट 97.14 रन रहा है। पहले तीनों ही मैचों में विराट और रोहित की सलामी जोड़ी विफल रही।

ऋषभ सूर्यकुमार और सिराज को युवराज ने दिया सर्वश्रेष्ठ फील्डर का अवार्ड

न्यूयॉर्क। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्वकप मुकाबले के लिए ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और मोहम्मद सिराज को सर्वश्रेष्ठ फील्डर का अवार्ड दिया गया है। इस विश्वकप में खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिए टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप मैच के बाद सर्वश्रेष्ठ फील्डर के लिए खिलाड़ियों को नामांकित करते हैं। इसी के तहत ही पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने ऋषभ सहित चयनित खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पदक दिया। टी दिलीप ने ऋषभ , सूर्यकुमार यादव और मोहम्मद सिराज को सर्वश्रेष्ठ फील्डर के मेडल के लिए नामांकित किया था। सिराज ने अमेरिका टीम के नीतीश कुमार का बाउंड्री लाइन पर शानदार कैच पकड़ा था इसके अलावा फील्डिंग के दौरान रन भी बचाये थे। सिराज की फील्डिंग में लगातार सुधार आ रहा है और यह मैदान पर भी दिखने लगा है।

पूरन ने गेल को पीछे छोड़ा

त्रिनिडाडा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने टी20 विश्वकप क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए एक मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। पूरन ने इस मैच में 17 रनों की अपनी पारी के दौरान अपने ही देश के दिग्गज खिलाड़ी का क्रिस गेल का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब पूरन वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। गेल ने 79 टी20 मैचों में 1899 रन बनाए हैं पर अब पूरन 91 मैचों में 1914 रन बनाकर गेल से आगे निकल गए हैं। पूरन के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक भी शतक नहीं हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 82 का रहा है।

अंपायरों ने अमेरिकी टीम पर लगायी पांच रनों की पेनल्टी

न्यूयार्क। अमेरिकी टीम को टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत के खिलाफ हुए मुकाबले में एक गलती भारी पड़ गयी। इससे मेजबान अमेरिकी टीम पर पांच रन की पेनल्टी लग गयी। अमेरिकी टीम पर ये पेनल्टी ओवरों में देरी के कारण लगायी गयी है। नियम के अनुसार एक ओवर खत्म होने के बाद दूसरा ओवर डालने के बीच हर टीम को 60 सेकंड का समय दिया जाता है। वहीं इस दौरान अगर कोई टीम तीन बार अधिक समय लेती है तो अंपायर उसपर पांच रन की पेनल्टी लगा देते हैं।

भारत के मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे

पीसीबी ने कहा, 19 फरवरी से शुरु होगी चैंपियंस ट्रॉफी

एजेंसी ■ लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैंपियंस ट्रॉफी को 19 फरवरी से शुरु करने का प्रस्ताव आईसीसी को दिया है। पीसीबी के अनुसार इसके सभी मैच कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाएंगे पर उसने हाइब्रिड मॉडल रखे जाने से इंकार कर दिया। पीसीबी के अनुसार एशिया कप की तर्ज पर चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे।

पीसीबी के अनुसार, चैंपियंस ट्रॉफी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए आए आईसीसी अधिकारियों ने भी व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया है। पीसीबी ने

भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल को रखे जाने से इंकार करते हुए कहा कि सभी मैच उनके देश में खेले जाने चाहिए। अब देखना है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस मामले में क्या फैसला करता है। गौरतलब है कि पिछले एशिया कप 2023 के दौरान भारत के मैचों को श्रीलंका में रखा गया था पर इसबार पीसीबी वैकल्पिक स्थान पर मैच रखने के पक्ष में नहीं है। पीसीबी चाहता है कि भारत समेत सभी मैच देश में ही खेले जाएं। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, हमने हाइब्रिड मॉडल नहीं चुना है। हालांकि, हमने यह सुविधा दी है कि भारत के सभी मैच लाहौर में ही खेले जा सकते हैं जिससे टीम अधिक यात्रा न करनी पड़े। इस तरह, टीम को पाकिस्तान के शहरों में इधर-उधर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी और लाहौर में टीम की सुरक्षा अच्छी तरह से बनाए रखी जा सकेगी।

पीसीबी इसके अलावा भारतीय टीम के लिए स्टेडियम तक जाने की विशेष व्यवस्था कर सकती है। अब देखना है कि भारतीय बोर्ड और सरकार क्या फैसला लेते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, कराची में कम से कम तीन मैच खेले जाएंगे। इसमें उद्घाटन और सेमीफाइनल मैच शामिल है। लाहौर में फाइनल समेत कम से कम सात मैच खेले जाएंगे।

शहजाद ने बाबर आजम पर सवाल उठाये

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी खराब कप्तानी के कारण पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें कप्तानी छोड़कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है। विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका जैसी नई टीम से हारने के बाद से ही आजम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी। वहीं भारत से हार के बाद तो उनके आलोचक और मुखर हो गये हैं। पाक टीम को कनाडा के खिलाफ मिली जीत के दौरान भी खासा संघर्ष करना पड़ा है और उसपर सुपर आठ से बाहर होने की तलवार लटकी हुई है। इसी सब के बीच ही बल्लेबाज अहमद शहजाद ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया है।

न्यूजीलैंड को 13 रन से हराकर सुपर आठ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज की टीम ने 149 रन बनाए और न्यूजीलैंड को जीत के लिए 150 रनों का लक्ष्य दिया

एजेंसी ■ त्रिनिडाड

वेस्टइंडीज की टीम ने यहां हुए टी20 विश्व कप के एक लीग मुकाबले में न्यूजीलैंड को 13 रन से हरा दिया। इसी के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम विश्वकप के सुपर आठ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गयी है। वेस्टइंडीज के साथ हुए मुकबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 149 रन बनाए और न्यूजीलैंड को जीत के लिए 150 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए कीवी टीम 136 रन ही बना पायी। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने सुपर 8 में जगह बना ली है। इससे पहले भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सुपर 8 में पहुंची थीं। इस मैच में पहुले बल्लेबाजी करते हुए

वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग और जॉन्सन चार्ल्स विफल

रहे। किंग ने 12 गेंदों में 9 रन बनाए जबकि चार्ल्स खाता भी नहीं खोल पाये। इसके अलावा निकलस पूरन ने 17, रोस्टन चेज ने 0, रोवमेन पॉवेल ने 1, आंद्रे रसेल ने 14 रन जबकि अकील हौसेन 15 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर से शेरफन रदरफोर्ड ने सबसे अधिक रन बनाये। रदरफोर्ड ने 39 गेंदों में 68 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 6 छक्के और 2 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 174 के आस पास रहा। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने 3 विकेट लिए। टिम साउदी और लॉकी फर्ग्यूसन को 2-2 विकेट मिले।

न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही। ओपनर डेवॉन कॉन्वे के केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए। उनके साथ उतरे फिन एलन भी 26 रन बनाकर रसेल के हाथों कैच हुए। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे अधिक 40 रन बनाये। न्यूजीलैंड की टीम 136 रन ही बना पायी।

रोहित ने जीत के बाद सूर्यकुमार, शिवम और अर्शदीप की प्रशंसा की

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 विश्वकप में अमेरिका के खिलाफ हुए मैच के बाद कहा कि इसमें कोई भी टीम जीत सकती थी। इस मैच में भारतीय टीम के लिए 111 रनों का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं रहा। रोहित ने इस मैच में सूर्यकुमार यादव के शानदार अर्धशतक के अलावा, शविम दुबे की पारी और अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाजी की प्रशंसा की है। अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद कप्तान रोहित ने कहा कि उन्हें पता था कि इस पिच पर लक्ष्य कर पीछा करना कठिन होगा। इस मैच में अमेरिका को आठ विकेट पर 110 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 18.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित ने मैच के बाद कहा हमें पहले ही पता था कि लक्ष्य हासिल करना कठिन रहेगा पर सूर्यकुमार और शिवम ने अच्छा प्रदर्शन किया। साथ ही कहा कि हमने कई अमेरिकी खिलाड़ियों के साथ खेला है। उनकी प्रगति से खुश हूं, उन्हें अमेरिकी लीग (एमएलसी) में भी देखा। वे कड़ी मेहनत करने वाले खिलाड़ी हैं जो अपना प्रभाव दिखा रहे हैं। रोहित ने कहा इस मुकाबले में अर्शदीप ने शानदार शुरुआत की, हम अपने साथ विकल्प चाहते हैं, सुपर आठ में होना एक बड़ी राहत है, यहां खेलना आसान नहीं था, यह मैच कोई भी जीत सकता था।

भारत की अमेरिका पर जीत से सुपर आठ के लिए पाक की उम्मीदें बढ़ीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय टीम की टी20 विश्व कप क्रिकेट में अमेरिका के खिलाफ जीत से पाकिस्तान टीम की सुपर आठ की संभावनाएं बढ़ी हैं। अब तक दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, भारत और वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर आठ में जगह बनायी है।

भारत, पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, कनाडा और आयरलैंड ग्रुप ए में है। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर आठ में पहुंचेंगी। भारतीय टीम के सुपर आठ में पहुंचने के बाद अब दूसरे स्थान के लिए अन्य टीमों में मुकाबला है। अभी अमेरिका 4 अंक लेकर ग्रुप में दूसरे नंबर पर है पर पाकिस्तान, कनाडा और आयरलैंड भी 4 अंक तक पहुंच सकते हैं। ग्रुप ए में अब तीन मैच शेष हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा को एक-एक मैच खेलना है। आयरलैंड को दो मैच खेलने हैं। ऐसे में अगर अमेरिका 14 जून को आयरलैंड को हरा देता है तो उसके 6 अंक हो जाएंगे. ऐसा होने पर अमेरिका सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर जाएगा और पाकिस्तान, कनाडा और आयरलैंड रेस से बाहर हो जाएंगे पर अगर अमेरिका की टीम आयरलैंड से हार जाती है तो पाकिस्तान, कनाडा और आयरलैंड के लिए रास्ते बन जाएंगे. अगर अमेरिका हारा और पाकिस्तान, कनाडा या आयरलैंड में से जो भी टीम जीतेगी, उसके 4 अंक हो जाएंगे।

इसके बाद पाकिस्तान की टीम आयरलैंड को हरा दे। इन दोनों मैच के अलावा ग्रुप में सिर्फ एक मैच ही बचता है और वह है भारत और कनाडा पर इसके परिणाम से पाक पर प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि कनाडा की टीम पाकिस्तान का समीकरण तभी बिगाड़ सकती है, जब भारत पर 60 रन से ज्यादा से जीत दर्ज करे जिसकी कोई संभावनाएं नहीं हैं।

सरवनन को पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

पिछली बार हुए टोक्यो ओलंपिक में वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये थे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नौकाचालक विष्णु सरवनन को आगामी पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सरवनन ने इस साल की शुरू में ऑस्ट्रेलिया में हुई आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में जीत के साथ ही दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। पिछली बार हुए टोक्यो ओलंपिक में वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। सरवनन ने कहा, ''टाक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे इसी कारण परिणाम की अधिक चिन्ता नहीं थी और मेरा ध्यान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर था।'' वह पिछले एक महीने से मार्सेल में साइप्रस के पावलोस कोंटाइड्स और क्रोएशिया के रियो टोन्सी स्टिपनोविच के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे

ओलंपिक स्थल में ट्रेनिंग लेने का मौका मिला और मेरे साथ ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

साथ ही कहा ऑस्ट्रेलिया में हुई आईएलसीए में वह अनुभवी नौकाचालकों के होने के बाद भी दबाव में नहीं आने के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। उन्होंने कहा, इस दौरान मैंने पाया कि आप अनुभवी खिलाड़ियों से अपने को कम नहीं आंक सकते। आपको उस स्तर तक जाना होगा जिसमें आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और उसको देखा जाये तो मेरे में सुधार आया है।।'' उन्होंने कहा, ''मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।''

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी

नई दिल्ली। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम वीरेंद्र सिंह की कप्तानी में 15 जून को इंग्लैंड रवाना होगी। ये बधिर क्रिकेट टीम इंग्लैंड दौरे में एक टी20 सीरीज खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच सात मैचों की यह टी20 सीरीज डर्बी के काउंटी मैदान में शुरू होगी। इसके बाद के मुकाबले नॉर्थम्पटनशर, वारविकशर और लीसेस्टरशर में होंगे। इस प्रकार ये सीरीज 27 जून को लीसेस्टरशर में समाप्त होगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकार ने कहा कि हमें उम्मीद है कि ये टीम इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन करेगी। बधिर क्रिकेट टीम पहली बार किसी द्विपक्षीय टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड जा रही है। इस अधिकारी ने कहा, यह ऐतिहासिक सीरीज हमारे खिलाड़ियों की असाधारण प्रतिभा को दिखाने के साथ ही खेलों में समावेशिता के महत्व को बताएगी। अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया था और इसकी कप्तानी वीरेंद्र के पास है।

जीतने के बाद उत्साहित होते हुए...

रोम में यूरोपीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में नार्वे के जेकब इनजीब्रिक्सटन पुरुषों की 1500 मीटर रेस जीतने के बाद उत्साहित होते हुए।

प्रशंसा

लय में आने पर हो जाते हैं बेहद खतरनाक

यूरो कप 2024 में अहम भूमिका निभाएंगे रोनाल्डो : छेत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जितना खतरनाक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं हैं। छेत्री के अनुसार यूरो कप 2024 में भी रोनाल्डो अहम भूमिका निभाएंगे। 39 साल के रोनाल्डो ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इसके बाद भी छेत्री का कहना है कि रोनाल्डो जैसा कोई और नहीं है।

छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह शुरुआत में तेजी से नहीं खेल पायें पर एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी दूसरा कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम कई स्टार खिलाड़ियों से भरी है। साथ ही कहा कि वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर भी रख सकते हैं। हाल में खेल को अलविदा कहने वाले छेत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा पर रोनाल्डो का होना हमेशा ही टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस अवसर को गोल में बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री को यूईएफए यूरो 2024 के लिए विशेषज्ञ पैनल में रखा गया है।

टी20 विश्वकप में भाग ले रहे गॉर्डन और जॉर्डन में है कई समानताएं

एजेंसी ■ न्यूयार्क

टी20 विश्वकप 2024 में अब तक वेस्टइंडीज और अमेरिका की धीमी पिचों पर गेंदबाज खासे सफल रहे हैं पर इसके बाद भी कुछ गेंदबाज ऐसे हैं जो महंगे साबित हुए हैं। इसमें कनाडा के जेरेमी गॉर्डन और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन हैं। इन दोनो के ही नाम एक पारी में सबसे अधिक रन देने का अनचाहा रिकार्ड है। इन दोनों ने ही अबतक 44-44 रन दिए हैं , इसके अलावा इन दोनो में कई और समानताएं भी हैं।दोनों ही 30 वर्ष से अधिक उम्र के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। गॉर्डन की उम्र

37 वर्ष है जबकि जॉर्डन की 35 वर्ष। इन दोनों ने टूर्नामेंट में दो-दो मैच खेले हैं और दो-दो ही विकेट लिए हैं। ये दोनो ही मूल रुप से वेस्टइंडीज से हैं। गॉर्डन जहां गयाना के स्टेनले टाउन में जन्मे, वहीं जॉर्डन का जन्म बारबडोस में हुआ है। जेरेमी गॉर्डन ने अब तक 10 वनडे में 18 और और 14 टी20 में 19 विकेट हासिल किए हैं।

सत्ता सुधार

लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर यूपी सरकार के मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने स्वीकार किया है कि भाजपा यूपी में कमजोर जरूर हुई है पर हम अपनी कमियों पर मंथन कर रहे हैं। हम सब कार्यकर्ता पहले हैं मंत्री बाद में हैं। उन्होंने कहा कि हम परिश्रम की पराकाष्ठा कर देंगे और 2027 में जबरदस्त वापसी करते हुए प्रदेश में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे।

राम मंदिर में भक्तों की संख्या घटी

पिछले माह में चढ़ावे सहित अन्य माध्यमों से मिलने वाले दान में कमी आई

एजेंसी ■ अयोध्या

राममंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार कम हो रही है। गत दिवस महज 63 हजार लोग ही दर्शन करने पहुंचे। इसका असर राममंदिर में आने वाले दान पर भी पड़ा है। रामलला को अर्पित की जा रही निधि समर्पण में 50 फीसदी कमी आई है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद जहां रोजाना डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन करते थे। वहीं अब यह आंकड़ा 60 से 80 हजार के बीच पहुंच गया है। यही हाल राममंदिर में आने वाले दान का भी है। रामलला को हर माह विभिन्न माध्यमों से करीब 1. 50 करोड़ का दान आता रहा, लेकिन मई में दान में भारी कमी आई है। ट्रस्ट के अनुसार मई माह में विभिन्न माध्यमों से करीब 84 लाख का दान प्राप्त हुआ है। रामलला को नकदी, चेक, आरटीएस व अन्य ऑनलाइन माध्यमों से दान मिलता है। एक आंकड़े के मुताबिक रामलला की हुंडी यानी दानपात्र में हर माह करीब 60 से 70 लाख की नकदी भक्त अर्पित करते रहे हैं। जबकि अन्य माध्यमों से भी लगभग इतनी ही धनराशि आती रही। पिछले माह में चढ़ावे सहित अन्य माध्यमों से मिलने वाले दान में कमी आई है।

अयोध्या में भाजपा की हार पर बढ़ी रार

इधर, रामनगरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अब तरकश के नए तीर से निशाना साधा जा रहा है। कुछ वीडियो और तस्वीरों को वायरल कर यह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि यहां के विकास के लिए तमाम लोगों को प्रशासन ने जबरन बेघर कर दिया। ऐसे लोगों को न तो मुआवजा दिया गया और न ही उनके पुनर्वास का प्रबंध हुआ। इसी के चलते भाजपा को यहां लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन ने इसे खारिज करते हुए तथ्यों के साथ पुनर्वास और मुआवजा दिए जाने का ब्योरा प्रस्तुत किया है। डीएम नितीश कुमार ने बताया कि विभिन्न प्रमुख मार्गों का उनके किनारे के दुकानदारों, भवन व भू-स्वामियों से समन्वय बनाकर पुर्नस्थापित कर अनुग्रह धनराशि व मुआवजा देकर चौड़ीकरण किया।

कानपुर मेडिकल कॉलेज की चौथी मंजिल से गिरकर डॉक्टर की मौत

एजेंसी ■ कानपुर

कानपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस पासआउट एक छात्रा की देर रात संदिग्ध अवस्था में चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। इस हादसे से पहले मृतका अपने दो दोस्तों के साथ पार्टी करने गई थी। वहीं मृतका के परिजन चौथी मंजिल से घसीटकर हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। दीक्षा तिवारी ने कानपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया था। वह 2018-2022 बैच की छात्रा थी। जिन दोस्तों के साथ पार्टी की थी, वे उसके बैचमेट ही थे। मृतका मेरठ में पोस्टिंग भी पा चुकी थी। वह अपने दो दोस्तों हिमांशु और मयंक के साथ किसी रेस्टोरेंट में पार्टी करके मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर पहुंच गई। उसके बाद संदिग्ध अवस्था में गिरकर उसकी मौत हो गई।

मृतक डॉक्टर के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को घसीटकर छत से नीचे फेंका गया है। वहीं मामले में पुलिस ने बताया कि महिला डॉक्टर पार्टी करके चौथी मंजिल पर गई थी। उसके साथ दो दोस्त थे। उसके बाद वह अचानक ऊपर से गिर गई। वहां उसकी मौत हो गई है। मामले में उसके दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं कॉलेज प्रशासन का कहना है कि दीक्षा हमारे मेडिकल कॉलेज की छात्रा नहीं थी।

ब्रीफ न्यूज

इंजन फेल होने से खड़ी रही पाटलिपुत्र-चंडीगढ़ एक्सप्रेस

अमेठी। पाटलिपुत्र से चंडीगढ़ जा रही पाटलिपुत्र अप एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन तकनीकी कारणों से गुरुवार को सुबह साढ़े पांच बजे निहाल गढ़ रेलवे स्टेशन के पास फेल हो गया जिससे ट्रेन ठहर गई। गर्मी में यात्री परेशान होने लगे। जिसके बाद मालगाड़ी का इंजन जोड़कर करीब सवा दो घंटे विलंब से ट्रेन गंतव्य को रवाना की गई। पाटिलपुत्र से चलकर चंडीगढ़ को जा रही पाटलिपुत्र चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन सुबह 5.31 बजे निहालगढ़ रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी। इसी बीच अप की मेन लाइन पर होम सिंग्नल के पास 5.41 बजे चलते समय ट्रेन का इंजन फेल हो गया। ट्रेन पायलट संजय कुमार यादव ने यह जानकारी स्टेशन अधीक्षक को दी जिसके बाद कंट्रोल रूम को अवगत कराया गया। इंजन फेल होने के बाद सिंदुरवा रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी का इंजन मंगाया गया।

आईएएस मोहम्मद मुस्तफा ने मांगा वीआरएस

लखनऊ। यूपी में प्रमुख सचिव सार्वजनिक उद्यम के पद पर तैनात आईएएस मोहम्मद मुस्तफा ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का अनुरोध किया है। मोहम्मद मुस्तफा 1995 बैच के आईएएस अफसर हैं। उन्होंने अपने अनुरोध के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। वहीं विशेष सचिव, नियुक्त धनंजय शुक्ला को अपर आयुक्त, राज्यकर की नई जिम्मेदारी दी है। वे 28 मई 2017 से नियुक्ति विभाग में इस पद पर तैनात थे। इस तैनाती के दौरान ही उन्हें 2021 में पीसीएस से आईएएस संवर्ग में प्रमोशन मिला। उनके स्थान पर विशेष सचिव खनन विजय कुमार को तैनाती दी गई है। पिछले कुछ समय से विजय कुमार नियुक्ति विभाग में अतिरिक्त प्रभार के तौर पर काम देख रहे थे।

पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्रा को एक महीने की कैद

भदोही। सपा के पूर्व विधायक विजय मिश्रा को कोर्ट ने एक महीने कैद की सजा सुनाई। एमपी-एमएल कोर्ट में अपर सिविल जज साधना गिरी ने आचार संहिता उल्लंघन केस में दोषी पाते हुए यह सजा सुनाई। उन्होंने पूर्व विधायक पर 200 रुपए का जुर्माना लगाया। युवती से दुष्कर्म केस में 15 साल कैद की सजा काट रहा पूर्व विधायक इस समय आगरा की जेल में है। आचार संहिता उल्लंघन के मामले में पूर्व विधायक की एमपीएमएल कोर्ट में अपर सिविल जज (सि.डि.) की अदालत में पेशी थी।

राज्य में रिकॉर्ड 29820 मेगावाट पहुंची मांग, दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और फिर गुजरात

देश में सबसे अधिक यूपी में बिजली की खपत

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

भीषण गर्मी के बीच बिजली की खपत में यूपी ने रिकॉर्ड बना दिया है। प्रदेश में बिजली की मांग 29, 820 मेगावाट पहुंच गई। न्यूनतम मांग भी 23,763 मेगावाट के साथ शीर्ष पर रही। यह यूपी में अब तक की सबसे ज्यादा मांग है। देश में भी यूपी बिजली की खपत में सबसे आगे है। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और फिर गुजरात जैसे राज्य हैं, जहां बिजली की मांग साढ़े 24 हजार मेगावाट के आसपास बनी हुई है। प्रदेश में खपत हो रही बिजली की 25 फीसदी आपूर्ति अकेले सोनभद्र से हो रही है। पिछले साल गर्मी के बाद तीन सितंबर को बिजली की मांग साढ़े 28 हजार मेगावाट (57.9 करोड़ यूनिट) के सर्वोच्च स्तर पर पहुंची थी। इसकी पूर्ति में उत्पादन निगम को पसीने छूट गए थे। इस बार गर्मी के लिए परियोजनाओं में पहले से ही तैयारी शुरू हो गई थी। इकाइयों की ओवर हालिंग के अलावा नई परियोजनाओं की स्थापना के साथ उत्पादन शुरू किया गया था, ताकि भीषण गर्मी में मांग बढ़ने पर निर्बाध आपूर्ति की जा सके, मगर इस बार बिजली की मांग ने नया रिकॉर्ड कायम किया है।

न्यूनतम मांग में भी इजाफा

जून की शुरुआत से ही बिजली की मांग लगातार 29 हजार मेगावाट के पार बनी हुई है। रात पीक आवर में अधिकतम मांग 29500 मेगावाट पहुंची थी। चौबीस घंटे में अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए मांग 29820 मेगावाट के नए स्तर तक पहुंच गई। न्यूनतम मांग में भी तेजी से वृद्धि हुई है। शाम करीब छह बजे न्यूनतम मांग सर्वाधिक 23763 मेगावाट रही।

मांग बढ़ने के आसार

सोनभद्र में राज्य उत्पादन निगम की अनपरा व ओबरा परियोजना के अलावा निजी क्षेत्र की लैंको और एनटीपीसी की रिहंद, सिंगरौली परियोजना से अनुबंध के अनुसार करीब 7423 मेगावाट बिजली निगम को सुलभ हो रही है। यह कुल मांग के 25 फीसदी के बराबर है। हालांकि ओबरा सी की 660 मेगावाट की पहली इकाई के ट्रिपिंग के चलते 10 जून से बंद रहने से आपूर्ति पर असर पड़ा है। यह इकाई लाइट अप कर ली गई, लेकिन अभी इसे हाफ लोड पर ही चलाया जा रहा है। भीषण गर्मी का तेवर ऐसे ही बना रहा तो बिजली की मांग के और बढ़ने के पूरे आसार जताए जा रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर जताया आभार: बिजली की रिकॉर्ड मांग और बिना शार्टेज उसकी आपूर्ति पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर बिजली कर्मियों का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि प्रदेश के इतिहास की सबसे ज्यादा बिजली आपूर्ति हम कर रहे हैं। पूरे देश में भी हमारी आपूर्ति सबसे ज्यादा है। अन्य अग्रणी राज्यों से हम लोग बहुत आगे हैं। प्रदेश के उपभोक्ताओं और ऊर्जा परिवार को इसके लिए बधाई। हालांकि उनके इस पोस्ट के बाद कई जिलों से उपभोक्ताओं ने लगातार बिजली कटौती की शिकायत भी दर्ज कराई है।

अब 64 करोड़ यूनिट की मांग

लोड डिस्पैच सेंटर से जारी आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में दस वर्ष पहले 2014-15 में बिजली की अधिकतम खपत 29 करोड़ यूनिट के आसपास थी। यह आंकड़ा मध्य गर्मी में आठ जून 2014 को पहुंचा था। वर्ष 2015 में 11 जून को बिजली की अधिकतम खपत 30 करोड़ यूनिट तक पहुंची थी।

राजभर की अजय राय पर टिप्पणी, बोले-तेरा क्या होगा कालिया...

लखनऊ। यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर अपने बयानों के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की है। एक सवाल के जवाब में राजभर ने अजय राय पर शोले फिल्म का डॉयलाग दोहरा दिया और कहा कि अब तेरा क्या होगा कालिया...। राजभर से सवाल पूछा गया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली में कहा कि अगर प्रियंका गांधी को वाराणसी से लड़ा दिया जाता तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब दो-तीन लाख वोटों से हार जाते। इस पर राजभर ने कहा कि उन्हें रोका किसने था...। अब तो चुनाव हो चुके हैं अब आगे की तैयारी करें। जब उनसे यही कहा गया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी यही बात कही थी तो उन्होंने कहा कि अब तेरा क्या होगा कालिया...। अजय राय वाराणसी सीट पर पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़े थे। हालांकि, पीएम मोदी ने इस सीट पर डेढ़ लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की पर ये जीत उनकी बड़ी नहीं थी जितना कि चुनाव से पहले दावा किया जा रहा था।

प्रियंका को काशी से लड़ाने के बयान शोले फिल्म का डॉयलाग

राहुल गांधी ने ये दिया था बयान: जीत के बाद पहली बार सांसद राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ बुधवार को रायबरेली पहुंचे। यहां राहुल ने कहा कि वाराणसी में मोदी जान बचाकर निकले हैं। अगर प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़ जाती तो प्रधानमंत्री दो से तीन लाख वोटों से चुनाव हार जाते।

कटौती पर बिफरे राज्य मंत्री, अफसरों को फटकार

इधर, प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने सर्किट हाउस सभागार में विद्युत, नगर निगम, जलकल, जलनिगम आदि के अधिकारियों के साथ बैठक किया। विद्युत कटौती के संबंध में विभागीय अधिकारी ने बताया कि ओवरलोडिंग व अत्यधिक तापमान से ट्रिपिंग की समस्या आई, लेकिन विद्युत विभाग द्वारा समस्या का समाधान प्राथमिकता पर सुनिश्चित कराया गया। विभागीय अधिकारी ने बताया कि वाराणसी में 750 मेगावाट का डिमांड भेजा गया है। मंत्री ने बताया कि 10 हजार पोल बदला जाना था। फिर भी अभी पोल नहीं बदले जाने व जगह-जगह लटकते तारों पर नाराजगी जताई तथा निर्देशित किया कि सभी 28 वार्डों में क्षेत्रीय जेई व पार्षद की टीम बनाकर स्थलीय जांच करा लिया जाए कि उनके क्षेत्र में हटने वाले विद्युत पोल हटे कि नहीं और लटकते हुए तार दुरूस्त हुए कि नहीं। उन्होंने एक सप्ताह में अभियान चलाकर इस कार्य को दुरूस्त कराएं जाने का निर्देश दिया। विद्युत पोल आदि कार्य में ठेकेदारों द्वारा मनमानी किए जाने की पार्षदों की शिकायत पर जांच कराए जाने का निर्देश दिया। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त को स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कूड़ा का नियमित निस्तारण सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया। सड़क पर गंदगी करने वाले पर कार्यवाही करने व उनका चालान करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि तोड़फोड़ के दौरान क्षेत्रीय कई घरों के सीवर एवं पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गए हैं, इन्हें तत्काल अभियान चलाकर लोक निर्माण विभाग दुरुस्त करवाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत, पेयजल, सीवर एवं कूड़ा उठान आदि के बाबत समस्याओं का युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर विभागीय अधिकारियों से हर हालत में समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

किन्नरों ने किया कंगाल, ट्रेन में यात्रियों की जेब की खाली

खाने तक को न छोड़े रुपए, लूट का लाइव वीडियो वायरल

सत्ता सुधार ■ झांसी

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर मुंबई-लखनऊ पुष्पक एक्सप्रेस में देर रात को पैसे मांगने के बहाने चढ़े किन्नरों ने यात्रियों को लूट लिया। यात्रियों ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि तीन से चार की संख्या में आए किन्नरों ने उनसे पहले 10-20 रुपए मांगे थे। जब उन्होंने किन्नरों को देने के लिए जेब से पैसे निकाले तो किन्नर उनके हाथ से पांच सौ रुपए के नोट लूट कर भाग गए। इस पूरे वाकया का वीडियो ट्रेन की साइड अपर बर्थ पर बैठे एक यात्री ने बना लिया। इसके बाद यात्रियों ने रेल प्रशासन से इसकी शिकायत की। जब तक रेलवे सुरक्षा बल कुछ कर पाता किन्नर लूटपाट कर फरार हो गए।

यात्रियों ने बताया कि जो पैसे थे वह किन्नर लूट कर ले गए, अब उनके पास ट्रेन से उतरने के बाद घर जाने तक का किराया नहीं बचा है। यहां तक खाना खाने के लिए अब मोहताज हो गए हैं।

इनका कहना है

घटना की शिकायत मिलने पर अप और डाउन दोनों पुष्पक एक्सप्रेस के सीसीटीवी फुटेज देखे गए, जिसमें किन्नर या कोई संदिग्ध व्यक्ति ट्रेन में चढ़ते या उतरते दिखाई नहीं दिया। वीडियो के आधार पर किन्नरों की तलाश की जा रही है। जल्दी ही उन्हें ढूंढ लिया जाएगा।

-मोहम्मद असलम, सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ

महाकुंभ में साल स्लीपर खरीद की टेंडर प्रक्रिया को हाईकोर्ट में चुनौती

एजेंसी ■ प्रयागराज

महाकुंभ में गंगा-यमुना पर बनने वाले पांटून पुलों लगने वाले साल स्लीपर और साल एजिंग की टेंडर नियमावली को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। कई सालों से साल स्लीपर और साल एजिंग की आपूर्ति करने वाली फर्म मेसर्स बंगाल वुड एंड अलाइड प्रोडक्ट्स ने टेंडर में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते याचिका दाखिल की है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की कोर्ट इस मामले की 17 जून को सुनवाई करेगी। याची फर्म के अधिवक्ता शशि नंदन और उदयन नंदन ने दलील दी कि याची पिछले छह वित्तीय वर्षों में यूपी सरकार को पर्याप्त मात्रा में साल स्लीपर की आपूर्ति की है। इस बार के नए टेंडर नियमों में ढील दिए जाने का उन्होंने विरोध किया। याची के वकील का अदालत के समक्ष कहना था कि इस बार 197 करोड़ रुपए के साल स्लीपर की महाकुंभ मेला में जरूरत है। इतनी बड़ी मात्रा में साल स्लीपर के टेंडर में हिस्सा लेने वाली फर्मों के लिए एक प्रतिशत धरोहर राशि होनी चाहिए, जबकि इसे घटाकर 50 लाख रुपए कर दिया गया है।

धनराशि का नहीं दिया ध्यान

इतना ही नहीं, नियमानुसार इस टेंडर में भाग लेने वाली फर्म का सालाना टर्न ओवर संपूर्ण टेंडर धनराशि का 30 प्रतिशत यानी 60 करोड़ सालाना होना चाहिए,लेकिन इसका भी ध्यान नहीं रखा गया है। इसके अलावा साल स्लीपर के इस टेंडर में प्रतिभाग करने वाली कंपनी के अनुभव में भी बदलाव कर दिया गया है। स्लीपर की आपूर्ति के साथ खरीद को भी शामिल कर लिया गया है।

गड़बड़ी

हेरफेर सामने आने के बाद मिल के उच्च अफसरों ने तीन सदस्यीय जांच टीम की गठित

लाल इमली मिल में 52 लाख का घोटाला

एजेंसी ■ कानपुर

कानपुर की लाल इमली मिल में 52 लाख का घोटाला सामने आया है। मिल में जो कर्मचारी काम नहीं करते थे, उनके खातों में 23 लाख भेज दिए गए। यह धनराशि मिल के कर्मचारियों को दी जानी थी। इसके अलावा डैमेज शुल्क में 29 लाख की गड़बड़ी पाई गई है। हेरफेर सामने आने के बाद मिल के उच्च अफसरों ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी है। टीम ने जांच-पड़ताल भी शुरू कर दी है। अकाउंट और हाजिरी सेक्शन के पांच अफसर समेत सात लोग जांच के घेरे में आ गए हैं। इसमें एक सेवानिवृत्त कर्मचारी भी है। केंद्र सरकार ने कुछ समय पहले लाल इमली, बीआईसी और धारीवाल के कर्मचारियों-अफसरों को जून 2019 से 31 मार्च 2022 तक भुगतान करने के लिए 102 करोड़ का बजट दिया था। इसमें से अब तक 80 करोड़ 17 लाख का भुगतान किया जा चुका है। कुछ समय पहले कर्मचारियों, सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को किए गए भुगतान का आंतरिक मूल्यांकन किया गया था। इसमें अफसरों ने लाखों का हेरफेर पकड़ा।

डैमेज शुल्क में 29 लाख की गड़बड़ी

पता चला कि दिनेश कुमार, रामआसरे और सुनैना देवी नाम के व्यक्तियों के खाते में अलग-अलग सात से साढ़े आठ लाख रुपए डाले गए। दिनेश कुमार और रामआसरे के खाते चंदौली वाराणसी के थे। इसी तरह मिल के अलग-अलग क्वार्टरों में रहने वाले तमाम कर्मचारियों के डैमेज शुल्क में 29 लाख की गड़बड़ी मिली। डैमेज शुल्क नौकरी के बाद भी घर न छोड़ने वाले कर्मचारियों से वसूला जाता है। गड़बड़ी की जांच के लिए गठित टीम में दो सदस्य पंजाब स्थित धारीवाल मिल के और एक कानपुर स्थित मुख्यालय का अधिकारी है। टीम के सदस्यों ने दो दिन तक जांच-पड़ताल की है।

यूपी के उप मुख्यमंत्री पहुंचे केदारनाथ-बदरीनाथ

परिवार संग दर्शन कर लिया भगवान का आशीर्वाद

एजेंसी ■ हरिद्वार

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को सपरिवार भगवान केदारनाथ- बदरीनाथ के दर्शन किए।

उप मुख्यमंत्री पहले केदारनाथ धाम पहुंचे, जहां मंदिर समिति एवं तीर्थ पुरोहितों ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने केदारनाथ मंदिर में दर्शन किए और भगवान केदारनाथ का जलाभिषेक कर लोककल्याण की कामना की। दर्शन के पश्चात बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति की ओर से प्रभारी अधिकारी/ अधिशासी अभियंता अनिल ध्यानी ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया और बाबा केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री को प्रभारी अधिकारी ने केदारनाथ यात्रा व्यवस्थाओं के बावत जानकारी दी। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि केदारनाथ मंदिर में दर्शन के पश्चात दोपहर में उत्तर प्रदेश के उप मुख्य मंत्री ब्रजेश पाठक बदरीनाथ धाम पहुंचे। यहां में दर्शन के पश्चात मंदिर समिति ने उन्हें भगवान बदरीनाथ धाम का प्रसाद भेंट किया। बदरीनाथ में अल्प विश्राम के बाद वह देहरादून रवाना हो गए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गहोई बाटिका सीता सागर ताल के सामने मां पीताम्बरा रोड, दतिया से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2005/16546 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट , शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।